www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

صنعة الله بيكبولاط

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

مبدأ القراءة

МАБДАЪ УЛ-ҚИРОАТ

(ЎҚИШ АСОСЛАРИ)

Иккинчи китоб

Нашрга тайёрловчи:
Анвар АҲМАД

طشـــقند
«ما وراء النهر»
2005

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

СУНЪАТУЛЛОҲ НЕЪМАТУЛЛОҲ ЎҒЛИ БЕКЧЎЛАТ

Атоқли татар–турк олими, кўплаб асарлар муаллифи Сунъатуллоҳ Неъматуллоҳ ўғли Бекчўлат 1885 йили таваллуд тошган. 1894–1905-йилларда Уфадаги «Ҳусайния» мадрасасида, кейинчалик эса Қоҳирадаги машҳур «ал–Азҳар» дорилфунунида таҳсил олган. Ўн тўққизинчи асрнинг улуғ маърифатпарварларидан ва диний арбобларидан бўлган Сунъатуллоҳ Бекчўлат «Ҳусайния» мадрасаси ва бошқа билим даргоҳларида араб тили ҳамда Ислом ва тарихидан кўп йиллар сабоқ берди. Кейинчалик ҳукмдорлар таъқибига учраб, ўрта Осиёга кетишга мажбур бўлади. Муҳожирликда ўзбек, қирғиз, қозоқ, уйғур, тожик тилларини мукаммал эгаллайди. 1928 йилдан Қозонда яшаб, фаолият олиб боради.

Суннатуллоҳ Бекчўлат дарс бериш билан бирга илмий-ижодий фаолиятини ҳам тўхтатмади. Унинг «Шарқ тарихи» «Тўрт халифа», «Ҳазрати Муҳаммад», «Мабда ус-сарф», «Мабдаун наҳв» каби дарсликлари узоқ йиллар илм-маърифатга хизмат қилди ва ҳозирда ҳам аҳамиятини йўқотмаган.

Машҳур аллома, моҳир педагог С. Бекчўлат 1954 йили Қозонда вафот этди. *(Аллоҳ бу зотни ўз раҳматига олсин.)*

Масҳул муҳаррир
Шуҳрат ИСМОИЛОВ
Муҳаррир
Аҳмад МУҲАММАД
Ношир
Мубашшир АҲМАД
Техник муҳаррир
Аббос ТУРСУНОВ
Мусаҳҳиҳлар
Абдуносир ОРТИҚҚОРИЕВ
Дилшод ПЎЛАТОВ

© Fikr-media 2005-йил.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz



بِسْمِ اللهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

1

فَرِيدٌ

وَالِـــدٌ. مَخْـــزَنٌ. مُكْـــثٌ. اَمْـــرٌ. عَـــزْمٌ. طُـــولَ اليَـــوْمِ

اَنَـــا اَصْـــغَرُ مِنْـــكَ بِخَمْـــسِ سِـــنِّينَ

فَرِيـــدٌ عُمْـــرُهُ سَـــبْعُ سَـــنَوَاتٍ. وَاُخْتُـــهُ عَائِشَـــةُ عُمْرُهَـــا تِسْـــعُ سَـــنَوَاتٍ. وَهِـــيَ تَتَعَلَّـــمُ فِـــي الْكُتَّـــابِ مُنْـــذُ سَـــنَتَيْنِ. وَاَمَّا اَخُو فَرِيـــدٍ فَهُـــوَ اَصْـــغَرُ مِنْـــهُ بِثَـــلاَثِ سَـــنَوَاتٍ. وَلَـــهُ جَـــدَّةٌ كَبِـــيرَةٌ فِي الْعُمْـــرِ. وَهِـــيَ تُحِـــبُّ فَرِيـــدًا مَحَبَّـــةً شَـــدِيدَةً. وَهُوَ اَيْضًـــا يُحِبُّهَـــا كَثِـــيرًا. اَمَّـــا وَالِـــدُ فَرِيـــدٍ فَهُـــوَ يَشْـــتَغِلُ بِالتِّجَـــارَةِ وَلَـهُ مَخْـــزَنٌ كَبِيـــرٌ. فَهُـــوَ يَمْكُـــثُ فِيـــهِ طُـــولَ اليَـــوْمِ يَبِيـــعُ فِيـــهِ الأَقْمِشَـــةَ. وَاَمَّـــا وَالِدَتُـــهُ فَهِـــيَ تَشْـــتَغِلُ بِـــإِدَارَةِ اُمُـــورِ البَيْـــتِ وَهُـــوَ لَـــمْ يَتَعَلَّـــمْ بَعْـــدُ شَـــيْئًا. وَقَدْ عَـــزَمَ اَبُـــوهُ اَنْ يُرْسِـــلَهُ فِـــي الْخَـــرِيفِ اِلَـــى الْكُتَّـــابِ لِيَتَعَلَّـــمَ الْقِـــرَاءَةَ وَالْكِتَابَـــةَ

1-машқ. Қуйидаги гапларни араб тилига таржима қилинг.

Мен онамни жуда яхши кўраман. У ҳам мени жуда яхши кўради. Сени беш йилдан бери кўрганим йўқ. Бизнинг дўкони-

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

миз бор. Мен кеча унда кун бўйи турдим. Мен кузда мадрасага бораман. У ерда ўқиш ва ёзишни ўрганаман. Маҳмуд бешёшдадир.

2

فِي الكُتَّابِ



هُنَيْهَـــةٌ. تَعْظِيـــمٌ. بَدْءٌ

اَمْرٌ. اِمْلاَءٌ. اِنْتِهَـــاءٌ

اِنْصِـــرَافٌ. كَ. كَمَا

فِي السَّاعَةِ الثَّامِنَةِ صَـــبَاحًا دَقَّ الْجَـــرَسُ. فَدَخَلَ التَّلاَمِـــذَةُ الكُتَّـــابَ وَاَخَذَ كُلُّ وَاحِد مِنْهُمْ مَكَانَهُ. وَكَانَ بَيْنَ هَـــؤُلاَءِ فَرِيـــدٌ اَيْضًـــا وَبَعْـــدَ هُنَيْهَةٍ دَخَـــلَ الْمُعَلِّـــمُ. فَقَـــامَ التَّلاَمِـــذَةُ تَعْظِيمًـــا لَـــهُ. ثُمَّ بُـــدِيءَ الدَّرْسُ. فَقَامَ اَحَدُ التَّلاَمِذَةِ وَقَـــرَأَ دَرْسَ الاَمْـــسِ. ثُمَّ قَامَ آخَـــرُ فَقَـــرَأَ كَمَا قَـــرَأَ الاَوَّلُ. ثُمَّ قَـــامَ فَرِيـــدٌ فَقَـــرَأَ كَمَـــا قَـــرَأَ الاَوَّلاَنِ. ثُمَّ اَمَـــرَهُ الْمُعَلِّمُ اَنْ يَخْرُجَ اِلَـــي اللَّوْحَـــةِ. وَاَمْلَي عَلَيْهِ عِدَّةَ سُـــطُورٍ. وَبَعْـــدَ انْتِهَـــاءِ الـــدَّرْسِ انْصَـــرَفَ التَّلاَمِـــذَةُ كُلُّهُـــمْ اِلَـــي بُيُـــوتِهِمْ

2-дарс. Дарс бошланди. Шогирдларнинг барчаси мадрасадан уйларига қайтишди. Мен сендан тўрт ёш кичкинаман. Туриб кечаги дарсни ўқидим. Шогирдлар муаллимни улуғлаб ўринларидан туришди. Қуён қўрқоқ ҳайвондир. Арслон довюрак ҳайвондир. Доскага чиқиб биринчи бўлиб ёздим.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

3

كَلْبُ فَرِيدٍ







جَـرْوٌ. حيـن. نُبَـاحٌ

سَـرْحٌ. لُحُـوقٌ. قُـدَّامٌ

اِيصَـالٌ قُـدْرَةٌ. طَيَـرَانٌ

كَلْبُ فَرِيـد جَـرْوٌ جَمِيـلٌ. يُحِبُّ أَنْ يَلْعَـبَ وَيَـرْكُضَ فِـي الـدَّارِ هُـوَ لا يَأْكُـلُ شَـيْئًا غَيْـرَ الخُبْـزِ وَاللَّحْـمِ. بَيْـتُ فَرِيـدٍ قُـرْبَ بَيْـتِ رَشِـيدٍ. وَحِينَ يَـذْهَبُ فَرِيـدٌ اِلَـي صَـاحِبِهِ رَشِـيدٍ يَـذْهَبُ الْجَرْوُ مَعَهُ وَيَـدْخُلُ الـدَّارَ. مَرَّةً ذَهَـبَ مَـعَ فَرِيـدٍ كَلْبُـهُ وَرَأَي دِيـكَ رَشِـيدٍ يَسْـرَحُ مَـعَ الـدَّجَاجِ. وَحِيـنَ رَآهُ صَـارَ يَنْبَـحُ وَيَـرْكُضُ وَرَاءَهُ. اُنْظُـرْ اِلَـي جَـرْوِ فَرِيـدٍ فِـي الصُّـورَةِ. هُوَ لاحِقٌ دِيـكَ رَشِـيدٍ. وَالدِّيكُ يَـرْكُضُ قُدَّامَـهُ. بَقِـي كَلْـبُ فَرِيـدٍ يَـرْكُضُ وَرَاءَ الـدِّيكَ حَتَّـي اَوْصَـلَهُ اِلَـي آخِـرِ الـدَّارِ. فَطَـارَ الـدِّيكُ عَلَـي الْحَـائِطِ وَلَـمْ يَقْـدِرِ الكَلْـبُ أَنْ يَصِـلَ اِلَيْـهِ

3-дарс. Хўроз қичқирди. Кучук югурди. Хўроз товуқлар билан юрди. От югурди. Бу юкни кўтара олмадим. Сени олдингга озгина вақтдан кейин бораман. Муаллим менга дарсимни ўқишни буюрди. Бир соатдан сўнг дарс тугайди. Шундан кейин уйга қайтаман. Муаллим ўқигани каби ўқидим. Отангни улуғлагин. От югура бошлади.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الكُتَّـــابُ



تَقْـــويمٌ. خَريطَةٌ. رَفيـــقٌ

تَلَقِّـــي. اسْتِماعٌ. اسْتَمَعَ لَـــهُ

تَعْيِيـــنٌ. فَـــائِزٌ. تَضـــييعٌ

سُدًّي. حَلٌّ. سيرَةٌ. شَرْحٌ. مَنْ

هَكَذَا. جَائِزَةٌ

كَـــريْمٌ تِلْميـــذٌ صَـــغيرُ السِّـــنِّ. وَهُوَ وَلَدٌ مُـــؤَدَّبٌ جِـــدًّا. يُحِـــبُّ الْكُتَّـــابَ حُبًّـــا شَـــديدًا. يَـــذْهَبُ اِلَيْـــهِ بَـــاكِرًا وَلاَ يَتَـــأَخَّرُ عَـــنِ الدَّرْسِ اَبَـــدًا. وَهُـــوَ مُجْتَهِـــدٌ فِـــي دُرُوسِـــهِ كَثِـــيرًا وَلاَ يَلْعَـــبُ اِلاَّ فِـــي الوَقْـــتِ الْمُعَيَّـــنِ لِلَّعِـــبِ. وَلِـــذَلِكَ يُحِبُّـــهُ مُعَلِّمُـــهُ وَاَبَـــوَاهُ وَاَقَارِبُـــهُ وَكُـــلُّ مَـــنْ يَعْرِفُـــهُ. اَلْفَصْـــلُ الَّـــذِي يَتَعَلَّـــمُ فِيـــهِ كَـــرِيْمٌ حُجْـــرَةٌ غَيْـــرُ كَبِـــيرَةٍ. يُوجَـــدُ فِيهَـــا مَقَاعِـــدُ لِلتَّلاَمِـــذَةِ وَمَكْتَـــبٌ وَكُرْسِـــيٌّ لِلْمُعَلِّـــمِ. تَرَي اَمَامَ الْمَقَاعِـــدِ لَـــوْحَ التَّبَاشِـــيرِ وَفِي الْجِدَارِ سَـــاعَةً وَتَقْوِيمًـــا وَخَـــرَائِطَ وَعِـــدَّةَ رُسُـــومٍ. فِي هَذِهِ الصُّـــورَةِ نَـــرَي كَرِيمًـــا وَرُفَقَـــاءَهُ جَالِسِـــينَ عَلَـــي الْمَقَاعِـــدِ. وَالْمُعَلِّمُ وَاقِفٌ اَمَـــامَهُمْ. وَهُمْ يَتَلَقَّـــوْنَ الآنَ مِنْـــهُ دَرْسَ الْحِسَـــابِ. اُنْظُـــرْ كَيْـــفَ يَسْـــتَمِعُونَ لِمُعَلِّمِهِـــمْ بِرَغْبَـــةٍ شَـــدِيدَةٍ. مَرَّةً اَعْطَاهُمُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْمُعَلِّمُ مَسْئَلَةً صَعْبَةً مِنَ الْحِسَابِ. وَوَعَدَ الفَائِزَ بِجَائِزَةٍ وَعَيَّنَ يَوْمَ الامْتِحَانِ. فَأَمَّا كَرِيْمٌ فَلَمْ يُضَيِّعْ وَقْتَهُ سُدًى بَلْ صَرَفَهُ الَي حَلِّ الْمَسْئَلَةِ. وَأَمَّا بَقِيَّةُ الاوْلاَدِ فَلَمْ يَجْتَهِدُوا مِثْلَ كَرِيْمٍ. بَلْ صَرَفُوا اَكْثَرَ اَوْقَاتِهِمْ اِلَي اللَّعِبِ. فَلَمَّا جَاءَ وَقْتُ الامْتِحَانِ لَمْ يَقْدِرْ اَحَدٌ عَلَي شَرْحِ الْمَسْئَلَةِ مِثْلَ كَرِيْمٍ. فَاسْتَحْسَنَ الْمُعَلِّمُ سِيرَةَ كَرِيْمٍ وَمَدَحَهُ وَاَعْطَاهُ الْجَائِزَةَ. فَلَمَّا جَاءَ كَرِيْمٌ بِالْجَائِزَةِ اِلَي بَيْتِهِ سُرَّ بِهِ اَبَوَاهُ كَثِيْرًا وَاشْتَرَي لَهُ اَبُوهُ دَرَّاجَةً صَغِيْرَةً. وَهَكَذَا نَالَ كَرِيْمٌ جَائِزَتَيْنِ

4-дарс. Сўзимга қулоқ сол. Вақтингни бекорга ўтказма. Имтиҳон вақти бўлди. Жуда қийин масалани ечдим. Бизнинг мадрасада кўп хариталар ва бир неча расмлар бор. Ўйин учун белгиланган вақтдагина ўйна. Бу календар жуда қимматдир. Имтиҳонда баланд даражага чиқиб мукофот олдим. Карим одобли бола. У мактабни жуда яхши кўради. Барча вақтини ўйинга сарфламайди.

5

مَنْفَعَةُ القِرَاءَةِ

مَنْفَعَةٌ. ذَاتَ لَيْلَةٍ. اِسْتِعْدَادٌ. مَيْلٌ. طَيٌّ. لاَ بُدَّ. تَخْلِيَةٌ. قَضَاءٌ. حُدُوثٌ. خَطَرٌ. تَعْلِيقٌ بُلُوغٌ. اِنْكِسَارٌ. غَرْقٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

جَلَسَ رَشِيدٌ ذَاتَ لَيْلَةٍ بِالْقُرْبِ مِنَ الْمِصْبَاحِ. وَأَخَذَ يَسْتَعِدُّ لِدُرُوسِهِ. وَكَانَ لاَ يُحِبُّ القِرَاءَةَ وَلاَ يَمِيلُ إِلَيْهَا. وَلَكِنَّهُ فَعَلَ ذَلِكَ خَوْفًا مِنَ الْجَزَاءِ. وَبَعْدَ أَنْ دَرَسَ قَلِيلاً طَوَى الكِتَابَ وَسَأَلَ أُمَّهُ قَائِلاً لِمَاذَا يَتَعَلَّمُ النَّاسُ القِرَاءَةَ وَمَا الْمَنْفَعَةُ مِنْهَا؟ فَقَالَتْ لَهُ أُمُّهُ لاَ بُدَّ مِنَ القِرَاءَةِ يَا ابْنِي وَمَنَافِعُهَا كَثِيرَةٌ لاَتَعْرِفُهَا الآنَ. قَالَ يَا أُمِّي خَلِّينِي فِي البَيْتِ. فَإِنِّي لَسْتُ أُحِبُّ الْمَدْرَسَةَ وَلاَ القِرَاءَةَ. وَإِذَا بَقِيتُ هُنَا اَقْضِي لَكِ اَشْغَالَكِ وَلاَ اَعْصِيكِ اَبَدًا. فَقَالَتْ يَا ابْنِي اسْمَعْ مِنِّي حِكَايَةَ الصَّبِيِّ الَّذِي لَمْ يَعْرِفِ القِرَاءَةَ وَمَاذَا حَدَثَ لَهُ: كَانَ وَلَدٌ سَائِرًا فِي الطَّرِيقِ. فَوَصَلَ إِلَى نَهْرٍ عَلَيْهِ جِسْرٌ مِنْ خَشَبٍ. وَرَأَى أَمَامَ الْجِسْرِ لَوْحًا مُعَلَّقًا مَكْتُوبًا عَلَيْهِ لاَ تَعْبُرْ عَلَى هَذَا الْجِسْرِ فِيهِ خَطَرٌ. فَلَمَّا قَرَأَ الوَلَدُ الكَلاَمَ الْمَكْتُوبَ لَمْ يَعْبُرْ عَلَى الْجِسْرِ. بَلْ سَارَ إِلَى جِسْرٍ آخَرَ وَعَبَرَ عَلَيْهِ. وَبَلَغَ الْمَكَانَ الْمَقْصُودَ سَالِمًا. وَبَعْدَ ذَلِكَ جَاءَ غُلاَمٌ آخَرُ لاَ يَعْرِفُ القِرَاءَةَ. فَرَأَى اللَّوْحَ الْمُعَلَّقَ وَمَشَى فِيهِ. وَلَمَّا بَلَغَ وَسَطَ الْجِسْرِ انْكَسَرَ تَحْتَ رِجْلِهِ لَوْحٌ قَدِيمٌ فَسَقَطَ فِي النَّهْرِ وَغَرِقَ فِي الْمَاءِ

5-дарс. Китобни ёпдим. Қаламим синди. Кўприкдан ўтдим. Бу ишда кўп қўрқинч бор. Мен ҳозир мадрасага боришим керак. Жума куни Фарид ҳузурига бордим. У билан кун бўйи копток ўйнадим. Сўнг уйга қайтиб кам овқат едим. Озгинадан кейин ухлашга ётдим. Кийимларимни қозиққа илиб қўй. Сенга ёрдамлашаман.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

6

الدُّبُّ

دأَبٌ. وَحْشٌ. تَفْتِيشٌ
صَيْدٌ. اِذا. هَوْلٌ. زَحْفٌ
صُرَاخٌ. تَصْوِيبٌ
بُنْدُقِيَّةٌ. اِطْلاَقٌ
رَصاصٌ. اِصابَةٌ اِخْطاءٌ
تَماوُتٌ. شَمٌّ. تَنَفُّسٌ
اِضْرارٌ. جُثَّةٌ. مِزاحٌ
هَمْسٌ. مُرافَقَةٌ. دَنِيءٌ
فِي الْحالِ

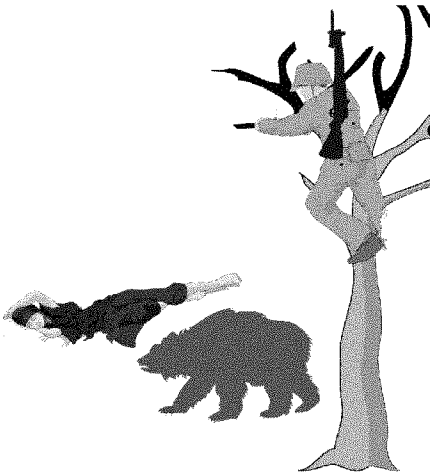

مَحْمُودٌ وَسَعِيدٌ كانا يَتَعَلَّمانِ في مَدْرَسَةٍ واحِدَةٍ وَفي فَصْلٍ واحِدٍ. وكانَ مِنْ دأْبِهِما الْخُرُوجُ اِلَى الغابَةِ القَرِيْبَةِ مِنَ القَرْيَةِ لِصَيْدِ بَعْضِ الوُحُوشِ الصَّغِيْرَةِ. فَخَرَجا مَرَّةً عَلَى عادَتِهِما اِلَى تِلْكَ الغابَةِ. فَبَيْنَما هُما يُفَتِّشانِ في الغابَةِ عَنِ الصَّيْدِ اِذا دُبٌّ يَزْحَفُ اِلَيْهِما. وَهُوَ يَصْرُخُ صُراخاً هائِلاً. فَأَخَذَ الغُلامَيْنِ خَوْفٌ شَدِيدٌ. فَصَوَّبَ مَحْمُودٌ بُنْدُقِيَّتَهُ اِلَى الدُّبِّ وَأَطْلَقَ الرَّصاصَ. وَلَكِنَّهُ ذَهَبَ سُدًى وَلَمْ يُصِبْهُ. فَرَمَى بُنْدُقِيَّتَهُ في الْحالِ وَصَعِدَ في شَجَرَةٍ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

قَرِيبَـــةٌ مِنْـــهُ. وَاَمَّا سَـــعِيدٌ فَكَـــانَ اَيْضًـــا قَـــدْ أَطْلَـــقَ اِلَـــي الـــدُّبِّ الرَّصَاصَ وَأَخْطَـــأَهُ وَكَـــانَ الـــدُّبُّ قَـــدْ اقْتَـــرَبَ اِلَيْـــهِ. فَـــأَلْقَي نَفْسَـــهُ اِلَـــي الاَرْضِ وَتَمَـــاوَتَ. فَجَاءَ اِلَيْـــهِ الـــدُّبُّ وَأَخَـــذَ يَشُـــمُّهُ وَلَمَّـــا رَآهُ لَا يَتَحَـــرَّكُ وَلَا يَتَنَفَّـــسُ ظَـــنَّ أَنَّـــهُ مَيِّـــتٌ فَتَرَكَـــهُ يَـــذْهَبُ أَنْ يُضَـــرَّ بِـــهِ. لِأَنَّ الـــدُّبَّ لَايَمَـــسُّ الْجُثَّـــةَ الْمَيِّتَـــةَ وَلَمَّا ذَهَبَ الدُّبُّ وَغَابَ عَنْ اَعْيُنِهِمَـــا نَـــزَلَ مَحْمُـــودٌ مِـــنَ الشَّـــجَرَةِ فَقَـــالَ لِسَـــعِيدٍ مُمَازِحًـــا لَـــهُ: اِنِّي رَأَيْتُ الـــدُّبَّ قَـــدْ هَمَـــسَ اِلَـــي اُذُنِكَ فَـــأَخْبِرْنِي مَـــاذَا قَـــالَ لَـــكَ. فَأَجَابَـــهُ سَـــعِيدٌ: اِنَّهُ قَالَ لِـــي لَقَـــدْ اَخْطَـــأْتَ كَثِيْـــرًا بِمُرَافَقَتِـــكَ هَـــذَا الْغُـــلَامَ الـــدَّنِيءَ اُطْلُبِ الْجَارَ قَبْلَ الدَّارِ وَالـــرَّفِيقَ قَبْـــلَ الطَّـــرِيقِ

6-дарс. Айиқ жуда қаттиқ товуш билан қичқирди. Тоққа чиқдим. Дарахтдан тушди. Менга айт-чи, Муҳаммад сенга нима деди? Бу милтиқ жуда қимматдир. Уни ўлган деб ҳисобладим. Бу жуда ночор хизматкор. Овқатни пуфлама. Муҳаммадни изладим, лекин уни топа олмадим. Қуён тутдик. Мени қаттиқ қўрқув олди. Унинг қулоғига нима дединг? Милтиқни қуёнга тўғриладим.

7

اَلْوَلَدُ وَالصَّدَي

مَـرْجٌ. فِـــرَارٌ. صَـــدَي. غَضَـــبٌ. سَـــبٌّ. شَـــتْمٌ. اِعَـــادَةٌ مُشَـــاتَمَةٌ. شِـــكَايَةٌ. اِخْتِبَـــاءٌ. سِـــوَي. طَـــرْقٌ. قَبْـــلَ ذَلِـــكَ. فِيمَـــا هُـــوَ يَقْـــرَأُ. عِنْـــدَ ذَلِـــكَ. اَعْلَـــي صَـــوْتِه

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

خَرَجَ عَلِيٌّ ذَاتَ يَـوْمٍ اِلَـي الصَّـحْرَاءِ. وَبَيْنَمَا هُـوَ يَمْشِـي فِيهَـا وَصَلَ اِلَي مَرْجٍ قَرِيبٍ مِـنْ غَابَـةٍ كَثِيْـرَةِ الأَشْـجَارِ. وَفِيمَا هُـوَ يَلْعَبُ فِي الْمَرْجِ فَـرَّ مِـنْ أَمَامِـهِ طَيْـرٌ. فَصَرَخَ عَلِيٌّ هَا هَـا هَـا فَرَجَعَ الْبِـهِ الصَّـدَي فِـي الْحَـال. اَمَّا عَلِيٌّ فَعَجِـبَ مِـنْ ذَلِـكَ كَثِـيْرًا. لِأَنَّهُ مَا كَانَ يَعْرِفُ قَبْلَ ذَلِـكَ مَـا هُـوَ الصَّـدَي. وَظَنَّ أَنَّ فِي الْغَابَةِ وَلَـدًا يَصْـرُخُ مِثْـلَ صُـرَاخِهِ. فَقَالَ مَنْ أَنْتَ يَـا هَـذَا؟ فَأَجَابَهُ الصَّدَي مَنْ اَنْتَ يَـا هَـذَا؟ فَصَـرَخَ عَلِـيٌّ بِـأَعْلَي صَـوْتِهِ أَنْتَ أَحْمَـقُ. فَأَجَابَهُ الصَّـدَي أَنْـتَ اَحْمَـقُ. وَعِنْـدَ ذَلِـكَ اشْـتَدَّ غَضَبُ عَلِـيٍّ وَاَخَـذَ يَسُـبُّ وَيَشْـتِمُ. وَكَانَ الصَّـدَي يُعِيـدُ اِلَيْـهِ شَـتَائِمَهُ كَلِمَـةً فَكَلِمَـةً. وَعِنْدَ ذَلِـكَ اَخَـذَ عَلِـيٌّ يُفَتِّـشُ عَـنِ الْوَلَدِ الَّـذِي شَـاتَمَهُ. وَلَمَّا لَمْ يَجِدْهُ عَادَ اِلَـي بَيْتِـهِ وَشَـكَا اَمْـرَهُ اِلَي اَبِيـهِ. وَقَالَ لَـهُ : يَا أَبِـي كَـانَ وَلَـدٌ مُخْتَبِئًـا فِـي الْغَابَـةِ وَحِيـنَ وَصَـلْتُ اِلَـي الْقُـرْبِ مِنْـهُ اَخَـذَ يَسُـبُّنِي وَيَشْـتِمُنِي فَقَـالَ اَبُـوهُ: لَمْ تَسْمَعْ يَـا ابْنِـي سِـوَي صَـدَي كَلَامِـكَ. وَأَنْتَ الَّـذِي بَـدَأْتَ بِالشَّـتْمِ. فَرَجَعَ اِلَيْكَ صَدَاهُ مِـنْ وَسَـطِ الْغَابَـةِ. وَلَا عَجَبَ مِـنْ ذَلِـكَ. فَـإِنَّ مَـنْ طَـرَقَ الْبَـابَ سَـمِعَ الْجَـوَابَ

بَلَاءُ الإِنْسَانِ مِنَ اللِّسَانِ

7-дарс. Эшикни тақиллатдим, очилмади. Нимага очилмади? Боққа яширидим. Бор товуши билан қичқирди. Дўстингни сўкма. Баланд ерга кўтарилма. Жуда кўп дарахтли боққа бордик. Мен бундан олдин сени билмас эдим. Бу кўкаламзор

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

ер жуда кенгдир. Сенинг сўзингдан жуда ажабландим. Мен ҳовлида ўйнаётган пайтда тўсатдан Фарид келди. Ҳолимни яқинларимга шикоят қилдим. У дарсдан қочди.

8

الصَّيَّادُ وَالدُّبُّ



تَرْبِيَـــــةٌ. اُلْفَـــةٌ

مُفَارَقَـــةٌ. بَـــذْلٌ

وُسْـــعٌ. حَشَـــرَاتٌ

اِيـــذَاءٌ. جِهَةٌ. ظِـلٌّ

ذُبَـــابٌ. قَتْـــلٌ. خَيْـــرٌ

صَيَّادٌ صَادَ دُبًّـــا وَرَبَّـــاهُ. فَأَلِفَهُ الـــدُّبُّ كَثِيْـــرًا وَأَحَبَّـــهُ حُبًّـــا شَـــدِيدًا فَكَانَ يَمْشِي مَعَهُ مِنْ مَكَانٍ اِلَـــي آخَـــرَ وَلاَ يُفَارِقُـــهُ. وَيَبْـــذُلُ وُسْـــعَهُ فِي طَاعَتِـــهِ. وَيَحْفَظُهُ اِذَا نَامَ مِـــنَ الْحَشَـــرَاتِ الْمُؤْذِيَـــةِ. مَرَّةً خَرَجَ الصَّيَّادُ اِلَي بَعْضِ الْجِهَاتِ وَمَعَـــهُ الـــدُّبُّ. فَنَزَلَ فِـــي الطَّـــرِيقِ فِـــي ظِـــلِّ شَـــجَرَةٍ لِيَسْـــتَرِيحَ. فَلَمَّا نَامَ الصَّـــيَّادُ أَخَـــذَ الـــدُّبُّ يَحْرُسُـــهُ عَلَي حَسْبِ عَادَتِـــهِ. فَسَقَطَتْ ذُبَابَـــةٌ عَلَـــي وَجْهِـــهِ. فَمَنَعَهَا الـــدُّبُّ مِرَارًا وَهِيَ تَرْجِعُ وَتَسْقُطُ عَلَـــي وَجْهِـــهِ. وَعِنْدَ ذَلِكَ غَضِـــبَ الـــدُّبُّ غَضَبًا شَـــدِيدًا وَأَخَـــذَ قِطْعَـــةَ حَجَـــرٍ لِيَقْتُـــلَ بِهَـــا الذُّبَابَـــةَ. فَرَمَاهَا بِهَـــا وَهِـــيَ عَلَـــي وَجْهِـــهِ. فَمَـــاتَ الصَّـــيَّادُ فِـــي الْحَـــالِ

عَـــدُوٌّ عَاقِـــلٌ خَيْـــرٌ مِـــنْ صَـــدِيقٍ جَاهِـــلٍ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

8-дарс. Сенга кўп эргашдим. Сендан ажрамадим. Сени кўп вақт тарбия қилдик. Ҳовлидан ўт чиқди. Овқатга пашша тушди. Бугун одатимга кўра мадрасага эрта соат саккизда бордим. Кеча бироз кечиккан эдим. Бир дарахт сояси остида сояландим. Сени олдингга неча марта бориб уйингдан топмадим. Фотима овни бошлади. Дарсни ёдлашга барча кучимни сарф этдим.

9

اَسَدٌ وَثَعْلَبٌ

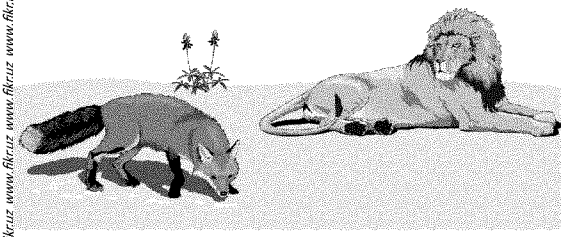

شَـــيْخُوخَةٌ

اِحْتِيَـــالٌ. تَمَـــارُضٌ

غَارٌ. كُلَّمَـــا. اِتْيَـــانٌ

اِفْتِـــرَاسٌ

تَسْـــلِيمٌ. مَالَكَ. مَالَـــكَ لاَتَقْـــرَأُ. غَيْرَ أَنَّـــهُ. اَبُـــو الْحُصَـــيْنِ

أَثَـــرٌ. تَمْيِـــيزٌ. تَفْكِـــيرٌ. لاَ يَنْبَغِـــي

اَسَدٌ شَاخَ وَضَـــعُفَ فَلَـــمْ يَقْـــدِرْ عَلَـــي صَـــيْدِ الوُحُـــوشِ. وَأَرَادَ أَنْ يَحْتَـــالَ لِنَفْســـه فِـــي الْمَعِيشَـــةِ. فَتَمَـــارَضَ وَأَلْقَـــي نَفْسَـــهُ فِي بَعْـــضِ الغِـــيرَانِ. وَكَانَ كُلَّمَا اَتَاهُ زَائِرٌ مِـــنَ الوُحُـــوشِ اِفْتَرَسَـــهُ دَاخِلَ الغَـــارِ وَأَكَلَـــهُ. وَاَتَـــي الثَّعْلَـــبُ يَوْمًـــا وَوَقَـــفَ عَلَـــي بَـــابِ الغَارِ مُسَلِّمًا عَلَيْهِ قَـــائِلاً لَـــهُ كَيْـــفَ حَالُـــكَ يَـــا سَـــيِّدَ الوُحُـــوشِ؟ فَقَالَ لَـــهُ الأَسَـــدُ مَالَـــكَ لاَ تَـــدْخُلُ يَـــا اَبَـــا الْحُصَـــيْنِ؟ فَقَـــالَ لَـــهُ الثَّعْلَـــبُ يَـــا سَـــيِّدُ قَـــدْ كُنْـــتُ اَرَدْتُ ذَلِـــكَ. غَيْرَ اَنِّـــي اَرَي عِنْـــدَكَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

آثَارَ اَقْدَامِ كَثِيرِينَ قَدْ دَخَلُوا وَلَسْتُ اَرَي اَنْ قَدْ خَرَجَ اَحَدٌ مِنْهُمْ. مَعْنَي الْحِكَايَةِ أَنَّ الانْسَانَ لا يَنْبَغِي لَهُ أَنْ يَفْعَلَ شَيْئًا الاَّ بَعْدَ اَنْ يُفَكِّرَ فِيهِ وَيُمَيِّزَهُ

9-дарс. Ялқов бола кўп дашном ейди. Тулки товуқни тутди. Отам қариб заифлашиб қолди. Эшигинг олдида тўхтаб сенга салом бердик. Сенга нима бўлдики, мени тергайсан? Кеча тушликдан сўнг бобомни зиёрат қилдим. Тулки жуда ҳийлакор ҳайвондир. Расулуллоҳ (с.а.в.) Савр ғорида уч кун турдилар. Унинг орқасидан юрдим.

10

اَعْضَاءُ الإِنْسَان

شَقِيقٌ. خَدٌّ. ذِرَاعٌ. سَاقٌ. ذَقْنٌ. صَدْرٌ. مَعِدَةٌ
غَرَضٌ. عَرَقٌ. وِقَايَةٌ. تَغْطِيَةٌ. اِنْطِبَاقٌ

قَالَ سَلِيمٌ مُخَاطِبًا شَقِيقَهُ يُوسُفَ الصَّغِيرِ: لَكَ يَا يُوسُفُ عَيْنَانِ الْوَاحِدَةُ عَنْ يَمِينِ اَنْفِكَ وَالأُخْرَي عَنْ شِمَالِهِ. وَلَكَ اُذُنَانِ الوَاحِدَةُ عَنْ يَمِينِ رَأْسِكَ وَالأُخْرَي عَنْ شِمَالِهِ. وَلَكَ اَيْضًا خَدَّانِ وَذِرَاعَانِ وَمِرْفَقَانِ وَيَدَانِ وَسَاقَانِ وَرُكْبَتَانِ وَقَدَمَانِ. وَلَكِنْ لَكَ جَبْهَةٌ وَاحِدَةٌ وَاَنْفٌ وَاحِدٌ وَذَقْنٌ وَاحِدٌ وَصَدْرٌ وَاحِدٌ وَمَعِدَةٌ وَاحِدَةٌ. فَهَلْ تَعْرِفُ وَظِيفَةَ كُلِّ عُضْوٍ مِنْهَا؟ وَكَانَ يُشِيرُ بِاصْبَعِهِ اِلَي الاَعْضَاءِ الَّتِي كَانَ يُسَمِّيهَا وَبَيْنَمَا هُمَا كَذَلِكَ اِذْ رَآهُمَا الْمُعَلِّمُ. فَقَالَ لِسَلِيمٍ ضَاحِكًا قُلْ مَا الفَائِدَةُ مِنَ الْحَاجِبَيْنِ بَيْنَ الْجَبْهَةِ وَالْعَيْنَيْنِ؟

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

– اَلْغَرَضُ مِنْهُمَا اَنَّهُمَا يَمْنَعَانِ سُقُوطَ الْعَرَقِ مِنَ الْجَبْهَةِ اِلَي الْعَيْنَيْنِ

– اَصَبْتَ وَمَا فَائِدَةُ الأَجْفَانِ؟

– اَنَّهَا تَقِي الْعَيْنَيْنِ مِنَ الأَذَي

– صَدَقْتَ فِي جَوَابِكَ لأَنَّ الْجَفْنَ يُغَطِّي كُرَةَ الْعَيْنِ كُلَّهَا عِنْدَ النَّوْمِ

وَفَضْلاً عَنْ ذَلِكَ اَنَّهُ يَنْطَبِقُ سَرِيعًا عَلَي الْعَيْنِ كُلَّمَا مَرَّ اَمَامَهَا شَيْءٌ بِشِدَّةٍ

10-дарс. Сенинг туғишган ининг Муҳаммад менинг дўстимдир. Аллоҳ бизни оғриқдан сақлаган эди. Жуда ҳам терладим. Икки қўлингни икки тирсагингга қадар ювгин. Нимага куласан? Қўли билан қуёшга ишора қилди. Эй дўстим, ғазабланма! Совутни ўрнат! Кўзларингдан ёшни арт! Қайси биринг фаолроқсиз? Мени зиёрат қилсанг, жуда ҳам хурсанд бўлар эдим.

11

اَعْضَاءُ الاِنْسَانِ

نِسْيَانٌ. شَعْرٌ. عِنْدَئِذٍ. اِسْتِيْقَافٌ. خَشْيَةٌ. ذَرَّةٌ تَطَايُرٌ. جَوٌّ. تُرَابٌ. هَوَامُّ. كَلاَّ. تَهْدِيدٌ. مَا. تَنْبِيهٌ سَرِيعٌ. عِنْدَمَا يَقْرَأُ

وَبَعْدَ ذَلِكَ قَالَ الْمُعَلِّمُ لَهُمَا

– لاَ تَنْسَيَا الشَّعْرَ النَّابِتَ عَلَي اَطْرَافِ الاَجْفَانِ فَمَا اسْمُهُ؟ فَاَجَابَهُ يُوسُفُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

– يُقَـــالُ لَـــهُ اَهْـــدَابٌ

– فَمَـــا الفَائِـــدَةُ مِنْـــهُ؟

فَشَـــقَّ عَلَـــيَّ الاَخَـــوَيْنِ الْجَـــوَابُ. فَقَـــالَ لَهُمَـــا عِنْدَئِـــذٍ الْمُعَلِّـــمُ

– انَّهَـــا تَسْـــتَوْقِفُ كُـــلَّ مَـــا يُخْشَـــي وَقُوعُـــهُ فِـــي العَيْـــنِ مِـــنَ الـــذَّرَاتِ الْمُتَطَـــايِرَةِ فِـــي الْجَـــوِّ كَـــالتُّرَابِ وَالْهَـــوَامِّ. ثُـــمَّ قَـــالَ مُخَاطِبًـــا لِيُوسُـــفَ

– قُـــلْ لِـــي يَـــا يُوسُـــفُ هَـــلْ تَكُـــونُ عَيْنَـــاكَ مَفْتُـــوحَتَيْنِ اَوْ مُطْبَقَتَيْـــنِ عِنْـــدَمَا تَكُـــونُ يَقْظَـــانَ؟

– انَّهُمَا تَكُونَـــانِ مَفْتُـــوحَتَيْنِ

– وَمَتَـــي نِمْـــتَ؟

– تَكُونَـــانِ مُطْبَقَتَيْـــنِ

– وَاُذُنَـــاكَ كَيْـــفَ تَكُونَـــانِ وَاَنْـــتَ نَـــائِمٌ؟

فَضَـــحِكَ يُوسُـــفُ مِـــنْ هَـــذَا السُّـــؤَالِ وَقَـــالَ

– هَلْ تُطْبَـــقُ الآذَانُ؟

– اَلاَ تَعْـــرِفُ السَّـــبَبَ فِـــي بَقَائِهَـــا مَفْتُوحَـــةً؟

– كَـــلاَّ

– انَّ الاُذُنَ لِلنَّـــائِمِ كَالْحَـــارِسِ. وَلِـــذَلِكَ تَبْقَـــي دَائِمًـــا مَفْتُوحَـــةً. فَـــاِذَا هَـــدَّدَ النَّـــائِمَ خَطَـــرٌ مَـــا نَبَّهَتْـــهُ سَـــرِيعًا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

11-дарс. Муҳаммад дўсти Маҳмудни чақирди. Абдуллоҳ кўчада кетаётган эди, тўхтатдим-да « Қаёққа бормоқчисан?» деб сўрасам, у боққа бормоқчиман, деди. Кеч кирса бораман, дедим. Нега бу хизматкор сени қўрқитади? Кеча сени ҳузурингга боришни унутдим. Қуш ҳавода учади. Унинг кўзлари қора ва киприклари узун. Кичик ҳашаротлар ёқимсиздир. Қулоқ ухлаган кишига соқчи кабидир.

12

الثَّعْلَبُ وَالعُنْقُــودُ

مُشَـــاهَدَةٌ. لَونٌ. رُطَبٌ. اِيـــدَاءٌ. بُغْيَـــــةٌ. تَعَـــبٌ. سَـــعْيٌ
اِمْكَـــانٌ. طُلُـــوعٌ. جَوْفٌ. ذَهَبٌ. حِصْـــرِمٌ. خَسْـــأٌ

حِكَايَةٌ عَنْ ثَعْلَبٍ *** قَدْ مَرَّ وَسْطَ العِنَبِ
وَشَاهَدَ العُنْقُودَ فِي *** لَوْنٍ كَلَوْنِ الذَّهَبِ
وَغَيْرَهُ مِنْ جِنْسِهِ *** اَسْوَدَ مِثْلَ الرُّطَبِ
وَالْجُوعُ قَدْ اَوْدَي بِهِ *** بَعْدَ اَذَانِ الْمَغْرِبِ
فَجَاءَ يَبْغِي اَكْلَةً *** مِنْهُ وَلَوْ بِالتَّعَبِ
سَعَي فَمَا اَمْكَنَ اَنْ *** يَطْلَعَ فَوْقَ الْخَشَبِ
فَرَاحَ مِثْلَمَا اَتَي *** وَجَوْفُهُ فِي لَهَبٍ
وَقَالَ هَذَا حِصْرِمٌ *** رَأَيْتُهُ فِي حَلَبِ
قَالَ لَهُ العُنْقُودُ بَلْ *** خَسِئْتَ فَاذْهَبْ يَاغَبِي
طُولُ لِسَانٍ فِي الْهَوَا *** وَقِصَرٌ فِي الذَّنَبِ.

12-дарс. Бир шингил узум едим. Ўрмонда бир тулкини кўрдим. Менинг қорним очди. Эртага азондан кейин ҳузурин-

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

га бораман. Тулки жуда ҳийлакор ҳайвондир. Узум жуда лаззатлидир. Муҳаммаднинг ҳовлиси ёнидан ўтдим. Оз бўлса ҳам менга бер-чи? Сени ҳузурингга боришни хоҳлайман. Қисқа қовурға. Узун тил.

13

عُصْفُورُ مَرْيَمَ

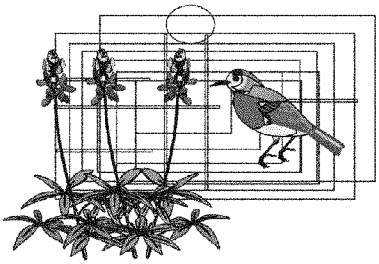

قَفَـــصٌ. حَوْلٌ. وَدْعٌ
اِطْعَامٌ. لُعْبَـــةٌ. تَـــرْكٌ
بَـذْرٌ. حُزْنٌ. حِينًـــا
بَعْدَ حِيـــنٍ. بِمَا اَنَّـــهُ

كَانَ لِمَـــرْيَمَ عُصْـــفُورٌ جَمِيـــلٌ. وَكَانَـــتْ تُحِبُّـــهُ كَثِـــيرًا. فَعَمِلَـــتْ لَـــهُ قَفَصًـــا وَوَضَـــعَتْهُ فِيـــهِ. وَكَـــانَ العُصْـــفُورُ اَلِيفًـــا يَـــأْتِي اِلَي مَرْيَمَ وَيَأْكُلُ مِـــنْ يَـــدِهَا. وَكَانَـــتْ تَفْتَـــحُ لَـــهُ القَفَـــصَ حِينًـــا بَعْدَ حِيـــنٍ. فَيَخْرُجُ وَيَقْعُـــدُ عَلَـــي رَأْسِ القَفَـــصِ اَوْ يَطِـــيرُ حَـــوْلَ البَيْـــتِ. وَبِمَا اَنَّهَا كَانَـــتْ تُحِبُّـــهُ كَثِـــيرًا مَـــا كَانَـــتْ تَـــدَعُ اَحَـــدًا غَيْرَهَا يُطْعِمُـــهُ. وَاَرْسَلَتْ لَهَـــا عَمَّتُهَـــا يَوْمًـــا مِـــنَ الاَيَّـــامِ لُعْبَـــةً جَمِيلَةً. فَطَارَتْ مَـــرْيَمُ فَرَحًـــا. وَبَقِيَتْ تَلْعَـــبُ بِهَـــا طُـــولَ ذَلِـــكَ النَّهَارِ. وَنَســـيَتْ اَنْ تُطْعِـــمَ العُصْـــفُورَ. وَفِي الغَدِ جَـــاءَ اَلَيْهَـــا سَعِيدٌ ابْـــنُ خَالِهَـــا. فَلَعِبَـــتْ مَعَـــهُ طُـــولَ النَّهَـــارِ بِلُعْبَتِهَـــا وَلُعْبَـــةِ اُخْرَي جَاءَ بِهَـــا سَـــعِيدٌ. وَنَســـيَتْ اَنْ تُطْعِـــمَ العُصْـــفُورَ. وَفِي اليَـــوْمِ الثَّالِـــثِ تَرَكَـــتِ اللُّعْبَـــةَ وَجَـــاءَتْ اِلَـــي العُصْـــفُورِ وَفِـــي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

يَدَيْهَا شَيْءٌ مِنَ الْبُذُورِ لِتُطْعِمَهُ فَوَجَدَتْهُ مَيِّتًا فِي الْقَفَصِ وَكَانَ قَدْ مَاتَ مِنَ الْجُوعِ. فَحَزِنَتْ مَرْيَمُ عَلَيْهِ حُزْنًا شَدِيدًا.

13-дарс. Кеча сенинг ҳузурингга боришни унутдим. Марям қушини овқатлантирди. Карим билан кун бўйи ўйнадим. Бу ўйинчоқ жуда мароқлидир. Чумчуқ уй тепасидан учди. Қуш очликдан ўлди. Дўстимга жуда қаттиқ қайғурдим. Булбул қафасда. Тун бўйи ухламадик. Эй дўст, қайғурма! Онамни жуда яхши кўраман.

14

سُلَحْفَاةٌ وَأَرْنَبٌ

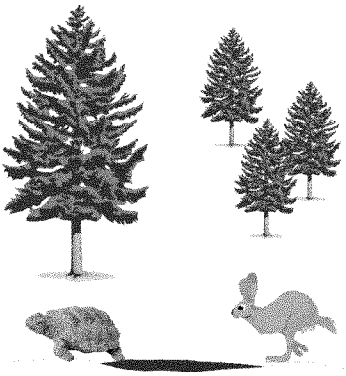

سُلَحْفَاةٌ. تَسَابُقٌ. حَدٌّ
اِتِّكَالٌ. خِفَّةٌ. تَوَانٍ
بُطْءٌ تَفْرِيطٌ. اِسْتِمْرَارٌ
رُوَيْدًا. اِسْتِيقَاظٌ. جُهْدٌ
سَبْقٌ خَيْبَةٌ. أَمَلٌ. اِذْ
نَدَمٌ. اِضْطِرَارٌ

يُحْكَى أَنَّ سُلَحْفَاةً وَأَرْنَبًا تَسَابَقَتَا مَرَّةً. وَجَعَلَتَا الْحَدَّ بَيْنَهُمَا شَجَرَةً. وَقَدِ اتَّفَقَتَا عَلَى أَنَّ مَنْ تَصِلُ إِلَى الشَّجَرَةِ قَبْلَ الأُخْرَى تَكُونُ لَهَا جَائِزَةٌ عَظِيمَةٌ تُعْطِيهَا الأُخْرَى. أَمَّا الأَرْنَبُ فَقَدِ اتَّكَلَتْ عَلَى خِفَّتِهَا فِي الْجَرْيِ فَتَوَانَتْ فِي الطَّرِيقِ وَنَامَتْ. وَأَمَّا السُّلَحْفَاةُ فَلِعِلْمِهَا بِبُطْءِ حَرَكَتِهَا لَمْ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

تَتَــوَانَ وَلَــمْ تُفَــرِّطْ بَــلْ اسْــتَمرَّتْ فِــي السَّــيْرِ رُوَيْــدًا رُوَيْــدًا حَتَّي وَصَــلَتْ اِلَــي الشَّــجَرَة. فَعِنْدَ مَــا اسْــتَيْقَظَت الأَرْنَــبُ مِــنْ نَوْمِها لَمْ تَجِــدْهَا. فَجَــرَتْ بِكُــلِّ جُهْــدِهَا لِتَسْــبِقَ السُّــلَحْفَاةَ وَلَكِنْ خَابَ اَمَلُهَا وَذَهَبَ جَرْيُهَا وَتَعَبُهَا سُــدًي. اِذْ رَأَتْ اَنَّ السُّــلَحْفَاةَ قَــدْ سَــبَقَتْهَا وَوَصَــلَتْ اِلَــي الشَّــجَرَة قَبْلَهَــا. فَنَــدِمَتْ عَلَــي تَفْرِيطِهَــا كَثِــيرًا. وَاضْــطُرَّتْ اَنْ تَــدْفَعَ اِلَيْهَــا الْجَــائِزَةَ الْمُعَيَّنَــةَ

14-дарс. Эй бола, дангаса бўлма! Уйқудан эрта соат олтида уйғондим.Тек турганим учун ҳечам хафа бўлмадим. Гапирганим учун бир неча марта надомат қилдим. Унга мактуб ёзишга мажбур бўлдим. Ҳаракат қилган киши ҳеч бир вақт надомат қилмайди. Бу оғир ва мана бу енгил. Унинг умиди чиппакка чиқди. Бу ишда жуда кўп камчиликка йўл қўйдим. Бола йиғлади. Фотима ўйнади.

15

حَسَنْ اَفَنْدِي وَابْنُهُ مُحَمَّدْ

حَاضِر. عَظِيــمْ. اَكْثَــر. غَلَــطْ. تَوْسِــيخْ. تَــوْبِيخْ
لُــزُومْ. خَطّْ. بُنَــيّْ. الصُّــوَرُ الْمُتَحَرِّكَــةُ

حَسَنْ اَفَنْــدِي – اَرِنِي يَا مُحَمَّــدُ الأَشْــيَاءَ الَّتِــي فِــي مِحْفَظَتِــكَ
مُحَمَّــد – حَاضِــر يَــا اَبِــي. هَــذَا هُــوَ لَــوْحُ الاَرْدُوَاز
وَهَــذَا هُــوَ قَلَــمُ الاَرْدُوَاز
وَاَنَــا كُــلَّ يَــوْمٍ اَكْتُــبُ الإِمْــلاَءَ وَالْحِسَــابَ فِــي الكُــرَّاسِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

– عَظِيـــم – وَلِمَـــاذَا لاَ تَكْتُـــبُ الْحِسَـــابَ فِـــي الكُـــرَّاسِ؟

اَنَا اَكْتُبُ الْحِسَابَ فِـــي الكُـــرَّاسِ اَيْضًـــا وَلَكِنِّـــي اُحِـــبُّ الكِتَابَـــةَ فِي الاَرْدُوَازِ اَكْثَـــرَ

– وَمَا سَبَبُ ذَلِكَ

– لأَنِّـــي اِذَا غَلِطْـــتُ فِـــي كَلِمَـــةٍ اَوْ فِـــي مَسْـــئَلَةٍ يُمْكِنُنِـــي اَنْ اَمْسَـــحَهَا. اَمَّـــا اِذَا كُنْـــتُ اَكْتُـــبُ فِـــي الكُـــرَّاسِ وَغَلِطْـــتُ فِـــي كَلِمَـــةٍ فَـــلاَ يَحْسُـــنُ مَسْـــحُهَا. لاَنَّ الْمَسْـــحَ يُوَسِّـــخُ الكُـــرَّاسَ

– اَهَذَا كُرَّاسُ الإِمْـــلاَءِ؟

– نَعَـــمْ يَـــا اَبِـــي وَاَمَّـــا كُـــرَّاسُ الْحِسَـــابِ فَـــاِنِّي تَرَكْتُـــهُ فِـــي الكُتَّـــابِ

– اَنْتَ مُجْتَهِـــدٌ كُرَّاسُـــكَ نَظِيـــفٌ

مَعِـــيَ فِـــي الفَصْـــلِ وَلَـــدٌ وَسِـــخٌ جِـــدًّا. وَكُلَّمَـــا اَخَـــذَ القَلَـــمَ وَكَتَـــبَ وَسَّـــخَ كُرَّاسَـــهُ وَاَصَـــابِعَهُ بِـــالْحِبْرِ وَدَائِمًـــا يُوَبِّخُـــهُ الْمُعَلِّـــمُ. هَـــلْ تُحِـــبُّ اَنْ تَـــرَي رَسْـــمِي يَا اَبِـــي. اَنَـــا رَسَـــمْتُ هَـــذَا الشَّـــكْلَ بِقَلَـــمِ الرَّصَـــاصِ

– هَـــذَا الرَّسْـــمُ جَمِيـــلٌ. وَلَكِـــنْ يَلْزَمُـــكَ اَنْ تُنَظِّـــفَ هَـــذِهِ الْخُطُـــوطَ بِالْمِمْسَـــحَةِ

ضَـــعْ يَـــا بُنَـــيَّ كُتُبَـــكَ وَكَرَارِيسَـــكَ فِـــي مِحْفَظَتِـــكَ ثُـــمَّ البَـــسْ اَلْبِسَـــتَكَ نَـــذْهَبْ مَعًـــا لِمُشَـــاهَدَةِ الصُّـــوَرِ الْمُتَحَرِّكَـــةِ. وَبَعْـــدَ الـــرُّجُوعِ تُحْضِـــرُ دُرُوسَـــكَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

15-дарс. Бу китоб сумкададир. Бу доска ва мана бу қора қалам. Бу масалани ечишда янглишдим. Унинг дафтари кир, менинг дафтарим тоза. Дарсларингни тайёрла? Дарсларни тайёрладик. Қаламимни мадрасада қолдирдим. Сен ҳозир мадрасага боришинг керак. Рангли қалам билан ёз. Бармоғимни қора бўёқга беладим. Нега бизнинг ҳузуримизга келмайсан? Китобларни сумкага солиб остонадаги устунга илиб қўйдим.

16

الصَّبيُّ الَّذي يُحبُّ اللَّعبَ

لَيْـتَ. لَيْتَنـــي. غَزْلٌ. كَيْ. كَيْ يَكْتُـــبَ. زَهْرٌ. شَمْعٌ. شَكٌّ. بِلا شَكٍّ. كَمَا رَأَيْتَ. مِنْقَارٌ. عُشٌّ. رَبْضٌ. صَـــفِيرٌ. اِنْطِلاَقٌ. اِذَنْ

صَـــبِيٌّ ارْسَـــلَتْهُ أُمُّـــهُ الَـــى الْمَدْرَسَـــةِ. وَبِمَا انَّـــهُ يُحِـــبُّ اللَّعِـــبَ كَثِـــيرًا ارْسَـــلَتْ مَعَـــهُ اُخْتَـــهُ لِتُوصِـــلَهُ الَـــى الْمَدْرَســـةِ وَتَـــرجِعَ. وَفِيما هُما ذَاهِبانِ وَصَلا الَـــى شَـــجَرَةٍ عَظِيْمَـــةٍ. فَـــأَرَادَ الصَّـــبِيُّ انْ يَقْعُـــدَ تَحْـــتَ الشَّـــجَرَةِ. وَقَالَ يَالَيْتَنَـــا نَبْقَـــى هُنَـــا وَلا نَـــذْهَبُ الَى الْمَدْرَســـةِ. قَالَتْ اُخْتُـــهُ لا، لَيْـــسَ عِنْـــدِى وَقْـــتٌ لِلَّعِـــبِ فَبَعْـــدَ انْ اُوصِلَكَ الَى الْمَدْرَســـةِ يَنْبَغِـــى أنْ أرْجِـــعَ وَانْـــزِلَ الَـــى السُّـــوقِ وَاشْـــتَرِىَ لأُمِّـــى صُـــوفًا وَغَـــزْلاً لِكَـــى نَشْـــتَغِلَ وَنَعِيـــشَ. ثُـــمَّ رَأَى الصَّبِيُّ وَهُـــوَ فِـــى الطَّـــرِيقِ نَحْلَـــةً تَطِـــيرُ مِـــن زَهْـــرَةٍ الَـــى زَهْرَةٍ. فَقَالَ يَـــالَيْتَنِى بِـــدُونِ شُـــغْلٍ مِثْـــلَ هَـــذِهِ النَّحْلَـــةِ فَانَّهَـــا لاَ تَقْـــرَأُ وَلاَتَكْتُـــبُ. فَقَالَتْ اُخْتُهُ غَلِطْتَ يَـــا أَخِـــى. النَّحْلَـــةُ لَيْسَـــتْ بِدُونِ شُغْلٍ بَـــلْ تَجْمَـــعُ عَسَـــلاً وَشَـــمْعًا اسْـــتِعْدادًا لأَيَّـــامِ الشِّـــتَاءِ. وَبَعْـــدَ أن مَشَـــيا قَلِيـــلاً رَأَيـــا عُصْـــفُورًا. فَقَالَ بِـــلاَ شَـــكٍّ هَـــذَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْعُصْفُورُ لَيسَ لَهُ شُغْلٌ. يَا لَيتَنِي كُنْتُ مِثْلَهُ فَقَالَتْ لَهُ أُخْتُهُ لَيسَ الْعُصفُورُ بِدُونِ شُغْلٍ كَمَا ظَنَنْتَ يَا أَخِي. الا تَرَى انَّهُ حامِلٌ فِي مِنقَارِهِ حَشِيشًا لِيَبْنِيَ عُشَّهُ. وَبَعْدَ أَنْ سَارَ قَلِيلًا رَأَى كَلْبًا رابِضًا بِجَانِبِ الطَّرِيقِ. فَقَالَ لأُخْتِهِ خَلِّينِي الْعَبْ مَعَ الْكَلْبِ. انَّهُ لَيسَ لَهُ شُغْلٌ وَمَا اتَمَّ الصَّبِيُّ هَذِهِ الكَلِمَاتِ حَتَّى سَمِعَ انْسَانًا يَصْفِرُ لِلْكَلْبِ. فَقَامَ الْكَلْبُ وَتَوَجَّهَ نَحْوَهُ فَانْطَلَقَا مَعًا الَى الْغَابِ للصَّيدِ. وَلَمَّا رَأَى الصَّبِيُّ انَّ لِكُلٍّ مِنَ النَّحْلَةِ وَالْعُصْفُورِ وَالْكَلْبِ شُغْلًا يَعْمَلُهُ قَالَ اذَنْ اَذْهَبُ الآنَ الَى الْمَدْرَسَةِ، وَبَعْدَ انْ ارْجِعَ الَى الْبَيتِ اَسْأَلُ اُمِّي فُرْصَةً الْعَبُ فِيهَا مَعَ رُفَقَائِي

16-дарс. Муҳаммад айтди: «Мен билан боғда ўйнагин». У: «Йўқ, ўйнашга бормайман. Мен ҳозир иш билан бандман, ўйнашга вақтим ҳам йўқ,» деди. «Ундай бўлса, асрдан кейин ўйнаймиз.» «Бош устига, бўлмаса, ўшанда ўйнаймиз.» Ипак қурти бизга ипак беради. Эй воҳ! Шу киши каби олим бўлсам-ку! Дарсимни тайёрлагандан сўнг боққа бораман. Унда дўстларим билан юраман. От уй ёнида ётибди. Қуш уясидадир. Хизматкор қаттиқ сўкилди.

17

تَوفِيقٌ ذاهِبٌ الى الْمَدْرَسَةِ

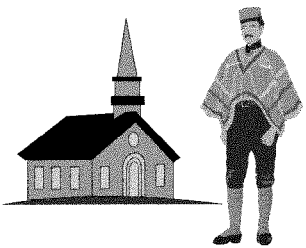

انتِقَادٌ. سَيرٌ. حَلٌّ. اقتِدَاءٌ

تَحقِيرٌ. مُحَافَظَةٌ. غَدٌّ

اتِّعَاظٌ. حَمْلٌ. بَعدَ أَنْ كَتَبَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

قَالَتِ الأُمُّ صَبَاحًا لابنِهَا تَوفِيقٍ أَنْتَ الآنَ ذَاهِبٌ اِلَي الْمَدرَسَةِ. فَتَعَالَ لأَنْظُرَ هَلْ تَكُونُ ثِيَابُكَ نَظِيفَةً. وَلَمَّا تَقَدَّمَ اَخَذَتْ تَنتَقِدُهُ جَيِّدًا. ثُمَّ قَالَتْ لَهُ لاَ يَلِيقُ بِكَ أَنْ تَذْهَبَ اِلَي الْمَدرَسَةِ قَبْلَ اَن تَغسِلَ وَجهَكَ وَيَدَيكَ وَتُمَشِّطَ شَعْرَكَ. اُنظُرْ اِلَي حِذَائِكَ فَإِنَّ سَبْرَهُ مَحلُولٌ وَاِلَي رِدَائِكَ فَإِنَّهُ وَسِخٌ. اِنَّ اَوَّلَ شَيءٍ يَجِبُ عَلَيكَ عَمَلُهُ صَبَاحًا هُوَ اَنْ تَكُونَ نَظِيفًا. فَاقْتَدِ بِوَالِدِكَ فِي ذَلِكَ. اَلاَ تَعْلَمُ يَا ابْنِي اَنَّ وُجُودَكَ فِي الْمَدرَسَةِ عَلَي هَذَا الْحَالِ يُعَدُّ تَحقِيرًا لِمُعَلِّمِكَ. اَمَا عِندَكَ الأَشيَاءُ اللاَّزِمَةُ لِلمُحَافَظَةِ عَلَي النَّظَافَةِ؟ فَهُنَاكَ الطَّسْتُ وَالْمَاءُ وَالصَّابُونُ وَالْمِنْشَفَةُ وَالْمِشطُ وَالفُرشَةُ. فَاتَّعَظَ تَوفِيقٌ بِكَلاَمِ أُمِّهِ وَعَادَ اِلَي حُجرَتِهِ. وَبَعْدَ اَن غَسَلَ وَجْهَهُ وَمَشَّطَ شَعْرَهُ وَنَظَّفَ حِذَاءَهُ حَمَلَ كُتُبَهُ وَذَهَبَ اِلَي الْمَدرَسَةِ كَمَا رَأَيْتَ فِي الصُّورَةِ.

17-дарс. Муаллимингни таҳқирлама. Совун, тароқ, тишчўткага тозалаш учун керак нарсалардир. Барча ишларда одобли болаларга эргаш, одобсизлар билан бирга бўлма! Бу ҳолда сени кўрмай, бор, юзингни юв ва кийимларингни тозала! Одобли бола ҳам шундай бўладими? Ўқувчи бола ҳар вақт тоза бўлиши лозим. Муаллимнинг сўзларидан ваъз-насиҳат ол. Боқчани тугатдим-да мадрасага йўл олдим.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الذِّئبُ وَالْخَرُوفُ الصَّغِيرُ

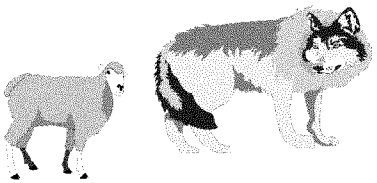

خَرُوفٌ. مُـــرتفِعٌ

تَعْكِـــيرٌ. عَـــالٍ مُنخفِـــضٌ

عِقَـــــابٌ وِلادَةٌ

كَانَ فِي قَدِيْمِ الزَّمَانِ خَـــرُوفٌ عَطْشَـــانُ. وَكَانَ صَغِيرًا جِـــدًّا. فَذَهَبَ إِلَي نَهرٍ صَـــغِيرٍ لِيَشْـــرَبَ مِنْـــهُ. وَكَانَ هَذَا النَّهْرُ قَرِيبًا مِـــن غَابَـــةٍ عَلَي جَبَـــلٍ مُـــرتفِعٍ. فَخَرَجَ مِن الغَابَةِ ذِئْـــبٌ وَنَـــزَلَ حَتَّـــي جَـــاءَ إِلَي الْخَرُوفِ. وَقَالَ لَهُ اَنْتَ عَكَّرتَ عَلَيَّ الْمَاءَ الَّـــذِي اَشْـــرَبُ مِنْـــهُ. فَقَالَ الْخَرُوفُ كَيْـــفَ اُعَكِّـــرُ عَلَيْـــكَ الْمَـــاءَ مَـــعَ كَونِـــكَ أَنْـــتَ فِـــي الْجِهَةِ العَالِيَةِ الَّتِي يَأْتِي مِنهَا الْمَاءُ وَأَنَـــا فِـــي الْجِهَـــةِ الْمُنخَفِضَـــةِ الَّتِي يَأْتِي إِلَيهَا الْمَـــاءُ. فَقَالَ الذِّئْبُ لِلخَـــرُوفِ أَنْـــتَ الآنَ تَكْـــذِبُنِي وَكُنتَ فِـــي العَـــامِ الْمَاضِـــي تَشْـــتِمُنِي. فَقَالَ الْخَرُوفُ أَنَا مَـــا كُنْـــتُ وُلِدْتُ فِي العَامِ الْمَاضِـــي. فَإِنَّ عُمرِي سِـــتَّةُ اَشْـــهُرٍ فَقَـــطْ. فَقَـــالَ الذِّئْبُ اِذَنْ أَخُوكَ هُـــوَ الَّـــذِي شَـــتَمَنِي. فَقَالَ الْخَـــرُوفُ لَيْـــسَ لِـــي اَخٌ. فَقَالَ الذِّئْبُ اِذَنْ أَبُـــوكَ هُـــوَ الَّـــذِي شَـــتَمَنِي. فَقَالَ الْخَـــرُوفُ أَنَا يَتِيـــمٌ وَلَيْـــسَ لِـــي أَبٌ وَلا أُمٌّ. فَقَالَ الـــذِّئْبُ اِذَنْ أَحَـــدُ أَقَارِبِـــكَ أَو أَصْـــحَابِكَ كَـــانَ شَـــتَمَنِي. فَلاَ بُـــدَّ مِـــن عِقَابِـــكَ. ثُمَّ حَمَلَـــهُ بِأَسْـــنَانِه وَذَهَـــبَ بِـــهِ اِلَـــي الغَابَـــةِ وَأَكَلَـــهُ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

18-дарс. Эй болалар, сувни ифлослантирманглар. Менга ёлғон сўзлама. Мен олти ёшдаман, дўстим Салим саккиз ёшда. Бу бола ўтган йили туғилди. Онам қиз туғди. Менинг Муҳаммад исмли дўстим бор, у мени жуда яхши кўради. У мени ўтган жума боқчага олиб борди. Унинг ичида уч соат юрдик. Одобли бола сўкмайди. Менинг отам, онам ва яқинларим йўқ.

19

الكَلبُ

دَعوَةٌ. اِبـرَازٌ. تَنَـاوُلٌ. اَلَمٌ. مَدٌّ. كَيـفَ. مَا

كَـانَ صَـبِيٌّ فَقِـيرٌ جَالِسًـا فِـي الطَّـرِيقِ يَأْكُـلُ قِطعَـةَ خُبْـزٍ فَرَأي كَلْبًـا نَائِمًـا بَعِيـدًا عَنْـهُ. فَدَعَاهُ وَاَبـرَزَ لَـهُ الْخُـبزَ حَتَّـي ظَنَّ الكَلْـبُ أَنَّـهُ سَـيُعْطِيه مِنْـهُ لُقمَـةً. فَقَـرُبَ مِنْـهُ لِيَتَنَـاوَلَ الْخُـبزَ. وَاِذَا بِالصَّـبِيِّ ضَـرَبَهُ بِعَصًـا عَلَـي رَأْسِـه. فَفَـرَّ الكَلبُ صَارِخًا مِنْ شِـدَّةِ الأَلَـمِ. وَكَانَ رَجُلٌ فِي ذَلِـكَ الوَقـتِ يَنْظُـرُ مِـن شُـبَّاكِ بَيْتِـه. فَرَأي كُلَّ مَـا حَصَـلَ. فَأَخَذَ عَصًـا وَوَقَـفَ بِالبَابِ وَدَعَـا الصَّـبِيَّ وَاَبْـوَزَ لَـهُ الثَّمَـنَ. فَمَـدَّ الصَّـبِيُّ يَـدَهُ لِيَأْخُـذَ الثَّمَـنَ. فَضَـرَبَهُ الرَّجُـلُ بِالعَصَـا عَلَـي أَصَـابِعِه ضَـرْبَةً جَعَلَتْهُ يَصرُخُ اَشَـدَّ مِـنْ صُـرَاخِ الكَلْـبِ. ثُمَّ قَـالَ لِلرَّجُـلِ كَيـفَ تَضْـرِبُنِي وَأَنَـا لَـمْ اَطْلُـب مِنـكَ شَـيْئًا؟ فَأَجَابَـهُ الرَّجُـلُ قَـائِلاً وَكَيـفَ تَضْـرِبُ الكَلْـبَ وَهُـوَ لَـمْ يَطْلُـبْ مِنْـكَ شَـيْئًا؟

19-дарс. Менга Муҳаммадни чақир! Ушбу мискинга битта хурмо бўлса ҳам, бер. Уни тахта билан урган эдим, қаттиқ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

бақирди. Қаттиқ йиғлади. Сенинг қийнашларинг мени бақиришга мажбур этди. Қўлингни чўз, ушбу пулни бераман. Сени чақирган эдим, вақтида келмадинг. Муҳаммад: «Бугун кўп ҳаракат қилдим,» деганида, «ундай бўлса, мукофот олар экансан,» дедим.

20

اللَّعِبُ



اَهلاً وَمَرحَبًا. هَنَاءٌ
طَرَبٌ. وَاجِبَاتٌ. عَنَاءٌ
اِيرُاثٌ. انقِبَاضٌ. كَمَدٌ
اِرَاحَةٌ. بَلِيدٌ. رَومٌ مَرَامٌ
كَذَاكَ. كَذَلِكَ. اِنَّمَا

مَرحَبًا اَهلاً بِوَقتِ اللَّعِبِ *** اِنَّهُ وَقْتُ الْهَنَاءِ وَالطَّرَبِ
وَاجِبَاتُ الدَّرسِ لاتُنْكِرُهَا *** قَطُّ لَكِنْ دَائِمًا نَذْكُرُهَا
اِنْ لَعِبنَا لَمْ نَكُنْ نَحْقِرُهَا *** غَيْرَ أَنَّ الوَقتَ وَقتُ اللَّعِبِ
كَثْرَةُ الدَّرسِ عَنَاءٌ لِلجَسَدِ *** تُورِثُ النَّفْسَ انقِبَاضًا وَكَمَدْ
لَيسَ كَاللَّعِبِ دَوَاءٌ لِلوَلَدْ *** لاَ يُرِيحُ النَّفْسَ غَيرُ اللَّعِبِ
يَا رَعَاهُ اللهُ مِنْ لَعِبٍ مُفِيدْ *** مُذهِبٍ عَنَّا عَنَا الدَّرسِ الشَّدِيدْ
كُلُّ مَن ضَيَّعَ ذَا الوَقتَ بَلِيدْ *** غَيرُ اَهلٍ لِنَشَاطِ اللَّعِبِ
مَعَ ذَاكَ الدَّرسُ اَولَي مَا يُرَامْ *** غَيرَ اَنَّ الكُلَّ يَجرِي بِنِظَامْ
اِنَّمَا اللَّعِبُ بِلاَ دَرسٍ حَرَام *** وَكَذَاكَ الدَّرسُ دُونَ اللَّعِبِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

20-дарс. Уйин бола учун жуда фойдали нарсадир. У танани роҳатлантириб, кўнгилга шодлик олиб келади. Лекин у учун муайян бир вақт таъйинлаш лозим. Дарс вақтида ўйнаган бола одобсиз ва ялқовдир. Сен вақтингни барчасини бир хил ўтказма. Балки ўйинга тегишли вақтда ўйнагин, ўқишга тегишли вақтда ўқигин. Ўйинсиз дарс фойдасиздир. Шунингдек, дарссиз ўйиндан фойда йўқдир.

21

القِرْدُ وَالنَّجَّارُ

وَتِـدٌ. قِبَـل. تَـدَلِّي. شَـقٌّ. نَزْعٌ. عَصْرٌ. كَادَ. كَادَ يَمُـوتُ غُشِـيَ عَلَيْـهِ

يُحْكَي انَّ قِـردًا رَأي نَجَّـارًا يَشُـقُّ خَشَـبَةً وَهُـوَ رَاكِـبٌ عَلَيهَـا. وَكَانَ كُلَّمَا شَقَّ مِنهَا ذِرَاعًـا اَدخَـلَ فِيهَـا وَتِـدًا. فَوَقَـفَ القِـردُ يَنظُـرُ اِلَيـهِ وَقَـد اَعجَبَـهُ ذَلِـكَ ثُـمَّ انَّ النَّجَّـارَ ذَهَـبَ لِبَعـضِ حَاجَتِهِ. فَاَرَادَ القِردُ اَن يَفعَلَ كَمَـا فَعَـلَ النَّجَّـارُ. فَرَكِـبَ الْخَشَـبَةَ وَجَعَلَ وَجهَهُ قِبَلَ الوَتِـدِ وَظَهـرَهُ قِبَـلَ طَـرَفِ الْخَشَـبَةِ. فَتَـدَلَّي ذَنَبُـهُ فِـي الشَّـقِّ. ثُـمَّ انَّـهُ نَـزَعَ الوَتِـدَ فَعَصَـرَ الشَّـقُّ ذَنَبَـهُ فَأَخَذَ يَصرُخُ صُرَاخًا هَائِلاً وَكَـادَ يُغشَـي عَلَيـهِ مِـن شِـدَّةِ الأَلَـمِ وَفِي ذَلِكَ الوَقـتِ جَـاءَ النَّجَّـارُ اِلَـي الْخَشَـبَةِ فَـرَاَهُ عَلَـي تِلـكَ الْحَالَةِ. فَأَخَـذَ عَصًـا وَأَخَـذَ يَضْـرِبُهُ ضَـرِبًا شَـدِيدًا. فَكَانَ مَـا لَقِـيَ مِـنَ النَّجَّـارِ أَشَـدَّ مِمَّـا لَقِـيَ مِـنَ الْخَشَـبَةِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

21-дарс. Касалга қараб турдим. Кийимни илгичга илгин. Муҳаммад ёзгани каби ёзишни орзу қилдим. Отам ҳушидан кетди. Ўлишига оз қолди. Йиғлаб юборай дединг. Бу ишдан фойдаланишим бошқа ишдан фойдаланишдан яхшироқ эди. Аллоҳдан соғлик ва саломатлик сўраймиз. Баъзи бир юмушларим учун унинг ҳузурига бордим. Овқатланишга киришдик. Юзимни қибла тарафга қаратдим-да, хуфтон намозини ўқишга киришдим. Сен шу ҳолда мадрасага боришинг лозим.

22

بِلاَ أَبٍ

دَمعٌ. جَرَيَانٌ. ضَبْطٌ. رِقَّةٌ. رَفَعَ صَوْتَهُ بِالبُكَاءِ

كَانَ صَبِيٌّ صَغِيرٌ يَتِيمٌ يَأْتِي الِي الْمَدرَسَةِ لِيَتَعَلَّمَ القِرَاءَةَ وَالكِتَابَةَ. وَفِي يَومٍ مِنَ الأَيَّامِ كَتَبَ لَهُ الْمُعَلِّمُ هَذِه القَاعِدَةَ: اكرِمْ أَبَاكَ وَأُمَّكَ لِكَي يَكتُبَ مِثلَهَا فِي كُرَّاسِه فَأَخَذَ الصَّبِيُّ الكُرَّاسَ وَكَتَبَ بَعضَ أَسطُرٍ ثُمَّ تَرَكَ القَلَمَ وَبَكَي. وَصَارَتْ دُمُوعُهُ تَجرِي عَلَي خَدَّيه. ثُمَّ أَخَذَ يَكتُبُ لَكِنَّهُ لَمَّا كَانَ يُفَكِّرُ فِي أَبِيه لَم يَقدِرْ اَن يَضبُطَ نَفْسَهُ. فَرَفَعَ صَوتَهُ بِالبُكَاءِ. فَقَالَ لَهُ الْمُعَلِّمُ مَالَكَ يَا ابنِي مَاذَا جَرَي لَكَ؟ قَالَ لاَ اَقدِرُ أَنْ اَكتُبَ عَلَي هَذِه القَاعِدَةِ. لأَنِّي يَتِيمٌ مِنَ الأَبِ. فَأَرْجُو أَنْ تَكْتُبَ لِي غَيرَهَا فَرَقَّ قَلبُ الْمُعَلِّمِ لَهُ وَقَطَعَ مِنَ الكُرَّاسِ الوَرَقَةَ الَّتِي حَرَّكَتْ فِي قَلبِه الْخُزْنَ عَلَي أَبِيه وَكَتَبَ لَهُ غَيرَهَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

22-дарс. У нечага кирди? Фотима жуда кўп йиғловчи қиз. Ёши икки чаккасига оқди. Ота- оналарингизни ҳар вақт ҳурмат қилинг. Чунки ота- онасини ҳурмат қилмаган кишини Аллоҳ таоло севмайди. Мен етимман. Менинг ҳеч бир яқин кишим йўқ. Менга бироз пул бериб тур, бозорга бориб китоб сотиб оламан. Эй биродар! Бугун жумадан кейин бизнинг ҳузуримизга келишингни ўтинаман. Тилингни ёлғондан сақла, ҳеч кимни сўкма ва койима ҳамда ёмон сўзларни гапирма. Ушбу мискинни кўргач, кўнглим оғриди. Ҳузуримга чақирдим-да, овқатлантирдим. Кейин қўлига бир сўм пул бердим.

23

طِيَاشَةُ سَلِيمٍ

طِيَاشَـــةٌ. آنَ وَقتُ الـــدَّرسِ. تَهَيُّـــؤٌ. عَاجِلاً. فَـــوتٌ. دَوَرَانٌ
نُهوضٌ. خُطْوَةٌ. التِقَـــاطٌ. مُسَـــاعَدَةٌ. صَرفٌ

سَـــلِيمٌ وَلَـــدٌ صَـــغِيرُ السِّـــنِّ. وَلَكِنَّـــهُ طَـــائِشٌ جِـــدًّا لَا يَعـــرِفُ أَيـــنَ يَضَـــعُ ثِيَابَـــهُ وَكُتُبَـــهُ، فَيُضِـــيعُ الوَقـــتَ فِـــي التَّفتِيـــشِ عَنهَـــا. وَمِـــرَارًا يَتَـــأَخَّرُ عَـــنِ الوَقـــتِ الْمُعَيَّـــنِ لِلـــذَّهَابِ اِلَـــي الْمَدرَسَـــةِ. فَفِـــي ذَاتِ يَـــومٍ صَـــبَاحًا قَالَـــتْ لَـــهُ وَالِدَتُـــهُ:

– يَـــا سَـــلِيمُ قَـــدْ آنَ وَقـــتُ الـــذَّهَابِ اِلَـــي الْمَدرَسَـــةِ فَتَهَيَّـــأْ حَـــالاً

– سَـــمعًا وَطَاعَـــةً

– هَـــل أَحْضَـــرتَ السَّـــلَّةَ الَّتِـــي تَضَـــعُ فِيهَـــا الـــزَّادَ؟

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

– نَعَـــمْ

– أَيـــنَ كِتَابُـــكَ سَلاَسِـــلُ القِـــرَاءَةِ؟

– لاَ أَعْـــرِفُ

– أَيـــنَ وَضَـــعْتَهُ اَمـــسِ بَعـــدَ اَن قَـــرَأْتَ دَرسَـــكَ

– نَسِـــيتُ

– فَتِّـــشْ عَنـــهُ عَـــاجِلاً قَبْـــلَ اَن يَفُـــوتَ الوَقـــتَ

فَأَخَـــذَ سَـــلِيمٌ يُفَتِّـــشُ عَـــنِ الكِتَـــابِ مُضْـــطَرِبًا

وَيَـــدُورُ فِـــي البَيـــتِ بِـــدُونِ فَائِـــدَةٍ. وَلَمَّـــا رَأَتـــهُ

أُمُّـــهُ عَلَـــي هَـــذَا الْحَـــالِ نَهَضَـــتْ لِتُفَتِّـــشَ مَعَـــهُ.

وَفِـــي اَوَّلِ خُطـــوَةٍ وَجَدَتـــهُ فِـــي اَســـفَلِ الكُرسِـــيِّ

فِـــي حُجْرَتِـــهِ. فَالتَقَطَتـــهُ وَاَعْطَتْـــهُ اِيَّـــاهُ فَأَخَـــذَهُ

سَـــلِيمٌ وَتَوَجَّـــهَ نَحْـــوَ البَـــابِ. وَعِنـــدَ ذَلِـــكَ سَـــأَلَتْهُ

أُمُّـــهُ قَائِلَـــةً:

– وَأَينَ كِتَـــابُ الْحِسَـــابِ؟

– لاَ اَعرِفُ

– اَهَكَـــذَا تَـــذهَبُ اِلَـــي الْمَدرَسَـــةِ بِـــدُونِ كُتُـــبٍ. فَمَـــا الفَائِـــدَةُ مِـــن ذَهَابِـــكَ؟ اِســـمَعِ السَّـــاعَةَ اِنَّهَـــا تَـــدُقُّ الثَمَـــانِيَ

– اِنْ تَـــأَخَّرْتُ عَـــنِ الـــدُّخُولِ اِلَـــي الْمَدرَسَـــةِ فِـــي الوَقـــتِ الْمُعَيَّـــنِ اُعَاقَـــبُ عِقَابًـــا شَـــدِيدًا. فَـــأَرجُو

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

مِنْكَ اَنْ تُسَاعِدِيْنِي عَلَى وِجْدَانِ الْكِتَابِ. وَكَانَ يَدُورُ فِي الْبَيْتِ بَاكِيًا. فَنَهَضَتْ أُمُّهُ مَرَّةً ثَانِيَةً فَوَجَدَتِ الْكِتَابَ وَرَاءَ الْخِزَانَةِ وَاَعْطَتْهُ اِيَّاهُ وَمَسَحَتْ دُمُوعَهُ وَصَرَفَتْهُ قَائِلَةً لَهُ اِذَا حَافَظْتَ عَلَى التَّرْتِيبِ لَمْ تَتَأَخَّرْ عَنِ الدَّرْسِ وَلَمْ تَبْكِ وَلَمْ تَحْزَنْ

23-дарс. Соат беш бўлганини билдирди. Мактабга иккинчи марта бордим. Дарс вақти бошланди. Вақт ўтиб кетади деб қўрқдим. Китобингни изла. Китобим шкаф орқасига тушиб кетди. Дарсдан кечикдинг. Нега дарсдан кечикдинг? Эй дўстим, қайғурма! Карим узун бола, лекин жуда енгил. Абдуллоҳ қаерга кетганини биласанми? Йўқ, билмайман. Китобларингни сумкага сол. Чой ичишга киришдик. Дарсимни ўқигандан сўнг ўйнашга чиқдим. Менга мана шу китобни бер-чи!

24

مَن ظَلَمَ غَيرَهُ ظُلِمَ

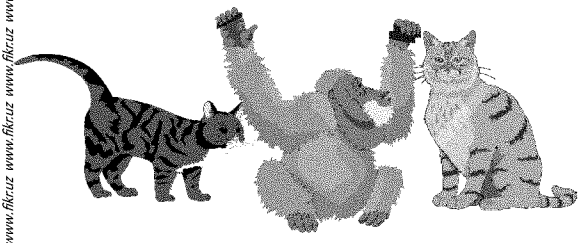

اَرمَلَةٌ. جُبنٌ

تَنَازُعٌ. قِسْمَةٌ

رُجْحَانٌ. قَضْمٌ

رَدٌّ. كِفَّةٌ

تَلَاشِي. اِمسَاكٌ. عَجَلَةٌ. اِلتِقَامٌ. حَكَمٌ. اِنصِرَافٌ. اِنَّهُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اشْتَرَتْ اَرمَلَةٌ مسكِينَةٌ قِطعَةَ جُبنٍ لِتَتَعَشَّي بِهَا هِيَ وَأَولاَدُهَا اليَتَامَي. فَسَرَقَهَا هِرَّانِ وَتَنَازَعَا فِي قِسمَتِهَا فَذَهَبَا بِهَا إِلَي قِردٍ لِيَقضِيَ بَينَهُمَا. فَفَرِحَ القِردُ بِذَلِكَ وَاستَحْضَرَ فِي الْحَالِ مِيزَانًا. وَقَسَمَ الْجُبنَ قِطعَتَينِ كَبِيرَةً وَصَغِيرَةً وَجَعَلَ كُلَّ قِطْعَةٍ مِنهُمَا فِي كِفَّةٍ. فَرَجَحَتِ الْكَبِيرَةُ عَلَي الصَّغِيرَةِ. فَتَنَاوَلَ الكَبِيرَةَ وَقَضَمَ مِنهَا قِطعَةً كَبِيرَةً يَقصُدُ بِذَلِكَ اَن تُسَاوِيَ الصَّغِيرَةَ. فَلَمَّا رَدَّهَا فِي الكِفَّةِ رَجَحَتِ الثَّانِيَةُ فَأَخَذَهَا وَفَعَلَ بِهَا كَمَا فَعَلَ بِالأُولَي فَقَالَ لَهُ الْهِرَّانِ اَعطِنَا مَا بَقِيَ فَقَد رَضِينَا بِالقِسْمَةِ. فَقَالَ لَهُمَا اِنْ رَضِيتُمَا فَالعَدْلُ لاَ يَرضَي. ثُمَّ اِنَّهُ كُلَّمَا رَجَحَتْ قِطعَةٌ أَكَلَ مِنهَا. فَقَالَ لَهُ الْهِرَّانِ حِينَ رَأَيَا اَنَّ كِلْتَا القِطعَتَينِ كَادَتَا اَن تَتَلاَشَيَا نَرجُو مِنكَ أَن تُمسِكَ عَنِ الوَزْنِ وَتَرُدَّ لَنَا مَا بَقِيَ. فَقَالَ القِرْدُ لاَ تَعجَلاَ اَيُّهَا الصَّدِيقَانِ فَإِنَّهُ كَمَا حَكَمتُ لَكُمَا يَنْبَغِي أَنْ اَحكُمَ لِنَفسِي فَمَا بَقِيَ فَهُوَ قِيمَةُ تَعَبِي. ثُمَّ التَقَمَ البَاقِيَ مِنَ الْجُبْنِ وَأَشَارَ لَهُمَا اِشَارَةَ الْحَكَمِ العَدْلِ بِالإِنْصِرَافِ

وَمَا مِن يَدٍ اِلاَّ يَدُ اللهِ فَوقَهَا *** وَلاَ ظَالِمٌ اِلاَّ وَيُبلَي بِأَظلَمِ

24-дарс. Қассоб бир бўлак гўшт ўраб берди. Ҳеч кимга зулм қилма! Эй биродар, ошиқма! Йиғидан тўхта. Бу гўштни ўлча. Мана бу ёғни ўлчангиз. Менинг китобимни қайтариб бер. Фарид билан Салим иккиси тиришқоқ шогирд. Буни рози қилиб олдингми? Қани эди шу киши каби олим бўлсам!

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الغُرَابُ وَالثَّعلَبُ

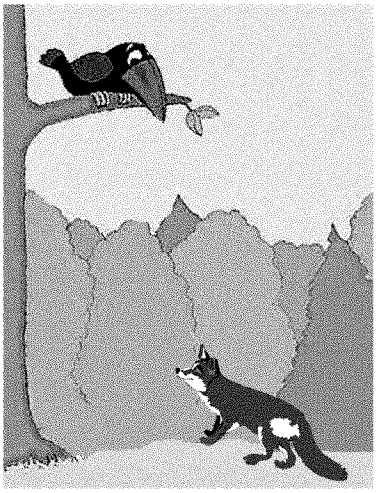

مَعشَرٌ. اشتِباقٌ. تَغرِيدٌ

اطرَابٌ. جَزِيلٌ. اغتِرَارٌ. ذُو

أنتُم مَعَاشِرَ العُلَمَاءِ

مُحتَرَمُونَ. مَنْظَرٌ

يُحكَي أنَّ غُرَابًا سَرَقَ

قِطعَةَ لَحمٍ وطَارَ بِهَا

حَتَّي نَزَلَ عَلَي شَجَرَةٍ

لِيَأكُلَهَا. وكَانَ تَحتَ الشَّجَرَةِ ثَعْلَبٌ. فَلَمَّا رَأي الغُرَابَ أَرَادَ أَنْ يَأْخُذَ قِطعَةَ اللَّحْمِ مِنْهُ بِالْحِيلَةِ فَقَالَ انَّكُم مَعَاشِرَ الغِربَانِ صُورُكُم جَمِيلَةٌ وَأَصْوَاتُكُم حَسَنَةٌ وَلاَ أَعْرِفُ مِنْ بَيْنِ الطُّيُورِ أَحْسَنَ مِنْكُمْ صَوتًا وَأَجْمَلَ مَنْظَرًا. وَإِنِّي قَدِ اشتَقْتُ لِسَمَاعِ أَصْوَاتِكُم. فَأَرْجُو مِنْكَ اَن تُغَرِّدَ قَلِيلاً وَتُطرِبَنِي بِصَوتِكَ الْجَمِيلِ وَلَكَ مِنِّي جَزِيلُ الشُّكرِ. فَاغْتَرَّ الغُرَابُ بِذَلِكَ وَظَنَّ انَّهُ كَمَا وَصَفَ الثَّعْلَبُ ذُو صَوتٍ جَمِيلٍ. فَفَرِحَ فَرَحًا شَدِيدًا وَلَمْ يَمْلِكْ نَفْسَهُ حَتِّي فَتَحَ فَمَهُ وَصَاحَ فَسَقَطَتْ قِطْعَةُ اللَّحْمِ مِنْ فَمِه. فَأَخَذَهَا الثَّعلَبُ وَأَكَلَهَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

25-дарс. Булбул чиройли овози билан мени қаттиқ хурсанд қилди. Қушлар сайради. Кўзлар ёшланди. Халқнинг сўзига алданма. Қарға учди ва дарахт устига қўнди. Унинг оғзида бир бўлак гўшт бор эди. Тулки келиб унинг чиройли товушини мақтай бошлади. Қарға тулкининг сўзига алданиб қичқира бошлади. Бундан кейин оғзидаги бўлак гўшт ерга тушди. Тулки уни олиб ея бошлади.

26

العَالِمُ وَابْنَتُهُ

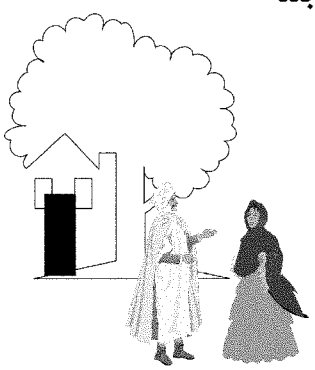

اسْـــتِئْذَانٌ. خسَّـــةٌ
طفْـــلٌ. مُخَالَطَـــةٌ. مُوقَـــدٌ
فَحـــمٌ. نَارٌ. اتِّسَـــاخٌ
تَـــأْثِيرٌ. اَثَّـــرَ فِيـــه
قَـــرِينٌ. سُوءٌ. طَبْـــعٌ

يُحْكَي أَنَّ أَحَدَ العُلَمَـاءِ اسـتَأْذَنَتْهُ ابنَتُـهُ ذَاتَ يَـومٍ أَنْ تَـذْهَبَ مَـعَ أَخِيهَا الصَّـغِيرِ اِلَـي بِنْـتِ اُخْـرَي مَعرُوفَـةٍ بِالْخسَّـةِ وَالـدَّنَاءَةِ فَلَمْ يَأذَنْ لَهَا وَالِـدُهَا. فَقَالَـتْ لَـهُ اَتَظُنُّنَـا أَطْفَـالاً حَتَّـي تَخَـافُ عَلَينَا مِن مُخَالَطَةِ هَذِه البِنْـتِ. وَكَانَ أَمَامَهَا مُوقَدٌ فِيه فَحْـمٌ فَأَخَـذَ قِطعَةً مِنَ الفَحمِ وَقَالَ لَهَا أَمسِكِي هَـذِه القِطْعَـةَ. فَامْتَنَعَـتْ لأَنَّهَـا ظَنَّتْ أَنَّ بِهَا نَارًا. فَقَالَ لَهَا لاَ تَخَافِي اَنَّهُ لَيـسَ فِيهَـا نَـارٌ. فَلَمَّـا عَلِمَتْ أَنَّهَا خَالِيَةٌ مِـنَ النَّـارِ اَمسَـكَتْهَا بِيَـدِهَا. فَاتَّسَـخَتْ يَـدُهَا فَرَمَتْهَـا. فَوَقَعَـتْ عَلَـي ثِيَابِهَـا فَاتَّسَـخَتْ أَيْضًـا. فَقَالَ لَهَـا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

وَالِدُهَا أَرَايَــتِ أَنَّ امسَــاكَكِ الفَحْــمَ قَــد اَثَــرَ فِــي يَــدَيكِ وَثِيَابِــكِ
كَــذَلِكَ قَــرِينُ السُّــوءِ تُؤَثِّــرُ مَخَالَطَتُــهُ فِــي الطِّبَــاعِ

26-дарс. Биродарим Саидникига боришга онамдан рухсат сўрадим. Рухсат берди, лекин икки соатдан кейин уйга қайтишимни таъкидлади. Икки соат ўйнагач, у билан бизникига келдик. Қуёш ботгунча бирга ўйнадик. Хасис ёмон болага қўшилма. Ҳар вақт одобли болалар билан бирга бўл. Кўмир ушлаган эдим, қўлим қорайди. Олимлар ҳурматли кишилардир. Ўтинни ўчоқга сол. Мана шу ёмон болалар билан ўйнайсанми? Сен одобли болалар билангина ўйнашинг керак.

27

الشِّبْلُ وَالفَأْرُ

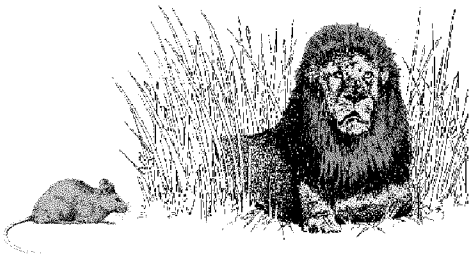

شِــبْلٌ. اِضطِجَاعٌ. جُحرٌ
نَظْرَةٌ. مِخْلَبٌ. حَيْــرَةٌ
هَرَبٌ. عَطَبٌ بُقْعَــةٌ
شَرَكٌ. مَلِكٌ. حَيَاةٌ

قَرْضٌ. اِفلاَتٌ. رَتْعٌ. رَوَاحٌ مَصْرَعٌ. كَيْــدٌ. بَأْسٌ. اَيْدٌ. آجِلاً
اِنبَــرَي يَكتُــبُ. مَا زَالَ يَبْكِــي

الشِّــبْلُ كَــانَ وَسَــطَ النَّهَــارِ *** مُضطَجِعًا أَمَــامَ جُحــرِ الفَــارِ
فَخَــرَجَ الفَــارُ اِلَيــهِ مَــرَّه *** وَلَــمْ يَكُــنْ رَآهُ غَــيرَ نَظْــرَهُ
وَاِنَّمَــا عَرَفَــهُ بِالوَصْــفِ *** وَبِالْمَخَالِــبِ الَّتِــي بِــالكَفِّ
فَحَارَ هَذَا الفَارُ أَيــنَ يَــذهَبُ *** وَكَيفَ مِــن بَيْــنِ يَدَيــهِ يَهْــرُبُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

وَإِذَا رَآهُ الشِّبْلُ خَائِفًا ذَهَبْ *** وَقَالَ سِرِيَا فَارُ لاَ تَخْشَ العَطَبْ

وَبَعدَ حِينٍ ذَلكَ الشِّبْلُ وَقَعْ *** فِي شَرَكٍ قَد مُدَّ فِي احِدَ البُقَعْ

مَرَّ بِهِ الفَأرُ فَقَالَ مَا جَرَي *** وَمَا الَّذِي هُنَا رَمَاكَ يَا تُرَي

يَا مَلِكَ الوُحُوشِ مَاذَا تَصنَعُ *** وَفِي الْحَيَاةِ مَا اَظُنُّ تَطمَعُ

ثُمَّ اِنَّبَرِي يَقْرِضُ فِي ذَاكَ الشَّرَكْ ***وَالشِّبْلُ فِيهِ رَابِضٌ وَمَا احتَرَكْ

وَلَم يَزَلْ يَقرِضُ فِيهِ جُمْعَهْ *** بِسِنِّهِ حَتَّي اسْتَطَاعَ قَطعَهْ

فَأَفلَتَ الشِّبْلُ وَرَاحَ يَرتَعُ *** وَقَد نَجَا مِنهُ وَزَالَ الْمَصرَعُ

وَقَالَ بِالصَّبرِ وَبِالْمُدَاوَمَهْ *** يُدْرَكُ مَالاَ تُدْرَكُ الْمُقَاوَمَهْ

وَرُبَّمَا نَالَ الفَتَي بِكَيدِهِ *** مَا لَم يَنَلْ بِبَأْسِهِ وَايدِهِ

وَاِنَّ مَنْ كَانَ لِخَيرٍ عَامِلاً *** يَلْقَي جَزَاهُ عَاجِلاً أَوْ آجِلاً

27-дарс. Мушук сичқон ини олдида турган эди, сичқон уни кўрди-да: «Бу ерда нима қилиб турибсан эй душман»? деди. Мушук унга: «Йўқ, мен сенга душман эмасман, сени жуда яхши кўраман, сенинг отанг менга дўст эди, сен билан ҳам дўстлашишни хоҳлайман», деди. Сичқон: «Сен отам билан дўст экансан, нимага уни единг?» деди. Мушук: «Мен уни яхши кўрганим учун едим», деди. Сичқон: «Ундай бўлса, мен сен ила дўст бўлишни хоҳламайман», деди-да, инига кириб кетди. Арслон йиртқич ҳайвонларнинг подшоҳидир. Тулки тузоққа илинди. Сабр билан мақсадга эришасан.

28

التِّلْغُــرَافْ

صَــحِيحٌ. تِلغُــرَافٌ. مَكْتَــبُ التِّلغُــرافِ. بَدَل. انْتِظَــارٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

حَسَـــنٌ – هَـــلْ أَنْـــتَ مُسَـــافِرٌ اليَـــوْمَ اِلَـــي بَلَـــدِكم يَـــا كَامِـــلُ؟

كَامِـــلٌ– نَعَـــمْ سَأُسَـــافِرُ فِـــي قِطَـــارِ الظُّهْـــرِ

– وَهَـــلْ أَرْسَـــلْتَ اِلَـــي أَبِيـــكَ مَكتُوبًـــا لِأَجْـــلِ أَنْ يُرسِـــلَ لَـــكَ فَرَسًـــا اِلَـــي الْمَحَطَّـــةِ

– لَا وَلَكِـــنْ سَأُرْسِـــلُ اِلَـــي أَبِـــي الآنَ

– اَظُـــنُّ أَنَّـــكَ اِذَا كَتَبْـــتَ مَكتُوبًـــا الآنَ لَا يَصِـــلُ اِلَـــي بَلَـــدِكُمْ اِلَّا غَـــدًا

– صَـــحِيحٌ. وَلَكِـــن سَأُرْسِـــلُ اِلَـــي أَبِـــي تِلغُرَافًـــا

– وَكَيْـــفَ تُرسِـــلُ تِلغُرَافًـــا؟

– أَكْتُـــبُ الكَـــلَامَ الَّـــذِي أُرِيـــدُ أَنْ أَقُولَـــهُ لِأَبِـــي وَأُعْطِيـــهِ لِلرَّجُـــلِ الَّـــذِي فِـــي مَكتَـــبِ التِّلِغْـــرَافِ وَهُـــوَ يُرسِـــلُهُ اِلَـــي أَبِـــي فِـــي اَقَـــلَّ مِـــنْ سَـــاعَةٍ

– فِـــي اَقَـــلَّ مِـــن سَـــاعَةٍ؟ هَـــذَا شَـــيءٌ عَجِيـــبٌ. وَلِمَـــاذَا لَا يَكتُـــبُ كُـــلُّ النَّـــاسِ تِلغُرَافَـــاتٍ بَـــدَلَ الْمَكَاتِيـــبِ؟

– لِأَنَّ اُجـــرَةَ الْمَكتُـــوبِ عَشْـــرُ مِلِّيمَـــاتٍ وَأَمَّـــا اُجـــرَةُ التِلْغُـــرَافِ فَكَثِـــيرَةٌ

– كَـــمْ أُجْـــرَةُ التِّلِغْـــرَافِ؟

– أُجْـــرَةُ كُـــلِّ كَلِمَـــةٍ وَاحِـــدَةٍ فِـــي التِّلِغْـــرَافِ سَـــبعُ مِلِّيمَـــاتٍ. اُنظُـــرْ هَـــذِهِ هِـــيَ صُـــورَةُ التِّلِغْـــرَافِ الَّـــذِي كَتَبتُـــهُ لِأَبِـــي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

– اِنْتَظِرْ حَتَّـــي اَعُـــدُّ الكَلِمَـــات

– اِنَّ فِيهِ عَشْـــرَ كَلِمَـــات

– نَعَـــمْ وَلِـــذَلِكَ أُجْرَتُـــهُ سَـــبعُونَ مِلِّيمًـــا. اَنَـــا الآنَ

ذَاهِـــبٌ اِلَـــي مَكتَـــبِ التِّلْغُـــرَافِ لِأُرْسِـــلَ هَـــذَا اِلَـــي

اَبِـــي. هَـــل تُرِيـــدُ اَن تَـــذهَبَ مَعِـــي؟

نَعَـــمْ اُرِيـــدُ أَنْ اَذهَـــبَ مَعَـــكَ لِأَرَي مَكتَـــبَ التِلْغُـــرَافِ

فَـــإِنِّي مَـــا رَأَيتُـــهُ قَـــطُّ

28-дарс. Дўстим билан бирга телеграмма юбориш учун телеграфхонага бордим. Телеграф ҳаққи мактуб ҳаққидан ортиқ экан. Қаерга сафар қилмоқчисан? Тошкентга. У ердан қачон қайтасан? Бир ҳафтадан кейин қайтсам керак. Пешиндан сўнг бироз ётдим. Бургут қушларнинг подшоҳидир. Булбул қушларнинг энг гўзал товушлисидир. Уни ҳеч кўрганим йўқ. Лекин сўз орқали биламан. Сенинг ҳузурингга бироз вақтдан кейин келаман. Мен билан вокзалга борасанми? Бораман.

29

الصُّرصُورُ وَالنَّمْلَةُ



صُرصُـــورٌ. نَمْلَـــةٌ

غِنَاءٌ. تَـــرَنُّمٌ. عُشْـــبٌ

اِدِّخَارٌ. قُوتٌ. هُزَالٌ

خُطُورٌ. بَالٌ. اِســـتِقرَاضٌ. اِقرَاضٌ. سَـــدٌّ. رَقْـــصٌ

يُحكَي أَنَّ صُرصُورًا قَضَـــي زَمَـــنَ الصَّـــيفِ فِـــي الغِنَـــاءِ وَالتَّـــرَنُّمِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بَيْنَ الأَعْشَابِ وَالأَزْهَارِ. وَلَمْ يَدَّخِرْ شَيْئًا مِنَ القُوتِ لأَيَّامِ الشِّتَاءِ فَجَاءَ الشِّتَاءُ وَلَيْسَ عِنْدَهُ شَيءٌ لِيَأْكُلَهُ. فَاَخَذَتْهُ الْحَيرَةُ وَالْحُزْنُ وَلَم يَعْرِفْ مَاذَا يَصْنَعُ. وَكَانَ الْجُوعُ يُتْعِبُهُ يومًا فَيومًا إِلَي أَنْ هَزِلَ هُزَالاً شَدِيدًا. وَامسَكَ عَنِ القَفْزِ وَالغِنَاءِ. وَكَانَ قَرِيبًا مِنهُ نَمْلَةٌ قَد اشْتَغَلَتْ فِي الصَّيفِ اشْتِغَالاً شَدِيدًا. وَادَّخَرَتْ لِنَفْسِهَا مَا يَكْفِيهَا مِنَ القُوتِ إِلَي فَصْلِ الرَّبِيعِ. فَخَطَرَ بِبَالِهِ أَنْ يَقصُدَ النَّملَةَ وَيَستَقْرِضَهَا شَيْئًا مِنَ القُوتِ. فَذَهَبَ إِلَيهَا وَقَالَ لَهَا اَسأَلُكِ يَا جَارَتِي بِحَقِّ الْجِوَارِ بَينَنَا اَن تُقرِضِينِي شَيْئًا اَسُدُّ بِهِ جُوعِي. فَقَدْ اَهزَلَنِي الْجُوعُ وَلَم اَجِدْ اَحَدًا غَيرَكِ اَستَقْرِضُهُ. وَسَأَرُدُّ إِلَيكِ عِندَ مَجِيءِ الصَّيفِ مَا اَعطَيتُهُ مِنَ القُوتِ بِزِيَادَةٍ. فَقَالَتِ النَّمْلَةُ مَاذَا كُنتَ تَصنَعُ اَيُّهَا الصَّدِيقُ فِي فَصلِ الصَّيفِ عِندَ مَا كَانَ النَّاسُ يَستَعِدُّونَ لِلشِّتَاءِ؟ وَلِمَ لَم تَستَعِدَّ كَمَا اسْتَعَدَّ غَيرُكَ؟ وَهَل كُنتَ مَرِيضًا طُولَ الصَّيفِ؟ قَالَ كَلاَّ يَا صَدِيقَتِي. اِنَّنِي كُنتُ اَقضِي اَوقَاتِي بِالغِنَاءِ وَلَم يَخطُر بِبَالِي اَن اَدَّخِرَ لأَيَّامِ الشِّتَاءِ. فَاَجَابَتْهُ النَّملَةُ مُستَهزِءَةً اِذَن يَنبَغِي لَكَ اَن تَقضِيَ الشِّتَاءَ فِي الرَّقصِ فَمِثْلُكَ لاَيَستَحِقُّ الرَّحْمَةَ وَالإِحْسَانَ

29-дарс. Дўстимдан беш сўм қарз олдим. Фарид озиб кетди. Унга мактуб ёзиш кўнглимдан ўтди. Қийинчилик кунлар учун тайёргарлик қил. Бу мискинга бир кунлик озуқа бер, шу билан очлигини кетказсин. Вақтини иш билан ўтказди.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Камбағаллар ҳолидан хабар ол ва уларга инъом эҳсон қил. Чумоли каби тиришқоқ бўл, суварак каби ялқов бўлма. Қўшни хотин бизга икки сўм қарз берди. Ўрмонга бордик-да дарахтлар, майсалар, гуллар орасида ўйнадик, пешин вақти бўлганида ювиндик ва кўлдан балиқ тутдик. Оқшом вақтида уйга қайтдик.

30

النَّاسِكُ وَالْمَكَرَةُ

سَمِيْنٌ. قِيَادَةٌ. مَنْزِلٌ. مَكرٌ. تَشَاوُرٌ. عَرْضٌ. شَأْنٌ. عَرَضَ لَهُ قَبْلَ العِيدِ بِيَومَينِ. احتَالَ عَلَيهِ. سَحَرَ عَيْنَهُ. حَدِيثٌ

كَانَ لِنَاسِكٍ عِدَةُ رُوبِلاَتٍ مِنَ النُّقُودِ. فَأَحَبَّ أَنْ يَشْتَرِيَ بِهَا خَرُوفًا لِيَجعَلَهُ قُربَانًا فَخَرَجَ قَبلَ العِيدِ بِيَومَينِ إِلَي السُّوقِ وَاشْتَرَي خَرُوفًا سَمِينًا. وَفِيمَا هُوَ يَقُودُهُ إِلَي مَنْزِلِهِ وَهُوَ يُفَكِّرُ فِي شَأْنِ الْخَرُوفِ وَسِمَنِهِ وَيَسْأَلُ اللهَ تَعَالَي أَن يَجعَلَهُ قُربَانًا مَقبُولاً عِنْدَهُ إِذْ رَآهُ جَمَاعَةٌ مِنَ الْمَكَرَةِ فَتَشَاوَرُوا بَيْنَهُم أَنْ يَأخُذُوهُ مِنَ النَّاسِكِ بِالْحِيلَةِ فَعَرَضَ لَهُ أَحَدُهُم وَقَالَ لَهُ أَيُّهَا النَّاسِكُ مَا هَذَا الكَلْبُ الَّذِي مَعَكَ؟ ثُمَّ عَرَضَ لَهُ الآخَرُ فَقَالَ لِصَاحِبِهِ لَيسَ هَذَا نَاسِكًا لأَنَّ النَّاسِكَ لاَ يَقُودُ كَلْبًا وَلَيسَ هَذَا مِن فِعْلِ النُّسَّاكِ. ثُمَّ عَرَضَ لَهُ الثَّالِثُ وَقَالَ لَهُمَا مَا شَأْنُ هَذَا النَّاسِكِ يَقُودُ كَلْبًا أَظُنُّ أَنَّهُ مَجنُونٌ فَلَم يَزَالُوا يَحتَالُونَ عَلَي النَّاسِكِ بِمِثْلِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

هَـذَا الكَـلاَمِ حَتَّـي لَـمْ يَشُـكَّ أَنَّ الَّـذِي يَقُـودُهُ لَيْـسَ خَرُوفًـا وَانَّمَا هُوَ كَلْـبٌ. وَأَنَّ الَّذِي بَاعَـهُ اِيَّـاهُ سَـحَرَ عَيْنَـهُ. فَأَطلَقَـهُ مِن يَـدِهِ وَتَوَجَّـهَ اِلَـي مَنْزِلِـهِ. فَلَمَّا غَـابَ النَّاسِـكُ عَـن أَعيُـنِ الْمَكَـرَةِ أَخَـذُوا بِـهِ وَتَوَجَّهُـوا حَيْـثُ شَـاءُوا

30-дарс. Бизнинг уйимиз сизга жуда яқин. Бизнинг маҳалламада бир сўфи туради. У жуда ҳам яхши киши. Кўп намоз ўқийди, кўп рўза тутади, бирор кишига жабр қилмайди. Унинг бир кичик ўғли бор. У жуда одобли бола. Бобомнинг ҳурматидан менга зўр бир олма берди. Мен уни ўртоғим Фотима билан бирга едим. Бу қиш жуда қаттиқ ҳаракат қилган эдим, озиб кетдим. Сени олдингга қурбон ҳайитидан уч кун олдин келаман. Боқчага боришга ўзаро келишиб олдик.

31

الكُرَةَ

تَبَـعٌ. مَحَلٌّ. تَلَقَّـي. بِيَـدِهِ. هَدُوءٌ. شُـخُوصٌ. وَادِيٌ عَمِيـقٌ. غَرِيـبٌ. مَسـكَنٌ. تَـزيِيْنٌ. مَا اَعلَمَ مُحَمَّـدًا. مَا اَحْسَنَ هَـذَا الكِتَـابَ. تَعْلِيـقٌ

خَرَجَ التَّلاَمِذَةُ ذَاتَ يَومٍ اِلَـي سَـاحَةِ الْمَدرَسَـةِ. ثُمَّ خَـرَجَ الْمُعَلِّـمُ بَعْدَهُم لِكَي يَلعَـبَ مَعَهُـم. وَسَـأَلَهُم قَـائِلاً بِـأَيِّ لُعبَـةٍ تُرِيـدُونَ اَنْ تَلْعَبُـوا. فَأَجَابَـهُ بَعْضُـهُم نَلْعَـبُ بِلُعْبَـةِ التُّفَّاحَـةِ. وَقَالَ اٰخَـرُونَ لاَ بَـلْ نَلْعَـبُ بِـالْكُرَةِ. وَنَحْنُ أَكثَـرُ عَـدَدًا مِـنَ الَّـذِينَ يُحِبُّـونَ لُعْبَـةَ التُّفَّاحَـةِ. فَقَـالَ الْمُعَلِّـمُ اِذَنْ نَتْبَـعُ الْجَانِـبَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الأَكْبَرَ وَنَلْعَبُ بِالْكُرَةِ. ثُمَّ وَقَفَ عَلَي مَحَلٍّ عَالٍ فِي طَرَفِ السَّاحَةِ وَأَخَذَ يَرمِي الْكُرَةَ اِلَي الأَولاَدِ. فَمَن تَلَقَّاهَا بِيَدِه مِنْهُم كَانَ يَرمِيهَا اِلَيهِ ايضًا اِلَي أَنْ يَأخُذَهَا آخَرُ مِنهُ. وَعِنْدَ انقِضَاءِ وَقْتِ اللَّعِبِ دَقَّ جَرَسُ الْمَدرَسَةِ. فَدَخَلَ التَّلاَمِذَةُ كُلُّ وَاحِدٍ اِلَي مَكَانِه. ثُمَّ وَقَفَ الْمُعَلِّمُ وَقَالَ لَهُم اِسْمَعُوا يَا أَوْلاَدِي اَقُصَّ عَلَيكُم قِصَّةً عَنْ كُرَةٍ كَبِيرَةٍ عَجِيبَةٍ. فَسَكَتَ التَّلاَمِذَةُ كُلُّهُم وَجَلَسُوا هَادِئِينَ لاَيَتَحَرَّكُونَ. وَعُيُونُهُم شَاخِصَةٌ اِلَي الْمُعَلِّمِ. فَقَالَ تُوجَدُ كُرَةٌ كَبِيرَةٌ جِدًّا مُعَلَّقَةٌ فِي السَّمَاءِ مُزَيَّنَةٌ بِالأَعْشَابِ وَالأَزْهَارِ. وَعَلَيهَا جِبَالٌ عَالِيَةٌ وَأَودِيَةٌ عَمِيقَةٌ تَجْرِي فِيهَا الأَنْهَارُ. وَمِنَ الغَرِيبِ أَنَّهَا لاَتَسْكُنُ دَقِيقَةً وَاحِدَةً بَلْ تَتَحَرَّكُ عَلَي الدَّوَامِ بِمَا عَلَيهَا مِنَ الأَعْشَابِ وَالأَزْهَارِ وَالْجِبَالِ وَالأَودِيَةِ وَالأَنْهَارِ. وَهَذِهِ الكُرَةُ هِيَ الأَرْضُ الَّتِي نَعِيشُ فِيهَا وَنَبنِي عَلَيهَا البُيُوتَ وَالقُرَي وَالْمُدُنَ. وَفِي غَابَاتِهَا تَسكُنُ الوُحُوشُ وَالطُّيُورُ. اَللهُ خَلَقَ هَذِهِ الأَرْضَ وَجَعَلَهَا مَسكَنًا لَنَا وَزَيَّنَهَا بِالْمُرُوجِ وَالأَشْجَارِ وَاَجْرَي فِيهَا الأَنْهَارَ وَجَمَعَ البِحَارَ مَا أَعْظَمَ اَعمَالَكَ يَا رَبُّ كُلَّهَا بِحِكْمَةٍ صَنَعْتَ

31-дарс. Коптогинг мунча чиройли, уни қаердан олдинг? Отам бозордан сотиб олиб келди. Уйда бирга ўйнайлик. Жуда яхши бўлади. Кийимларимни илгичга илдим. Бу водий жуда чуқурдир. Ухлаб қолмасдан кеч тунгача ўтирдик. Бу жуда ажиб нарса. Бувим менга жуда чиройли ҳикоя айтиб берди. Бу ўралган нарса узундир. Аллоҳ таоло ер-осмонни яратди. Осмонни қуёш, ой ва юлдузлар билан зийнатлади. Ерни ўтлар, гуллар,

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

ўрмонлар, тоғлар, жилғалар, кўллар ва денгизлар билан зийнатлади. Биз бу нарсаларнинг барчасидан фойдаланамиз.

32

لاَ تُزعِجْ بِضَجَّتِكَ مَرِيْضًا عَلَي فِرَاشِهِ

اِفـــرَاغٌ. تنـــــويْمٌ. اتِّفَـــــاقٌ. مُعَالَجَـــةٌ. بَغْضَـــاءُ. حَثٌّ. اِزعَاجٌ. ضَـــجِيجٌ. اَنِيـــنٌ. حُمَّي. نِظْـــرَةٌ. خَجَلٌ. شَـــرَعَ. اَذَي. رُبَّ

مَرِضَتْ فَاطِمَةُ شَقِيقَةُ سَلِيمٍ مَرَضًـــا شَـــدِيدًا لَـــم تَقْـــدِرْ مَعَـــهُ عَلَـــي الرُّقَاد. وكَانَتْ وَالِدَتُهَا قَدْ أَفرَغَـــتْ جَمِيـــعَ الْحِيَـــلِ لِتَنوِيْمِهَـــا فَلَـــم تَســـتَفِدْ شَـــيئًا. فَاتَّفَقَ أَنَّهَا نَامَتْ بَعْـــدَ مُعَالَجَـــةٍ دَامَـــتْ خَمْسَـــةَ اَيَّامٍ. وَفِي اَثنَاءِ رُقَادِهَا أَخَذَ شَـــقِيقُهَا سَـــلِيمٌ عَـــن طَيـــشٍ مِنـــهُ لاَ عَنْ بَغضَاءَ يَركُضُ فِي البَيتِ وَيَحُثُّ حِصَانًا مِـــنْ خَشَـــبٍ كَـــانَ قَـــدْ هَدَاهُ اِلَيهِ أَبُوهُ فِى عِيـــدِ الأَضْـــحَى. فَخَرَجَتْ فِي الْحَالِ وَالِدَتُـــهُ مِـــنْ الْحُجْـــرَةِ وَ وَبَّخَتْـــهُ لاِزْعَاجِـــهِ شَـــقِيقَتَهُ. فَسَـــكَتَ سَـــلِيمٌ هُنَيهَـــةً ثُمَّ عَادَ اِلَى الضَّـــجِيجِ وَالْحَرَكَـــةِ. وَ كَانَ يَصِـــيحُ ((دَهْدَهْ)) وَ يَضـــرِبُ الْفَـــرَسَ بِالسَّـــوْطِ. وَمَا زَالَ كَذَلِكَ حَتَّى انْتَبَهَتْ اُخْتُـــهُ وَأَنَّـــتْ مِـــنْ شِدَّةِ الْحُمَّـــى. فَنَظَـــرَتْ عِنْدَئِـــذٍ وَالِدَتُـــهُ نَظْـــرَةَ غَضَـــبَى. فَخَجِـــلَ سَلِيمٌ مِنْ تِلْكَ النَّظْرَةِ فَذَهَبَ فِي الْحَـــالِ اِلَـــى حُجْـــرَةٍ بَعِيـــدَةٍ وَأَخَـــذَ كِتَابَـــهُ وَشَـــرَعَ يُحْضِـــرُ دُرُوسَـــهُ بِجِـــدٍّ وَ نَشَـــاطٍ

رُبَّ مَنْ تَرْجُو بِهِ دَفْـــعَ الأَذَي *** عَنْـــكَ يَأْتِيـــكَ الأَذَى مِـــنْ قِبَلِـــهْ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

32-дарс. Бу менинг ота-она бир туғишган синглимдир. Унга раҳм кўзи ила қарадим. Отни қамчиладим. Оғриқдан жуда қаттиқ сакради. От чопди. Унинг ортидан ит чопди. Дарсдан кечикканим учун муаллим менга танбеҳ берди. Озгина бўлса ҳам, энди тек тур. Ўтган рамазон ҳайитида отам менга бир китоб ҳадя қилди. Ўртоғим Фотима ёш болани йиғлатди.

33

الصَّيَّادُ وَالسَّمَكَةُ



تَحْكِيـــمٌ. طُعْمٌ.صِـــنَارَةٌ
غَطْسٌ. شَـــبْكٌ. ضَـــفْدَعٌ
طَعْمٌ. شَـــبَعٌ تَخْلِيَـــةٌ
سَـــبِيلٌ كَبِـــرٌ. شَـــبَكَةٌ

عَيْنٌ.مَفْقُـــودٌ. حَتَّـــى. لَيْتَمَـــا

اِتَّفَـــقَ الْحَـــالُ مَـــعَ الصَّـــيَّادِ *** فِي بَلْـــدَةٍ مِـــنْ اَصْـــغَرِ الْبِـــلَادِ
اَنْ حَكَّمَ الطُّعْمَ عَلَـــى الصِّـــنَارَهْ *** مِنْ بَعْدِ مَا قَدْ عَمِـــلَ اسْـــتِخَارَهْ
فَغَطَسَتْ فِي الْمَـــاءِ بَعْـــضَ اَذْرُعِ *** وَشَـــبَكَتْ سَـــمَكَةً كَالإِصْـــبَعِ
قَالَتْ لَهُ وَ هَلْ لِمِثْلِـــى مَنْفَعَـــهْ *** يَالَيْتَمَـــا بَـــدَّلْتَنِى بِضَـــفْدَعَهْ
اِنِّى صَغِيْرَةٌ وَلَيْسَ بِـــى ظَمَـــعْ *** اِذْ لَيْسَ لِى طَعْمٌ وَلاَ مِنِّـــى شَـــبَعْ
خَـــلِّ سَـــبِيْلِى سَـــنَتَيْنِ اَكْبَـــرُ *** وَ بَعْدُ فِى هَذَا الْمَكَـــانِ اَحْضُـــرُ
وَارْمِ اِلَى الْبَحْرِ لِصَيْدِى شَـــبَكَهْ *** حَتَّى يَقُولَ النَّاسُ صَادَ سَـــمَكَهْ
فَقَالَ بَـــلْ اَكُـــونُ عَيْـــنَ الْجَاهِـــلِ *** اِذَا تَرَكْـــتُ عَـــاجِلاً بِآجِـــلِ
وَ عَاجِزٌ مِـــنْ تَـــرْكِ الْمَوْجُـــدَا *** طَمَاعَـــةً وَ طَلَـــبَ الْمَفْقُـــودَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

33-дарс. Кичкина шаҳар. Катта бўлди. Бу шаҳарларнинг энг каттасидир. Йўқни излаб, борни ташлама. Кичкина балиқ тутдим. Сувда чўмилдик. Бу денгизда балиқ кўп. Кеча ҳузурингга ким келди: Муҳаммадми ёки Маҳмудми? Йўқ, Муҳаммад келмади, балки Маҳмуд келди. Бу балиқ ва бу қурбақадир. Бўлмайдиган нарсани умид этма! Бу тоғлар жуда каттадир. Бу водийлар жуда чуқурдир.

34



اَلْوَزُّ وَ الْكُرْكِيُّ

كُـــرْكِيٌّ. غَـــدِيرٌ. جَوٌّ. خَصْـــلَةٌ

اَيِّـــلٌ. اِتْقَـــانٌ. خَيْـــرٌ. هَبْ

كُرْكِيٌّ رَأَى وَزًّا يَسْـبَحُ فِـى الْغَـدِيرِ وَيَقُـولُ فِـي نَفْسِـهِ بِصَـوْتٍ رَفِيعٍ أَنَا طَـائِرٌ عَجِيـبٌ جِـدًّا. حَيْثُ اَمْشِـى فِـى الأَرْضِ وَاَسْـبَحُ فِى الْمَاءِ وَاَطِيْرُ فِـى الْجَـوِّ. وَلاَ يُوجَدُ طَائِرٌ غَيْـرِى يَجْمَـعُ تِلْـكَ الْخِصَالَ. فَأَنَـا مَلِـكُ الطُّيُورِكُلِّهَـا. فَلَمَّـا سَـمِعَ الْكُـرْكِيُّ كَـلاَمَ الْوَزِّ قَالَ لَـهُ يَـا اَبْلَـدَ الطُّيُـورِ لِـمَ تَفْتَخِـرُ بِمَـا لاَ يَصِـحُّ بِـهِ الإِفْتِخَـارُ. هَلْ اَنَّكَ تَقْدِرُ عَلَى الْمَشْـيِ وَعَلَـى الصِّـبَاحَةِ وَ عَلَـى الطَّيَـرَانِ وَهَـلْ تَسْـتَطِيعُ أَنْ تَـرْكُضَ مِثْـلَ الْأَيِّـلِ وَ تَسْـبَحَ مِثْلَ السَّمَكِ وَتَطِيْـرُ مِثْـلَ النَّسْـرِ؟ اِنَّـكَ أَنْ تَعْـرِفَ شَـيْئًا وَاحِـدًا وَ تُتْقِنَـهُ خَيْـرٌ مِـنْ أَنْ تَعْـرِفَ اَشْـيَاءَ مِـنْ غَيْـرِ اِتْقَـانٍ

34-дарс. Ушбу қушнинг товуши жуда чиройли. Бу гулда кеча кўп қушларни кўрдим. Бойўғли жуда баҳайбат қушдир.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Айтдилар: «Бир бойўғли бир чумчуқни тутиб олди. Чумчуқ ўзини ейилишини билгач, унга: «Эй подшоҳ! Исмингни менга айт, мени ейдиган кишининг исмини билиб олай», деди. Бойўғли оғзини озгина очиб: «Мен бойўғлиман,» деди. Чумчуқ: «Эшитмадим, қаттиқроқ гапир», деди. Бойўғли чумчуқнинг алдаганини билмасдан оғзини катта очганча: «Мен бойўғлиман», деб бор овози ила бақирди. Шу пайт чумчуқ унинг оғзидан қутулиб учиб кетди.

35

الذُّبَابَةُ

هَنَاءٌ. قَبْضٌ. اِيَّاهُ. اِيَّاهَا. وَالاَّ. سَقْفٌ. حَالَما. اِخفَاءٌ. اِقَامَةٌ. دَفعٌ. جَنَاحٌ. وُقُوعٌ. طَنِيْنٌ. اِحسَاسٌ

.مَالَكَ اَيُّهَا الوَلَدُ الصَّغِيرُ لايَهنَأُ لَكَ عَيشٌ الاَّ بِضَرَرِي فَلاَ تَرَانِي فِي مَكَانٍ حَتَّي تَمُدَّ يَدَكَ وَتُحَاوِلَ أَنْ تَقْبِضَ عَلَيَّ. مَاذَا عَمِلْتُ مَعَكَ مِنَ الشَّرِّ؟ اَنَا ذُبَابَةٌ صَغِيرَةٌ ضَعِيفَةٌ وَأَنْتَ كَبِيرٌ قَوِيٌّ. وَلَكِن لاَ تَظُنَّ أَنَّ اللهَ اَعْطَاكَ القُدْرَةَ لِكَي تَضُرَّ بِالْمَخلُوقَاتِ الصَّغِيرَةِ مِثلِي. اَللهُ قَدْ وَهبَ لِي الْحَيَاةَ فَدَعْنِي اَحْيَ الْحَيَاةَ الَّتِي وَهَبَ لِي اِيَّاهَا الْخَالِقُ. هَلْ اَخبَرَكَ أَحَدٌ عَنِ الأَشْيَاءِ العَجِيبَةِ الَّتِي فِي جِسْمِ الذُّبَابَةِ؟ مَا اَظُنُّ أَنَّكَ سَمِعْتَ شَيئًا مِن ذَلِكَ وَالاَّ مَا كُنتَ تَفرَحُ بِامسَاكِي وَضَرَرِي. اَنَا أَقدِرُ أَن اَمشِيَ عَلَي السَّقْفِ وَاَرجُلِي اِلَي فَوقَ وَرَأْسِي إِلَي تَحْتَ بِكُلِّ سُهُولَةٍ كَمَا اَمشِي فِي اَرْضِ البَيْتِ. لاَ فَرْقَ عِندِي. كَمْ مَرَّةً مَدَدْتَ يَدَكَ لِكَي تُمْسِكَنِي

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

وَلَمْ تقـــدِرْ. فَإنِي حَالَمـــا كُنْـــتَ تَمُـــدُّ يَـــدَكَ كُنـــتُ اَطـــيرُ سَـــرِيعًا
اِلَي مكَانٍ آخرَ قَبْـــلَ أَنْ تصِـــلَ الَـــيَّ. أَنْتَ تَظُـــنُّ أَنَّ لَـــي عَيْنَيْـــنِ
فَقَـــطْ مثلَـــكَ. ولِذَلِكَ تَمُدُّ يَدَكَ مِـــن خَلْفِـــي. وتَجْتَهِـــدُ أَنْ تُخفِيَهَـــا
عَنِّي ظَانًّـــا أَنِّـــي لاَ أَقْـــدِرُ أَنْ أَرَاكَ. مَعَ اَنَّهُ حَالَمَـــا تَمُـــدُّ يَـــدَكَ أَرَاكَ
وَاَهْرُبُ. لأَنَّ لَـــي عُيُونًـــا كَثِـــيرَةً لَكِنَّهَـــا ثَابِتَـــةٌ لاَ تَتَحَـــرَّكُ
مِثْـــلَ عَينَيـــكَ. فَإِنَّ كُلَّ عَيْنٍ مِن عَينَـــيَّ مُرَكَّبَـــةٌ مِـــن مِئَـــاتٍ مِـــن
عُيُـــونٍ صَـــغِيرَةٍ. وَكُلُّ وَاحِدَةٍ مِثْـــلُ رَأسِ الإِبْـــرَةِ. وَاَنَا اَنْظُرُ بِهَـــا
اِلَى كُلِّ الْجِهَاتِ اِلَـــى قُـــدَّامٍ وَ اِلَـــى خَلْـــفٍ وَ اِلَـــى كُـــلِّ جَانِـــبٍ. وَ
بِهَذِهِ الْعُيُـــونِ الصَّـــغِيرَةِ اَرَى كُـــلَّ مَـــنْ يَمُـــدُّ يَـــدَهُ مِـــنْ وَرَائِـــي
لِكَـــي يُمْسِـــكَنِي وَ اَطِيْـــرُ وَ اَسْـــلَمُ مِنْـــهُ. اَنَّنِـــي لَسْـــتُ أُقِيـــمُ فِـــي
مَكَانٍ وَاحِدٍ. بَلْ اَطِيْـــرُ اِلَـــى حَيْـــثُ اَشَـــاءُ. وَ اَقَعُ عَلَـــى اَطْيَـــبِ
الْمَأْكُولاَتِ وَ احْلَـــى الْمَشْـــرُوبَاتِ. وَ اِذَا دَفَعَنِـــي أَحَـــدٌ اَذْهَـــبُ ثُـــمَّ
اَرْجِعُ اِلَى حَيْـــثُ كُنْـــتُ. لَسْتُ أُحِـــبُّ كَثْـــرَةَ الصَّـــوْتِ. فَـــلاَ يَعْمَـــلُ
جَنَاحَـــايَ صَـــوْتًا حَيْـــنَ اَطِيْـــرُ وَلاَ حِيْـــنَ اَقَـــعُ، فَأَعْمَـــلُ كُـــلَّ مَـــا
اَعْمَلُهُ مِـــنْ دُونِ طَنِيْـــنٍ. وَلاَ يُحِـــسُّ بِـــي أَحَـــدٌ اِلاَّ حِيْـــنَ اَقَـــعُ

35-дарс. Овқатга пашша тушди. Уни тутиш учун қўлимни узатган эдим, тута олмадим. Бухорода икки ой турдик. Ҳар қушнинг икки қаноти бор. Кўп кулишни ёқтирмайман. Эй ялқов, ниманг билан мақтанасан? Аллоҳга ҳеч нарса яширин эмас-ку. Хоҳлаган жойингга бораман. Пашшанинг кўзлари жуда кўп. Буларнинг барчаси нина учи каби кичкинадир.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

36

الْحِمَارُ وَ الثَّوْرُ

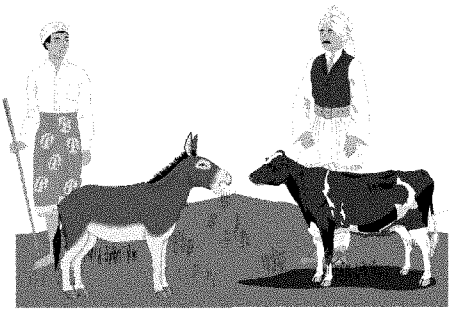

انْقِطَـــاعٌ. اِرْشَادٌ. خَلاَصٌ
عَلَفٌ. صَاحِبٌ. نَدَمٌ
خُسْرَانٌ حُلُـــوْلٌ. لِئَـــلاَّ
لِئَـــلاَّ يَهْـــرُبَ

يُحْكَى أَنَّهُ كَـــانَ لِرَجُـــلٍ حِمَـــارٌ وَ ثَـــوْرٌ. وَكَانَ الْحِمَارُ فِـــى غَايَـــةِ الرَّاحَةِ لاَ يَعْمَـــلُ شَـــيْئًا. وَأَمَّا الثَّوْرُ فَكَـــانَ يَعْمَـــلُ بِـــدُونِ انْقِطَـــاعٍ فَذَهَبَ يَوْمًا اِلَى صَاحِبِهِ الْحِمَـــارِ وَشَـــكَا اِلَيْـــهِ اَمْـــرَهُ وَطَلَـــبَ مِنْـــهُ أَنْ يُرْشِـــدَهُ اِلَـــي طَرِيْقَـــةٍ يُمْكِنُـــهُ بِهَـــا أَنْ يَخْلُـــصَ مِـــنْ هَـــذِهِ الْمَشَـــقَّةِ الشَّـــدِيْدَةِ. فَقَالَ لَهُ الْحِمَـــارُ الـــرَّأْىُ لَـــكَ يَـــا صَـــاحِبِى اَنْ تَتَمَـــارَضَ وَ لاَ تَأْكُـــلَ عَلَفَـــكَ فِـــى هَـــذِهِ اللَّيْلَـــةِ فَـــإِذَا فَعَلْـــتَ ذَلِـــكَ تَرَكَـــكَ صَـــاحِبُنَا غَـــداً وَ لَـــمْ يَأْخُـــذْكَ لِلْحِرَاثَـــةِ فَتَسْـــتَرِيْحَ فَقَبِـــلَ الثَّـــوْرُ نَصِـــيحَةَ الْحِمَـــارِ وَ عَمِـــلَ بِإِشَـــارَتِهِ. وَ لَمَّا كَانَ الصَّـــبَاحُ حَضَـــرَ صَـــاحِبُهُمَا فَـــرَأَى الثَّـــوْرَ لَـــمْ يَأْكُـــلْ عَلَفَـــهُ فَتَرَكَـــهُ وَ أَخَـــذَ الْحِمَـــارَ بَدَلَـــهُ وَحَـــرَثَ عَلَيْـــهِ كُـــلَّ ذَلِـــكَ الْيَـــوْمِ فَتَعِـــبَ الْحِمَـــارُ كَثِـــيرًا وَنَـــدِمَ عَلَـــى نَصِـــيْحَتِهِ الثَّـــوْرِ. وَلَمَّا رَجَعَ عِنْدَ الْمَسَاءِ قَالَ لَـــهُ الثَّـــوْرُ كَيْـــفَ حَالُـــكَ يَـــا اَخِـــى؟ فَقَـــالَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بِخَيْـــرٍ. غَيْـــرَ انَّـــى سَـــمِعْتُ الْيَـــوْمَ صَـــاحِبَنا يَقُـــولُ اذا اسْـــتَمَرَّ الثَّوْرُ عَلَى هَذَا الْحَـــالِ وَ لَـــمْ يَأْكُـــلْ عَلَفَـــهُ فَـــلاَ بُـــدَّ مِـــنْ ذَبْحِـــهِ لِئَـــلاَّ اَخْسَـــرَ ثَمَنَـــهُ. فَـــالرَّأْىُ لَـــكَ يَـــا صَـــاحِبى الآنَ اَنْ تَـــرْجِعَ اِلَى عَادَتِكَ وَ تَأْكُـــلَ عَلَفَـــكَ لِئَـــلاَّ يَحُـــلَّ بِـــكَ هَـــذَا الْبَـــلاَءُ الْعَظِيـــمُ فَلَمَّا سَمِعَ الثَّوْرُ مَـــا قَـــالَ الْحِمَـــارُ ظَـــنَّ اَنَّـــهُ صَـــادِقٌ فِـــى قَوْلِـــهِ وَاَنَّهُ نَاصِحٌ لَـــهُ فَقَـــامَ فِـــى الْحَـــالِ وَ أَخَـــذَ يَأْكُـــلُ عَلَفَـــهُ. وَ لَمَّا رَأَى الرَّجُـــلُ عِنْـــدَ الصَّـــبَاحِ أَنَّ عَلَـــفَ الثَّـــوْرِ مَـــأْكُولٌ ظَـــنَّ اَنَّـــهُ شُـــفِىَ مِـــنْ مَرَضِـــهِ وَ أَخَـــذَهُ لِلْحِرَاثَـــةِ كَعَادَتِـــهِ

36-дарс. Ялқов шогирд мадрасага бормаслик учун ўзини касалга солди. У тўғри сўзли киши. Отимизни жуда оз баҳога сотиб кўп хафа бўлдик. Тиришқоқ бола хафа бўлмайди. Уй сенга насиб этади. Бугун узлуксиз ишладим. Сени олдингга эртага бормоқчиман. Кун бўйи ҳўкиз билан ер ҳайдадик. Бу катта бало. Унга ҳолимни шикоят қилдим. Сенга бало келди.

37

الْعَنْزَةُ وَ الذِّئْبُ

عَرِيْشٌ. عَنْزَةٌ. مُطَارَدَةٌ. مَرَّ لا يَلْوى عَلَـــى اَحَـــدٍ

كَانَ رَجُلٌ شَـــيْخٌ يُقِيـــمُ فِـــى غَابَـــةٍ فِـــى عَـــرِيْشٍ لَـــهُ. وكَانَ هَذَا الشَّـــيْخُ حَارِسًـــا لِتِلْـــكَ الْغَابَـــةِ. وكَانَ لَهُ عِدَّةٌ مِن الدَّجَاجِ وَ عَنْـــزَةٌ فَفِى ذَاتَ يَـــوْمٍ كَانَـــتِ الْعَنْـــزَةُ تَـــرعَى قُـــرْبَ الْعَـــرِيْشِ وَالـــدَّجَاجُ حَوْلَهُ اذْ خَرَجَ ذِئْبٌ مِنْ وَسَـــطِ الْغَابَـــةِ وَتَوَجَّـــهَ نَحْوَهَـــا. وكَانَ هَذَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الذِّئْبُ لَمْ يَسْمَعْ صِيَاحَ الدِّيْكِ قَطُّ وَفِيْمَا هُوَ مُقْتَرِبٌ اِلَى الْعَرِيْشِ اِذْ صَاحَ الدِّيْكُ صِيَاحًا شَدِيْدًا. فَلَمَّا سَمِعَ الذِّئْبُ صِيَاحَ الدِّيْكِ خَافَ خَوْفًا شَدِيْدًا وَهَرَبَ لاَ يَلْوِي عَلَى شَيْءٍ فَظَنَّتِ الْعَنْزَةُ أَنَّهُ هَرَبَ خَوْفًا مِنْهَا. فَصَارَتْ تَتْبَعُهُ وَتُطَارِدُهُ فَلَمَّا بَعُدَ الذِّئْبُ عَنِ الْعَرِيْشِ قَلِيْلاً رَجَعَ اِلَى الْعَنْزَةِ وَافْتَرَسَهَا. فَمَاتَتِ الْمِسْكِيْنَةُ قَتِيْلَ حُمْقِهَا

37-дарс. Бўри. Айиқ. Тулки. Арслон. Йўлбарс. Кийик. Қуён. Ит қуённи қувди. Тулки товуқни тутди. Бу ўрмонда кўп йиртқичлар бор. Алҳамдулиллаҳ, касалликдан тузалдим. Бу киши қоровулдир. Ҳеч нарсага қарамасдан югурди. Тонг отди. Хўроз қичқирди. Қариялар масжидга кетди. Қоровул пойлоқчилик қилди. Қароқчилар юртга кирди. Бечора хотин вафот этди.

38

اَلدُّرُوسُ

جِدٌّ. رَوْضَةٌ. ثَمَرٌ. اِيْمَاضٌ. اِطِّرَاحٌ. اِغْتِنَامٌ. فَشَلٌ. مُبَادَرَةٌ تَهَجُّأٌ. مَلَلٌ. كِيْسٌ. فَارِغٌ. اِحْرَازٌ. اِلْتِمَاسٌ. اَوَانٌ. ذُلٌّ. هَمٌّ. أَجَلٌ

جِدَّ كُلَّ الْجِدِّ فِى الدَّرْسِ تَنَلْ *** مِنْ رِيَاضِ الْعِلْمِ اَثْمَارَ الأَمَلْ
اِنَّمَا الْوَقْتُ كَبَرْقٍ مُوْمِضٍ *** فَاغْتَنِمْهُ وَ اطَّرِحْ عَنْكَ الْكَسَلْ
لاَ تُضَيِّعْ اَوَّلَ الْعُمْرِ سُدًى *** فَتَرَى آخِرَهُ شَرَّ الْفَشَلْ
فُرْصَةُ التَّحْصِيْلِ لِلتِّلْمِيْذِ فِى *** اَوَّلِ الْعُمْرِ فَبَادِرْ بِالْعَجَلْ
اِقْرَأِ الدَّرْسَ تَهَجَّأْ وَ انْتَهِزْ *** كُلَّ وَقْتِ الدَّرْسِ لاَ تَشْكُو الْمَلَلْ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

أَنْتَ لاَ يُرْضِيْكَ كَيْسٌ فَارِغٌ *** كَيفَ عَقْلٌ فَارِغٌ يا مَنْ عَقَلْ

اِحْرِزِ الْعِلْمَ بِعَقْلٍ ثَابِتٍ*** وَ الْتَمِسْ فِى جَمْعِهِ خَيْرَ الْحِيَلْ

مَا اَوَانُ اللَّهْوِ هٰذَا اِنَّهُ *** وَقْتُ دَرْسٍ وَاجْتِهَادٍ وَعَمَلْ

اِنْ صَرَفْتَ الْوَقْتَ فِي اللَّعْبِ وَلَمْ *** تَنْتَبِهْ لِلدَّرْسِ تُحْقَرْ وَ تُذَلْ

هِمَّكَ اِصْرِفْهُ اِلَى جَائِزَةٍ *** اِنْ تَنَلْهَا تَنَلِ الْفَخْرَ الأَجَلْ

38-дарс. Вақтни ғанимат бил. Ялқовни тарк қил. Сен бўш кимсага рози бўлсанг-да бўш ақлга рози бўлмаслигинг керак. Яшин ялтиради. Вақтни беҳудага кетказдик. Бу вақт иш, дарс вақти эди. Кўп дам олдингиз, ўрнингиздан туринг-да ишни давом эттиринг. Дарсларимиз жуда оғир. Сени ҳеч қачон унутмайман. Бола йиғлади. Муаззин азон айтди.

39

اِصْطَدْتُ دُبًّا

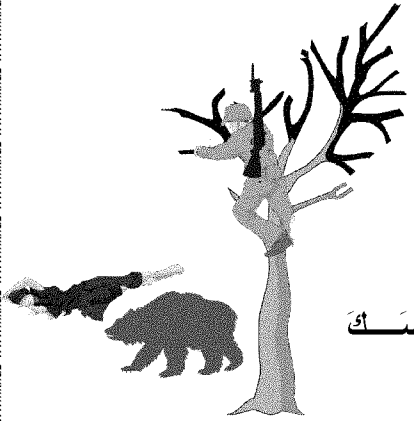

— اِصْطَدْتُ دُبًّا

— جِئْ بِهِ هُنَا

— لاَ يَجِئُ

— اِذَنْ خَلِّ سَبِيْلَهُ وَ جِئْ أَنْتَ نَفْسَكَ

— وَ لَكِنْ هُوَ لاَ يُخَلِّى سَبِيْلِى

39-дарс. Бир деҳқон билан айиқ ўртасида дўстлик бор эди. Икковлари бирлашиб буғдой экишди. Йиғим вақти келганида ҳалиги деҳқон айиққа: «Эй дўст, энди буғдойни бўли-

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

шайлик. Сен қайси томонини хоҳлайсан, устиними ёки остиними?» деди. Айиқ: «Ости тарафини хоҳлайман», деди. Бу билан у деҳқон айиқни алдади. Иккинчи йил икковлари шолғом экишди. Йиғим пайти бўлганида ҳалиги деҳқон айиқ олдига келиб: «Эй биродар, бу йил қайси бирини танлайсан. Устиними ёки остиними?» деди. Айиқ бу гал алданишдан қўрқиб устки томонини ихтиёр қилди. Лекин бу гал ҳам алданди. Бундан кейин айиқ у деҳқон билан бутунлай дўстлик алоқасини узди.

40

اَلْكَلْبَةُ وَ اللَّبُوءَةُ

كَلْبَـــةٌ. تَعْبِيْـــرٌ. لَبُـــوءَةٌ. بَطْنٌ

يُحْكَـــي أَنَّ كَلْبَـــةً عَيَّـــرَتْ لَبُـــوءَةً فَقَالَـــتْ أَنَـــا اَلِـــدُ ثَمَانِيَـــةً فِـــى بَطْنٍ وَاحِـــدٍ وَأَنْـــتَ لاَ تَلِـــدِيْنَ الاَّ وَاحِـــدًا. فَقَالَـــتِ اللَّبُـــوءَةُ الاَّنِّـــى اَلِدُ أَسَدًا وَأَنْـــتِ تَلِـــدِينَ الْكِـــلاَبَ. فَقَلِيلِـــى خَيْـــرٌ مِـــنْ كَثِـــيرِك

40-дарс. От. Ит. Мушук. Эшак. Ҳўкиз. Эчки. Така. Ҳўроз. Товуқ. Товуқ тухум қилди. Ҳўроз жуда қаттиқ қичқирди. Ҳўкиз билан ер сурдик. Мушук миёвлади. Ит вовиллади. Эчки карамни еди. Ит баъзи вақтларда бир қориндан саккизта бола туғади. Камбағални уялтирма. Киссамда ўн сўм пул бор. Уйқудан уйғондим. Сувда сузишади. Унинг ялқовлиги учун танбеҳ бердим. Ёз фаслини ўйин-кулгида ўтказдик. Қуш сайради. Халқнинг сўзига алданма! Пешин вақти ўтди. Оқшом вақти кирди. У кичик кўнгилли хотин.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

41

اَلْيَرَاعَةُ وَ الْقِرَدَةُ وَ الطَّائِرُ

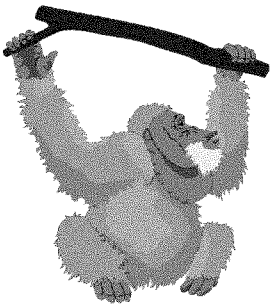

قِـرْدٌ. رِيْـحٌ. يَرَاعَـةٌ. شَـرَارَةٌ
حَطَبٌ. نَفْـخٌ. تَـرَوُّحٌ. اِيقَـادٌ
تَدَفِّئَـةٌ. نِـدَاءٌ. تَبْيِيْـنٌ
اِسْـتِقَامَةٌ. تَقْـوِيْمٌ. عُودٌ
اِنْحِنَـاءٌ. قَـوْسٌ. اِبَـاءٌ

كَانَ جَمَاعَةٌ مِنَ الْقِـرَدَةِ يَسْـكُنُونَ فِـى جَبَـلٍ فَبَحَثُـوا فِـى لَيْلَـةٍ بَارِدَةٍ ذَاتَ رِيَاحٍ وَاَمْطَـارٍ عَـنْ نَـارٍ فَلَـمْ يَجِـدُوا. فَرَأَوا يَرَاعَـةً تَطِيرُ كَأَنَّهَا شَـرَارَةُ نَـارٍ فَظَنُّوهَـا نَـارًا. فَجَمَعُـوا حَطَبًـا كَثِـيرًا وَ الْقَـوْهُ عَلَيْهَـا. وَجَعَلُـوا يَنْفُخُـونَ بِـأَفْوَاهِهِمْ وَيَتَـرَوَّحُونَ بِأَيْدِيهِمْ طَمَعًـا فِـى أَنْ يُوقِـدُوا نَـارًا تُـدَفِّئُهُمْ مِـنَ الْبَـرْدِ. وَكَانَ قَرِيبًا مِنْهُـمْ طَـائِرٌ عَلَـى شَـجَرَةٍ يَنْظُـرُ مَـا يَصْـنَعُونَ. فَجَعَـلَ يُنَـادِيهِمْ وَ يَقُـولُ لاَ تَتْعَبُـوا فَـإِنَّ الَّـذِى رَأَيْتُمُـوهُ لَيْـسَ بِنَـارٍ. فَلَمَّا لَمْ يَسْـمَعُوا قَوْلَـهُ عَـزَمَ عَلَـى الْقُـرْبِ مِنْهُـمْ لِيُبَيِّـنَ لَهُم خَطَأَهُمْ. فَمَرَّ بِهِ رَجُلٌ فَعَـرَفَ مَـا عَـزَمَ عَلَيْـهِ. فَقَـالَ لَـهُ لاَ تَطْلُـبْ تَقْـوِيمَ مَـا لاَ يَسْـتَقِيمُ فَـإِنَّ الْعُـودَ الَّـذِى لاَ يَنْحَنِـى لاَ يُعْمَلُ مِنْـهُ الْقَـوْسُ. فَـأَبَى الطَّـائِرُ أَنْ يَطِيْـرَ وَاقْتَـرَبَ اِلَـى الْقِـرَدَةِ لِيُعَـرِّفَهُمْ اَنَّ الْيَرَاعَـةَ لَيْسَـتْ بِنَـارٍ. فَتَنَاوَلَـهُ بَعْـضُ الْقِـرَدَةِ وَضَـرَبَ بِـهِ الأَرْضَ فَمَـاتَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

41-дарс. Камон ясадик. Озроқ букилди. Бу тўғри йўлдир. Муҳаммадни чақир. Ўчоққа ўтин сол. Лампани қўйинг. Ўрмонга боришни ният қилдим. Дўстингни изла. Тошкентдаги ҳайвонот боғида турли ҳайвонларни кўрдим. Улар бўрилар, айиқлар, тулкилар, филлар, маймунлар ва бошқа ҳайвонлардир.

42

اَلْفَأْرُ

ظَلاَمٌ. اِحْتِشَـامٌ. يَـابِسٌ. حِرْمَانٌ. نَفِيْـسٌ. زُبْدَةٌ. حَلِيْـبٌ. سَمْنٌ. مُغَادَرَةٌ

اَلْفَأْرُ لاَ يَخْرُجُ فِـى النَّهَـارِ *** بَلْ يَخْتَبِى فِـى دَاخِـلِ الأَحْجَـارِ

لَكِنَّـهُ اِذَا اَتَـى الظَّـلاَمُ *** وَكَـانَ أَهْـلُ الْبَيْـتِ فِيْـهِ نَـامُوا

يَسْـرَحُ فِـى الْبَيْـتِ بِـلاَ احْتِشَـامِ *** يَأْكُلُ مَاشَاءَ مِنَ الطَّعَـامِ

فَتَـارَةً يَأْكُـلُ خُبْـزًا يَابِسًـا *** وَتَـارَةً يَحْرِمُنَـا النَّفَائِسَـا

مِنْ لَحْمَـةٍ اَوْ زُبْـدَةٍ اَوْجُبْـنِ *** اَوْ مِنْ حَلِيْـبٍ طَيِّـبٍ اَوْسَـمْنِ

ثُمَّ اِذَا اَحَسَّ بِالْهِرِّ ظَهَرْ *** غَادَرَ طِيْبَ الْعَيْشِ فِـى الْبَيْـتِ وَفَـرّ

يَلْتَمِـسُ النَّجَـاةَ وَ السَّـلاَمَهْ *** مِنْ دُونِ اَنْ تَأْخُـذَهُ نَدَامَـهْ

42-дарс. Қаймоқни жуда яхши кўраман. Онам беш қадоқ пишлоқ сотиб олди. Узоқ вақт яшади. Бу нон қотган. Хонада яшириндим. Баъзи вақтда ўқийман. Бир соат ухладим. Хоҳлаганингни егин ва хоҳлаганингни ич! Хоҳлаган вақтда ётамиз, хоҳлаган вақтда турамиз. Аллоҳдан саломатлик сўраймиз. Бухоро шаҳрини тарк қилдик.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

43



اَلذُّبَابَةُ وَ الثَّوْرُ

تَثْقِيْـــلٌ. ثَقُلَ عَلَيْـــهِ. اِعْلاَمٌ. شُعُورٌ

ذُبَابَةٌ وَقَعَتْ عَلَى قَـــرْنِ ثَـــوْرٍ. وَ ظَنَّتْ اَنَّهَا ثَقَلَـــتْ عَلَيْـــهِ. فَقَالَـــتْ لَهُ اِنْ كُنْتُ قَدْ ثَقَّلْـــتُ عَلَيْـــكَ فَـــأَعْلِمْنِى حَتَّـــى اَطِيْـــرَ عَنْـــكَ. فَقَـــالَ لَهَا الثَّوْرُ يَـــا هَـــذِهِ مَـــا شَـــعَرْتُ بِنُزُوْلِـــكِ حَتَّـــى يُـــرِيْحَنِى فِرَاقُـــكِ

43-дарс. Чумоли. Пашша. Чивин. Бурга. Бит. Чигиртка. Бугун оз ухладим. Чивинлар тез кўпаяди. Бит, бурга, чивин инсонга азият берадиган ҳашаротлардир. Суварак жуда ялқовдир. Чумоли жуда ҳаракатчандир. Бу пашша катта, буниси эса кичкинадир. Бу оғир ва бу енгилдир. Бизнинг олдимизга қачон келишингни менга билдир. Уни ботир деб биламан.

44



اَلثَّعْلَبُ

دَهَاءٌ. اِمْتِصَـــاصٌ. قَصَـــبُ السُّـــكَّرِ

بَلْدَةُ كَـــذَا. اِغْنَاءٌ قَطْـــرَةٌ. مِشْمِشٌ

بُسْـــتَانٌ. شَرَهٌ هَرْوَلَـــةٌ. غَرِيْبٌ سَـــلْخٌ عَـــرْضٌ

اَلثَّعْلَـــبُ اَكْثَـــرُ الْحَيْوَانَـــاتِ احْتِيَـــالاً وَدَهَـــاءً. وَالإِنْسَـــانُ يَنْسُـــبُ اِلَيْـــهِ حِيَـــلاً كَثِـــيرًا غَيْـــرَ صَـــحِيْحَةٍ. مِنْهَـــا أَنَّ ثَعْلَبَيْـــنِ الْتَقَيَـــا فِى مَكَانٍ فَسَأَلَ أَحَدُهُمَا الآخَـــرَ عَـــنْ مَحَـــلِّ اِقَامَتِـــهِ. فَأَجَابَـــهُ اَنَّـــهُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

يَسْكُنُ فِـى سَـاحِلِ نَهْـرٍ حَيْـثُ يَمْتَـصُّ قَصَـبَ السُّـكَّرِ. فَقَـالَ الآخَرُ تَعَالَ مَعِىَ اِلَى بَلْدَةٍ كَذَا حَيْـثُ اُغْنِيْـكَ عَـنْ مَـصِّ الْقَصَـبِ الَّـذِى لاَ تَنَـالُ مِنْـهُ قَطْـرَةً الاَّ بَعْـدَ الْمَشَـقَّةِ الشَّـدِيْدَةِ. فَتَـرَى فِيْهَا الْمِشْمِشَ الْوَانًا وَغَيْرَهُ مِـنَ الثِّمَـارِ اللَّذِيْـذَةِ. فَتَبِعَـهُ حَتَّـى اِذَا بَلَغَـا تِلْـكَ الْبَلْـدَةَ دَخَـلاَ بُسْـتَانًا كَثِيْـرَ الأَشْـجَارِ. وَفِيْهِ مِـنَ الْمِشْمِشِ شَـيْءٌ كَثِيْـرٌ. فَأَخَـذَ يَـأْكُلاَنِ بِشَـرَهٍ شَـدِيْدٍ. فَـأَحَسَّ بِهِمَا الْبُسْتَانِىُّ وَهَرْوَلَ نَحْوَهُمَـا بِعَصَـاهُ. فَفَـرَّ الأَوَّلُ. أَمَّا الثَّعْلَـبُ الآخَرُ فَلِكَوْنِهِ غَرِيْبَ الدَّارِ هُنَاكَ لَمْ يَسْـتَطِعْ عَلَـى الْفِـرَارِ فَقَبَـضَ الْبُسْـتَانِىُّ عَلَيْـهِ ثُـمَّ نَـادَاهُ رَفِيْقُـهُ مِـنْ بَعِيْـدٍ اَيْـنَ الْمُلْتَقَى؟فَأَجَابَهُ صَـبَاحًا فِـى سُـوقِ الْفِـرَاءِ. يَعْنِـى اَنَّـهُ سَـيُذْبَحُ وَ يُسْـلَخُ قَبْـلَ الصَّـبَاحِ وَيُعْـرَضُ جِلْـدُهُ لِلْبَيْـعِ فِـى السُّـوقِ

44-дарс. Боғбон ўғрини тутди. Отнинг териси сотилди. Ўрикни яхши кўраман. У жуда ёмон киши. Фалон шаҳарда учрашдик. Бизнинг полизда тарвуз, қовун, карам, шолғом, сабзи, пиёз ва бошқа сабзавотлар бор. Шакар қамишни сўрдим. Сенинг турадиган жойинг қаерда? Ялқовлигимдан кўп афсусландим.

45

الأَسَدُ وَ الْمُسَافِرُ

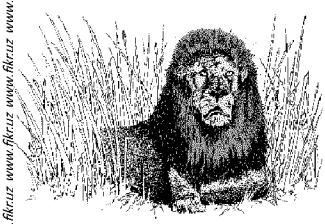

اِبْطَـاءٌ. وُثُـوبٌ. صَـخْرٌ شَـاهِقٌ هُـوَّةٌ. دَبِيْـبٌ. حَافَّـةٌ. ضِـرْسٌ غُصْـنٌ. نَصْـبٌ. قُـدُومٌ. نُفُـورٌ تَحَطُّـمٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

كَانَ رَجُلٌ مُسَافِرًا فِي النَّوَاحِي الْجَنُوبِيَّةِ مِنْ افْرِيْقِيَّةَ فَوَصَلَ فِي سَفَرِهِ اِلَى صَحْرَاءَ وَاسِعَةٍ. فَرَأَى فِيْهَا اَسَدًا عَنْ بُعْدٍ. وَاتَّفَقَ أَنَّ الأَسَدَ رَآهُ اَيْضًا وَجَعَلَ يَتْبَعُهُ. وَكَانَ اِذَا أَسْرَعَ الْمُسَافِرُ يُسْرِعُ اِذَا اَبْطَأَ يُبْطِيءُ وَ اِذَا وَقَفَ يَقِفُ. فَفَهِمَ أَنَّ الأَسَدَ يَتْبَعُهُ عَنْ بُعْدٍ حَتَّى اِذَا اَتَى الظَّلاَمُ يَثِبُ عَلَيْهِ وَيَفْتَرِسُهُ. وَ لَمْ يَكُنِ الْمُسَافِرُ يَقْدِرُ أَنْ يَفِرَّ مِنْ وَجْهِهِ لأَنَّ الأَسَدَ اَشَدُّ مِنْهُ سُرْعَةً. فَفَكَّرَ فِي أَنْ يَحْتَالَ لَهُ حِيْلَةً يُهْلِكُهُ وَ يَتَخَلَّصُ مِنْهُ. فَجَاءَ اِلَى صَخْرٍ شَاهِقٍ تَحْتَهُ هُوَّةٌ عَمِيْقَةٌ وَدَبَّ عَلَى يَدَيْهِ وَرِجْلَيْهِ وَاخْتَبَأَ عِنْدَ حَافَّتِهِ وَرَاءَ ضِرْسٍ مِنْهُ. وَرَأَى هُنَاكَ فِي بَعْضِ شُقُوقِ الصَّخْرِ غُصْنَ شَجَرَةٍ يَابِسًا فَنَصَبَهُ وَجَعَلَ عَلَيْهِ جُبَّتَهُ وَطُرْبُوشَهُ عَلَى هَيْئَةِ رَجُلٍ وَلَمَّا فَرَغَ مِنْ ذَلِكَ رَأَى أَنَّ الأَسَدَ قَادِمٌ اِلَيْهِ يَسِيْرُ سَيْرَ الْخَائِفِ عَلَى فَرِيْسَتِهِ أَنْ تَنْفِرَ مِنْهُ. وَحِيْنَ دَنَا مِنَ الْجُبَّةِ وَالطُّرْبُوشِ وَثَبَ عَلَيْهِمَا فَسَقَطَ اِلَى اَسْفَلِ الْهُوَّةِ فَتَحَطَّمَ وَمَاتَ

45-дарс. Тошкент шаҳрига сафар қилдик. Жуда кенг саҳрода бўлдик. Жуда кечикдик. Бурга сакради. Бола ўрмалаб юрди. Сени йироқдан кўрдим. Мен ҳаракатчанман. Сен эса мендан-да ҳаракатчансан. Мусофир ўз шаҳрига қайтди. Сендан қочмадик. Сен мени ҳалок этдинг. Жуда қаттиқ машаққатдан кейин оғирликдан қутулдим. Дарсни тугатишди. Чуқурга йиқилдим.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

46

النَّاسِكُ

اِمْتِلاءٌ. اِسْتِلْقَاءٌ. عُكَّازَةٌ. غَلاَءٌ. حَبَلٌ. اِسْتِئْجَارٌ. اَكَّارٌ فَاخِرٌ. نَجِيْبٌ. تَرَعْرُعٌ تَشْدِيْدٌ

يُحْكَى اَنَّ نَاسِكًا كَانَ يُرْسِلُ اِلَيْهِ أَحَدُ التُّجَّارِ كُلَّ يَوْمٍ رَطْلَيْنِ مِنَ الْعَسَلِ. فَكَانَ النَّاسِكُ يَأْكُلُ مِنْهُ حَاجَتَهُ وَيَضَعُ الْبَاقِى فِى جَرَّةٍ وَ يُعَلِّقُهَا فِى وَتِدٍ فِى نَاحِيَةِ الْبَيْتِ وَلَمْ يَمْضِ عَلَى ذَلِكَ شَهْرٌ حَتَّى امْتَلأَتِ الْجَرَّةُ فَبَيْنَمَا هُوَ ذَاتَ يَوْمٍ مُسْتَلْقٍ عَلَى ظَهْرِهِ وَ الْعُكَّازَةُ فِى يَدِهِ اِذْ تَفَكَّرَ فِى غَلاءِ الْعَسَلِ. فَقَالَ سَأَبِيْعُ مَا فِى هَذِهِ الْجَرَّةِ بِدِيْنَارٍ وَاَشْتَرِى بِهِ عَنْزَتَيْنِ فَتَحْبَلاَنِ وَ تَلِدَانِ فِى كُلِّ خَمْسَةِ اَشْهُرٍ مَرَّةً وَلاَ تَمْضِى اِلاَّ عِدَّةُ سَنَوَاتٍ حَتَّى تَصِيْرَ الْعَنْزَتَانِ مَعْزًا كَثِيْرًا. فَأَبِيْعُ بَعْضَ الْمَعْزِ وَ اَشْتَرِى بِثَمَنِهِ بَقَرًا وَ اَشْتَرِى اَرْضًا وَ بَذْرًا وَ اَسْتَأْجِرُ اَكَرَةً وَ اَزْرَعُ عَلَى الثِّيْرَانِ وَاَنْتَفِعُ بِأَلْبَانِ الإِنَاثِ وَأَوْلاَدِهَا. فَلاَ يَأْتِي عَلَيَّ خَمْسُ سِنِيْنَ اِلاَّ وَ أَصِيْبُ مِنَ الزَّرْعِ مَالاً كَثِيْرًا. فَأَبْنِى بَيْتًا فَاخِرًا وَاَشْتَرِى اَفْرَاسًا نَجِيْبَةً وَاَسْتَأْجِرُ خَادِمًا وَخَادِمَةً وَاَتَزَوَّجُ امْرَأَةً صَالِحَةً جَمِيْلَةً. فَتَحْمِلُ ثُمَّ تَأْتِى بِغُلاَمٍ نَجِيْبٍ فَأَخْتَارُ لَهُ أَحْسَنَ الأَسْمَاءِ. فَاِذَا تَرَعْرَعَ اَدَّبْتُهُ وَاَحْسَنْتُ تَأْدِيْبَهُ وَاُشَدِّدُ عَلَيْهِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

فِى ذٰلِكَ. فَإِنْ اَطَاعَنِى وَالاَّ ضَرَبْتُهُ بِهٰذِهِ الْعُكَّازَةِ. وَ اَشَارَ بِيَدِهِ اِلَى الْجَرَّةِ فَكَسَرَهَا. فَسَالَ مَا فِيْهَا اِلَى وَجْهِهِ.

46-дарс. Қалам синди. Қаламни синдирдинг. Кўлмак тўлди. Сўфи чалқанча ётди. Бу отдан бирор марта фойдаланмадингиз. Дўстим Алини беш йилдан бери кўрганим йўқ. Мен хонада дарс ўқиётганда дўстим Аҳмад кириб келди. Эллик сўм маошга бир ишчини ёлладик.

47

اَلثَّعْلَبُ وَ مَكْرُهُ

مَائِدَةٌ. خُوَانٌ. لِيْفٌ. تَهْيِئَةٌ

قَالَ بَعْضُهُمْ كُنَّا فِى سَفَرٍ فِى أَرْضِ الْيَمَنِ. فَوَضَعْنَا الْمَائِدَةَ لِنَتَعَشَّى. وَحَضَرَتْ صَلَاةُ الْمَغْرِبِ. فَقُمْنَا لِكَىْ نُصَلِّىَ ثُمَّ نَتَعَشَّى. وَتَرَكْنَا الْمَائِدَةَ كَمَا هِىَ. وَكَانَتْ فِيْهَا دَجَاجَتَانِ. فَجَاءَ ثَعْلَبٌ وَأَخَذَ اِحْدَاهُمَا. فَلَمَّا صَلَّيْنَا اَسِفْنَا عَلَيْهَا. فَبَيْنَمَا نَحْنُ كَذٰلِكَ اِذْ جَاءَ الثَّعْلَبُ عَلَى مَقْرُبَةٍ مِنَّا وَفِى فَمِهِ شَيْءٌ كَأَنَّهُ الدَّجَاجَةُ فَوَضَعَهُ. فَبَادَرْنَا اِلَيْهِ وَنَحْنُ نَحْسَبُهُ الدَّجَاجَةَ فَجَاءَ اِلَى الْأُخْرَى وَأَخَذَهَا مِنْ فَوْقِ الْخُوَانِ. وَأَخَذْنَا الَّذِى قُمْنَا لِنَأْخُذَهُ فَاِذَا هُوَ لِيْفٌ قَدْ هَيَّأَهُ مِثْلَ الدَّجَاجَةِ. فَرَجَعْنَا وَ قَدْ خَسِرْنَا الدَّجَاجَتَيْنِ بِسَبَبِ مَكْرِهِ

47-дарс. Бу қатиқ эскидир. Ҳар вақт намоз ўқи. Фарид рўза тутди. Камбағалларга ёрдам қил. Мискинларга овқат бер. Уни

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

от деб гумон қилибман, ҳолбуки у эшак экан. Намозга шошил. Болалар, овқатга келинглар. Ош дастурхонга қўйилди. Аллоҳга итоат қилинглар. Ҳўкиз сўйдик. Бир томчи сув чанқаган кишига жуда қимматлидир.

48

مُصَاحَبَةُ الأَشْرَارِ

نُمُوٌّ. حَبٌّ. مُوَاظَبَةٌ. اتْلاَفٌ. سُنْبُلَةٌ. اِيْقَاعٌ. شَرٌّ

يُحْكَى أَنَّ فَلاَّحًا زَرَعَ فِى أَرْضِهِ قَمْحًا. فَنَبَتَ الزَّرْعُ وَ نَمَا حَتَّى ظَهَرَ فِيْهِ الْحَبُّ. وَ كَانَتِ الْغِرْبَانُ مُوَاظِبَةً عَلَى الأَكْلِ مِنْهُ كُلَّ يَوْمٍ حَتَّى اتْلَفَتْ سَنَابِلَ الْقَمْحِ. فَلَمَّا رَأَى الْفَلاَّحُ ذَلِكَ عَزَمَ عَلَى قَتْلِهَا. وَكَانَتْ عِنْدَهُ بَبْغَاءُ تُخَالِطُ هَذِهِ الطُّيُورَ. فَخَرَجَتْ ذَاتَ يَوْمٍ عَلَى حَسَبِ عَادَتِهَا لِمُرَافَقَةِ هَؤُلاَءِ الْغِرْبَانِ بِدُونِ أَنْ يَعْلَمَ صَاحِبُهَا بِذَلِكَ. وَ قَدْ اتَّفَقَ اَنَّ هَذَا هُوَ الْيَوْمُ الَّذِى اسْتَعَدَّ فِيْهِ الْفَلاَّحُ لِقَتْلِ الْغِرْبَانِ لِيَسْلَمَ مِنْ شَرِّهَا. فَأَخَذَ بُنْدُقِيَّتَهُ وَرَمَى الْغِرْبَانَ. فَسَقَطَ مِنْهَا ثَلاَثَةٌ عَلَى الأَرْضِ مَيْتَةً وَ انْكَسَرَتْ رِجْلُ الْبَبْغَاءِ فَلَمَّا رَأَى الْفَلاَّحُ الْبَبْغَاءَ مَطْرُوحَةً عَلَى الأَرْضِ مَكْسُورَةَ الرِّجْلِ اسْتَغْرَبَ ذَلِكَ لأَنَّهُ مَا كَانَ يَعْلَمُ بِوُجُودِهَا مَعَ الْغِرْبَانِ ثُمَّ قَالَ لَهَا اِنَّ ذَلِكَ مَا حَصَلَ لَكِ اِلاَّ مِنْ مُصَاحَبَةِ الأَشْرَارِ وَبَعْدَ ذَلِكَ حَمَلَهَا اِلَى الْبَيْتِ عَلَى تِلْكَ الْحَالِ. فَلَمَّا رَأَى

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَوْلاَدُ الْفَلاَّحِ الْبَبْغَاءَ اِسْتَفُوا عَلَيْهَا كَثِيْرًا وَسَأَلُوا أَبَاهُمْ عَنْ سَبَبِ مَا حَصَلَ لَهَا. فَأَجَابَ أَبُوهُمْ أَنَّ مُصَاحَبَةَ الْغِرْبَانِ الأَشْرَارِ هِيَ الَّتِى اَوْقَعَتْهَا فِى هَذِهِ الْمُصِيْبَةِ. ثُمَّ اِنَّ الْبَبْغَاءَ شُفِيَتْ بَعْدَ ذَلِكَ مِنْ مَرَضِهَا وَ صَارَتْ تَقُولُ دَائِمًا لأَوْلاَدِ الْفَلاَّحِ (لاَ تُصَاحِبُوا الأَشْرَارَ. لاَ تُصَاحِبُوا الأَشْرَارَ)

48-дарс. Ерни ҳайдадик-да буғдой сепдик. Буғдой ўсиб бошоқ чиқарди. Ўрим вақти бўлганида бордик-да уни ўриб олдик. Қарғанинг оёғи синди. Ёвузлар билан бирга бўлишинг дуруст эмас. Нимага йиғлаяпсан, сенга нима бўлди? Алҳамдулиллаҳ, отам беморликдан тузалди. Ундан айрилганим учун кўп қайғурдим. Кўп афсусландим. Улар билан бирга эканингни билмаган эдим. Сени ҳалокатга кетган, дейишди.

49

مَنْ عَلَّمَ؟

شَيْدٌ. جَنْىٌ. كَلَلٌ. تِلاَوَةٌ. لَحْنٌ. خَزْنٌ. وَكْرٌ

مَنْ عَلَّمَ الْعُصْفُورَ اَنْ *** يَبْنِىَ عُشًّا فِى الشَّجَرِ
كَقَصْرِ مَلْكٍ شَادَهُ *** وَ لَمْ يَضَعْ فِيْهِ حَجَرْ
مَنْ عَلَّمَ النَّحْلَةَ اَنْ *** تَجْنِى مِنَ الزَّهْرِ الْعَسَلْ
قُوتًا لأَيَّامِ الشِّتَا *** تَجْمَعُهُ بِلاَ كَلَلْ
مَنْ عَلَّمَ الْبُلْبُلَ اَنْ *** يَتْلُو اَطَايِبَ الْغِنَا
يُطْرِبُ كُلَّ خَاطِرٍ *** بِكُلِّ لَحْنٍ حَسُنَا

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اِمْ مَـنْ هَـدَى النَمْلَـةَ اِنَّ *** تَجْمَـعَ فِـى الصَّـيْفِ الطَّعَـامْ

تَخْزِنُـهُ فِـى وَكْرِهَـا *** لِحِيْنِـهِ عَلَـى اِنْتِظَـامْ

اللهُ قَـدْ عَلَّمَهَـا *** ذَاكَ وَ اَعْطَهَـا الْهُـدَى

وَهُـوَ لِكُـلِّ مُرْشِـدٌ *** لِكُـلِّ خَيْـرٍ اَبَـدَا

كَـذَاكَ يُعْطِـى خَيْـرَهُ *** لِكُـلِّ مَـنْ مِنْـهُ يَسَـلْ

فَاطْلُـبْ اِلَيْـهِ اَمَـلاً *** مَـا خَـابَ مَـنْ لَـهُ اَمَـلْ

49-дарс. Асалари гуллардан шира олади. Булбул чиройли овози билан бизни хурсанд қилди. Унга бир йиллик озуқа бердим. Қуръондаги бир сурани ўқидим. Унга яхши шеърлар ўқитдим. Кун қоронғулашди. У жуда роҳатда. Китобларни сумкага сол-да бироз дам ол. Чумолидан ишлашни ўрган. У мендан тўрт ёш каттадир. Бувимдан хат олдим.

50

اَلْعَنْزَةُ وَ الدُّبُّ

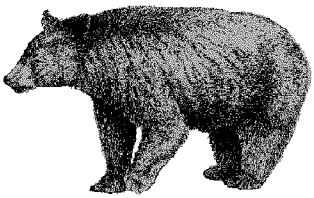

ثُقْـبٌ. صَـبْغٌ. جَدْىٌ. كَرْبٌ. خِدَاعٌ

خَرَجَتْ ذَاتَ يَوْمٍ عَنْـزَةٌ لِتُحْضِـرَ لأَوْلاَدِهَـا الصِّـغَارِ شَـيْئًا يَسُـدُّ جُوعَهُمْ. وَلِخَوْفِهَـا عَلَيْهِـمْ مِـنَ الـدُّبِّ اَوْصَـتْهُمْ اَنْ لا يَفْتَحُـوا الْبَـابَ اِلاَّ عِنْـدَ عَوْدَتِهَـا. فَبَعْـدَ خُرُوجِهَـا بِقَلِيْـلٍ اَتَـى الـدُّبُّ وَدَقَّ الْبَـابَ. فَقَالُوا مَنْ اَنْتَ؟ قَـالَ اَنَـا عَمُّكُـمْ الْخَـرُوفُ اَتَيْـتُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

لِزِيَـــارَتِكُمْ. فَقَـــالُوا لاَ. نَحْـــنُ لاَ نَفْتَـــحُ اِلاَّ لأُمِّنَـــا. فَذَهَبَ الـــدُّبُّ ثُمَّ رَجَعَ وَ دَقَّ الْبَابَ فَسَـــأَلُوهُ مَـــنْ اَنْـــتَ؟ قَـــالَ الـــدُّبُّ اَنَـــا اُمُّكُـــمْ فَـــاقْتَرَبُوا جَمِيْعًـــا مِـــنَ الْبَـــابِ وَنَظَـــرُوا مِـــنْ ثُقُوبِـــهِ فَأَبْصَـــرُوا اَرْجُلَـــهُ السَّـــوْدَاءَ فَقَـــالُوا لاَ نَفْتَـــحُ لأَنَّ اَرْجُلَـــكَ سَـــوْدَاءُ وَاَرْجُـــلُ اُمِّنَـــا بَيْضَـــاءُ. فَلَمَّا سَمِعَ الدُّبُّ ذَلِـــكَ ذَهَـــبَ حَـــالاً وَصَـــبَغَ اَرْجُلَـــهُ بِلَـــوْنٍ اَبْيَـــضَ. ثُمَّ عَادَ اِلَى الْبَابِ وَدَقَّـــهُ وَقَـــالَ اَنَـــا اُمُّكُـــمْ. فَلَمَّـــا اَبْصَـــرُوا بَيَـــاضَ اَرْجُلِـــهِ تَحَقَّقُـــوا اَنَّ اُمَّهُـــمْ بِالْبَـــابِ وَفَتَحُـــوا فَدَخَلَ الـــدُّبُّ مُسْـــرِعًا وَافْتَرَسَـــهُمْ اِلاَّ وَاحِـــدًا كَـــانَ اِخْتَفَـــى. فَلَمَّـــا عَادَتْ اُمُّهُمْ لَمْ تَجِدْ اِلاَّ الْجَدْىَ الْبَـــاقِىَ مِـــنْ اَوْلاَدِهَـــا. وَلَمَّـــا سَـــأَلَتْهُ عَنِ السَّبَبِ اَخْبَرَهَا بِمَـــا جَـــرَى فَاشْـــتَدَّ كَرْبُهَـــا وَ بَكَـــتْ وَحَزِنَـــتْ حُزْنًا شَـــدِيْدًا. وَقَالَتْ يَـــا وَلَـــدِى اِنَّ هَـــذَا كُلَّـــهُ نَتِيْجَـــةُ تَسَـــاهُلِكُمْ وَعَدَمُ تَـــأَمُّلِكُمْ فِـــى الأُمُـــورِ. لأَنَّ اَجْـــوِبَتَكُمْ هِـــىَ الَّتِـــى اَرْشَـــدَتْ عَدُوَّكُمْ اِلَى كُلِّ مَا عَمِلَـــهُ مِـــنَ الْحِيَـــلِ وَفَتَحَـــتْ لَـــهُ بَـــابَ الْخِـــدَاعِ فَسَـــهُلَ عَلَيْـــهِ اِفْتِـــرَاسُ اِخْوَتِـــكَ

50-дарс. Эшик ёриғидан қарадим. Сизни зиёрат қилиш учун келдим. Онам менга ёвуз болалар билан ўйнамаслигимни тавсия қилди. Шунинг учун мен ҳар вақт одобли болалар билангина ўйнайман. Менга ош ҳозирлагин. Менга эшикни очинглар. Уйимизни яшил бўёқ билан бўядик. Дўстим вафот этди, унга кўп қайғурдим. Бу сенинг ишинг натижасидир. Душманлардан сақлан.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

51

اللِّصَّانِ والْحِمَارُ

مُضِيٌّ مُقابَلَةٌ. صَحْفَةٌ. اِعْجَابٌ. اِيَابٌ. زُقَاقٌ. رِبْحٌ

يُحْكَى أَنَّ لِصَّيْنِ سَرَقَا حِمَارًا وَمَضَى أَحَدُهُمَا لِيَبِيْعَهُ فَقَابَلَهُ رَجُلٌ مَعَهُ صَحْفَةٌ فِيْهَا سَمَكٌ. فَقَالَ لَهُ اَتَبِيْعُ هَذَا الْحِمَارَ؟ قَالَ نَعَمْ. قَالَ لَهُ اَمْسِكْ هَذِهِ الصَّحْفَةَ حَتَّى اَرْكَبَهُ وَاُجَرِّبَهُ فَإِنْ اَعْجَبَنِى اِشْتَرَيْتُهُ. فَأَمْسَكَ اللِّصُّ الصَّحْفَةَ وَرَكِبَ الرَّجُلُ الْحِمَارَ. وَأَخَذَ يُجْرِيْهِ ذَهَابًا وَاِيَابًا حَتَّى اِبْتَعَدَ عَنِ اللِّصِّ كَثِيْرًا. فَدَخَلَ بَعْضَ الأَزِقَّةِ وَمَا زَالَ يَقْطَعُ بِهِ مِنْ زُقَاقٍ اِلَى آخَرَ حَتَّى اخْتَفَى عَنْهُ. فَأَخَذَتِ اللِّصّ الْحَيْرَةُ مِنْ ذَلِكَ وَعَرَفَ اَخِيْرًا اَنَّهَا حِيْلَةٌ عَلَيْهِ. فَرَجَعَ بِالصَّحْفَةِ فَالْتَقَاهُ رَفِيْقُهُ فَقَالَ مَا فَعَلْتَ بِالْحِمَارِ هَلْ بِعْتَهُ؟ قَالَ نَعَمْ. فَقَالَ بِكَمْ بِعْتَهُ؟ قَالَ بِرَأْسِ مَالِهِ وَ هَذِهِ الصَّحْفَةَ رِبْحٌ

51-дарс. Жуда кўп мол фойда қилдик. Дўстим Абдуллоҳга кичик кўчада йўлиқдим. Бир товоқ ош едик. Бу отингни қанчага сотасан? Олтмиш беш сўмга сотаман. Жуда қиммат экан. Эллик сўмга берсанг, оламан. Йўқ, эллик сўмга бера олмайман. Хоҳласанг олтмиш сўмга ол, хоҳламасанг, олма! Мен бундан бор-йўғи беш сўм фойда қиламан. Қарғаларни тутдик. Беш кун ўтди, лекин қайтгани йўқ.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

52

الذِّئْبُ

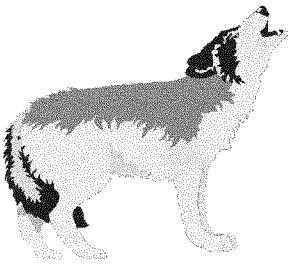

وِجَارٌ. بَرِّيَّـــةٌ. حَاسَّـــةٌ. شَـــمٌّ
فَرْسَـــخٌ. عَوْدٌ. انْفِـــرَادٌ. عَوَاءٌ
جَرٌ. اِسْـــــتِئْنَافٌ. وَ لَيْـــسَ لَـــهُ
قُـــوَّةٌ تُـــذْكَرُ

الـذِّئْبُ مِـنْ اَشْـرَسِ السِّـبَاعِ خُلُقًـا وَ اَشَـدِّهَا خِيَانَـةً وَاَضَـرِّهَا لِلنَّـاسِ. وَ هُوَ اَكْبَرُ مِنَ الْكَلْـبِ وَاَشْـبَهُ الْحَيْوَانَـاتِ بِـهِ. وَيَتَّخِـذُ وِجَارَهُ فِـى الْغَابَـاتِ الْبَعِيْـدَةِ عَـنْ مَسَـاكِنِ النَّـاسِ. وَيَعِيْـشُ أَيَّـامَ الصَّـيْفِ عَلَـى الأَرَانِـبِ وَالْعَصَـافِيْرِ وَغَيْرِهِمَـا مِـنَ الْحَيْوَانَـاتِ الصَّـغِيْرَةِ. وَأَمَّا فِى الشِّـتَاءِ فَيَخْـرُجُ مِـنَ الْغَابَـاتِ فَيَطُوفُ فِـى الْبَـرَارِىِّ جَمَاعَـاتٍ فِـى طَلَـبِ الْفَرِيْسَـةِ. وَلَيْـسَ لَـهُ قُـوَّةٌ تُـذْكَرُ وَلَكِنَّـهُ لاَ يَعْـرِفُ الْخَـوْفَ. فَـإِذَا اشْـتَدَّ عَلَيْـهِ الْجُـوعُ يَـزْدَادُ شَرَاسَـةً فَيَقْصُـدُ الْقُـرَى وَيَهْجُـمُ عَلَـى الْغَنَـمِ وَالْبَقَـرِ وَالْخَيْـلِ. وَأَكْثَرُ مَـا يَهْجُـمُ عَلَيْهَـا فِـى الصُّـبْحِ حِيْـنَ يَنَـامُ الْكِـلاَبُ. وَهُوَ يَخَافُ الإِنْسَانَ اِذَا لَـمْ يَهْـرُبْ مِنْـهُ. وَلَكِنَّـهُ اِذَا عَلِـمَ أَنَّـهُ يَخَافُـهُ وَيَهْـرُبُ مِنْـهُ يَطْمَـعُ فِيْـهِ فَيُدْرِكُـهُ وَيَفْتَرِسُـهُ. وَحَاسَّـةُ الشَّـمِّ فِيْـهِ قَوِيَّـةٌ جِـدًّا فَقَـدْ يَشُـمُّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الشَّيْءَ منْ فَرْسَخٍ اوْ اكْثَرَ. وَ منْ عَادَته أَنَّهُ اذَا أَكَلَ فَريْسَتَهُ وَشَبعَ منْهَا لاَ يَعُودُ الَيْهَا أَبَدًا. وَمنْ خصَاله اَيْضًا انَّهُ اذَا مَرضَ انْفَردَ عَنِ الذِّئَاب لأَنَّهَا اذَا احَسَّتْ بمَرَضٍ وَاحد منْهَا تجْتَمعُ الَيْه فَتَأْكُلُهُ. وَ منْ عَجيْب اَمْره انَّهُ اذَا اشْتَدَّ عَلَيْه الْجُوعُ عَوَى فَيَجْتَمعُ الَيْه الذِّئَابُ وَ يَقفُ بَعْضُهَا تجَاهَ بَعْض. فَمَنْ وَلَّى منْهَا وَثَبَ الَيْه الْبَاقُونَ وَ اكَلُوهُ يُحْكَى أَنَّ أَحَدَ الأَشْرَاف كَانَ رَاكبًا مَعَ زَوْجَته مَرْكَبَةً شَتَويَّةً تَجُرُّهَا ثَلاَثَةُ اَفْرَاس. فَلَحقَهُ قَطيْعٌ منَ الذِّئَاب يُرِيْدُ افْتراسَهُ. فَأَخَذَ السَّائقُ يَحُثُّ الأَفْرَاسَ وَ يَضْربُهَا بالسَّوط فرَارًا منَ الذِّئَاب. وَجَعَلَت الذِّئَابُ تَشْتَدُّ فى الْجَرْي حَتَّى ادْرَكَت الْمَرْكَبَةَ. فَأَمَرَ الرَّجُلُ السَّائقَ انْ يُخَلِّيَ أَحَدَ الأَفْرَاس لكَيْ تَشْتَغلَ به عَنْهُمْ. فَأَكَلَتْهُ فى مُدَّة قَصيْرَة ثُمَّ اسْتَأْنَفَت الْجَرْيَ. فَخَلَّى لَهَا السَّائقُ فَرَسًا آخرَ. وَأَمَّا الثَّالثُ فَأَوْصَلَهُمْ الَى قَرْيَتهمْ سَالميْنَ

52-дарс. Бўри увиллади. Итлар вовиллади. Унинг айтарли илми йўқ. Нима учун дўстларингдан айрилдинг? Бўри йиртқичларнинг халққа энг зарарлисидир. Халқнинг молидан таъма қилма. Ошқозонимда жуда қаттиқ оғриқ сездим. Овқатдан тўйдик. Эҳ, ёшлик вақтим қайтса-ку? Сенинг олдингга қисқа вақтда қайтаман. Бизнинг бир тўда қўйимиз бор.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْحَمَامَةُ وَ الثَّعْلَبُ وَمَالِكٌ الْحَزِيْنُ

مَالِكٌ الْحَزِيْنُ. بَيْضٌ. نَخْلَةٌ. خِضَانَةٌ. اِفْرَاخٌ. نَجَاءٌ شَاطِىءٌ. هَمْزٌ. دَقٌّ

كَانَتْ حَمَامَةٌ تَبِيْضُ فِى رَأْسِ نَخْلَةٍ طَوِيْلَةٍ جِدًّا. وَكَانَتْ لاَ تَسْتَطِيْعُ اَنْ تَبْنِيَ عُشَّهَا الاَّ بَعْدَ تَعَبٍ شَدِيْدٍ وَعَنَاءٍ كَبِيْرٍ بِسَبَبِ طُوْلِ النَّخْلَةِ. فَإِذَا اَتَمَّتْ بِنَاءَ الْعُشِّ بَاضَتْ ثُمَّ حَضَنَتْ بَيْضَهَا فَإِذَا اَفْرَخَتْ وَ اَدْرَكَتْ فِرَاخُهَا جَاءَهَا ثَعْلَبٌ اِعْتَادَ أَنْ يَذْهَبَ اِلَيْهَا فَتَخَافُ مِنْهُ فَتُلْقِى فِرَاخَهَا اِلَيْهِ. فَبَيْنَمَا هِيَ ذَاتَ يَوْمٍ جَالِسَةٌ فِى عُشِّهَا حَزِيْنَةً وَقَدْ اَدْرَكَ لَهَا فَرْخَانِ اِذْ اَقْبَلَ مَالِكٌ الْحَزِيْنُ فَوَقَعَ عَلَى النَّخْلَةِ فَلَمَّا رَأَى الْحَمَامَةَ حَزِيْنَةً قَالَ لَهَا يَا حَمَامَةُ مَا لِى اَرَاكِ شَدِيْدَةَ الْهَمِّ سَيِّئَةَ الْحَالِ؟ فَقَالَتْ لَهُ يَا مَالِكُ الْحَزِيْنُ اِنَّنِى ابْتُلِيْتُ بِثَعْلَبٍ كُلَّمَا اَدْرَكَ فِرَاخِى جَاءَنِى فَهَدَّدَنِى بِالصُّعُودِ اِلَيَّ فَأَرْمِى اِلَيْهِ فِرَاخِى مِنَ الْخَوْفِ. قَالَ لَهَا مَالِكٌ الْحَزِيْنُ اِذَا اَتَاكِ هَذِهِ الْمَرَّةَ فَقُولِى لَهُ اِصْعَدْ اَيُّهَا الثَّعْلَبُ اِنْ كُنْتَ تَسْتَطِيْعُ فَإِذَا اَمْكَنَكَ ذَلِكَ اَطِيْرُ اَنَا فَأَنْجُو بِنَفْسِى مِنْكَ. ثُمَّ طَارَ مَالِكٌ الْحَزِيْنُ اِلَى شَاطِىءِ النَّهْرِ. فَأَقْبَلَ الثَّعْلَبُ وَفَعَلَ بِالْحَمَامَةِ كَمَا كَانَ يَفْعَلُ مِنْ قَبْلُ. فَأَجَابَتْهُ الْحَمَامَةُ كَمَا عَلَّمَهَا مَالِكٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْحَـــزِيْنُ. فَقَالَ لَهَا مَنْ عَلَّمَكِ هٰذَا؟ قَالَـــتْ عَلَّمَنِـــى مَالِـــكٌ الْحَـــزِيْنُ فَتَوَجَّهَ الثَّعْلَبُ اِلَى مَالِـــكِ الْحَـــزِيْنِ وَوَجَـــدَهُ وَاقِفًـــا عَلَـــى شَـــاطِىءِ النَّهْرِ. فَقَالَ لَهُ يَـــا مَلِـــكُ الْحَـــزِيْنُ اَيْـــنَ تَجْعَـــلُ رَأْسَـــكَ اِذَا اَتَتْـــكَ الرِّيْحُ عَنْ يَمِيْنِكَ؟ قَـــالَ عَـــنْ شِـــمَالِى. قَـــالَ الثَّعْلَـــبُ فَـــإِذَا اَتَتْـــكَ عَنْ شِمَالِكَ اَيْنَ تَجْعَلُ رَأْسَـــكَ؟ قَـــالَ عَـــنْ يَمِيْنِـــى اَوْ خَلْفِـــى. قَالَ فَإِذَا اَتَتْكَ مِنْ كُلِّ جِهَةٍ؟ قَـــالَ اَجْعَلُـــهُ تَحْـــتَ جَنَـــاحَيَّ. قَـــالَ الثَّعْلَـــبُ وَكَيْـــفَ تَسْـــتَطِيْعُ ذٰلِـــكَ اَلَا تُـــرِيْنِى كَيْـــفَ تَصْـــنَعُ؟ فَأَدْخَـــلَ مَالِكُ الْحَزِيْنُ رَأْسَهُ تَحْـــتَ جَنَاحِـــهِ فَوَثَـــبَ عَلَيْـــهِ الثَّعْلَـــبُ فَأَخَـــذَهُ ثُمَّ هَمَزَهُ هَمْزَةً دَقَّ بِهَـــا عُنُقَـــهُ. ثُمَّ قَـــالَ يَـــا عَـــدُوَّ نَفْسِـــكَ تُعَلِّـــمُ الْحَمَامَةَ الْحِيْلَـــةَ وَتَعْجِـــزُ عَـــنْ ذٰلِـــكَ لِنَفْسِـــكَ. ثُـــمَّ قَتَلَـــهُ وَأَكَلَـــهُ

53-дарс. Қуш боласини очиб чиқарди. Чумчуқ уя ясади. Товуқ тухум қилди. Ҳалокатдан қутулди. Кўл четида ўтириб кўп балиқ тутдик. Бу хурмо дарахти жуда катта. Бу киши хоин. Бўри итга жуда ўхшайдиган ҳайвон. Соҳилга ҳар кун боришга одатландик. Нега биздан қўрқасан? Сени ейдиган бўри эмасмиз. Менинг ҳолим жуда ночор. Бу қаламни менга бер-чи. Касб қилишдан ожиз қолдим.

54

اَلْغُرَابُ

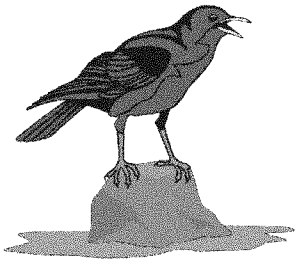

اِعْتِـــدَالٌ. اِبْصَـــارٌ. دَهْىٌ. قَفْـــزٌ
فَـــوْتٌ. تَلَفُّـــتٌ. تَأْكِيْـــدٌ
تَمَـــرُّنٌ. وَضْـــعٌ. مُطَـــوِّلٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

كَانَ الْغُرَابُ فِى الزَّمَانِ الْخَالِى *** يَمْشِي عَلَى رِجْلَيْهِ بِاعْتِدَالِ

فَأَبْصَرَ الْعَصْفُورَ يَوْمًا يَلْعَبُ *** وَقَدْ دَهَى عَقْلَ الْغُرَابِ الْعَجَبُ

فَلَمْ يَزَلْ يَسْتَحْسِنُ الْتِفَاتَهُ *** وَقَفْزَهُ حِيْنَ مَشَى وَفَاتَهْ

وَفَكَّرَ الْغُرَابُ فِى تَلَفُّتِهْ *** وَطَيْرِهِ وَوَثْبِهِ وَخَفَّتِهْ

وَاَكَّدَ الْعَزْمَ عَلَي تَقْلِيْدِهِ. *** وَحَاوَلَ الْخُرُوجَ عَنْ حُدُودِهِ

وَلَمْ يَزَلْ يَعْمَلُ مَافِى وُسْعِهِ *** وَلَمْ يُفَكِّرْ فِى الَّذِى مِنْ طَبْعِهِ

فَخَابَ مِنْهُ السَّعْيُ بَعْدَ زَمَنٍ *** مُطَوَّلٍ قَضَاهُ فِى التَّمَرُّنِ

وَعَادَ لِلْوَضْعِ الْقَدِيْمِ الأَوَّلِ *** وَمَا شَفَى النَّفْسَ بِنَيْلِ الأَمَلِ

لَكِنَّهُ قَدْ نَسِيَ التَّمَشِّي *** وَلَمْ يَعُدْ يَعْرِفُ كَيْفَ يَمْشِي

55-дарс. Узоқдан айиқни кўрдим. Унинг жавобидан қониқдим. Маймун тақлид қилувчи ҳайвон. У яхши ўргатади. Унутдингми? Ўзингни унутганга солма. Дарс ўқиб беш соат вақт ўтказдим. Вақтим бекор кетди. Мақсадимга эришдим. Саид, тиришқоқ шогирд, лекин одобсиздир. Чумоли каби ҳаракатчан бўл. Жиннимисан? Нимага уни уряпсан.

55

رَجَعْتُ بِخُفَّيْ حُنَيْنٍ

اَعْرَابِىٌّ. الْحِيْرَةُ. اِسْكَافٌ. مُسَاوَمَةٌ. اِضْمَارٌ. حِذَاءٌ. مَكْمَنٌ. عَقْلٌ. اِغْتِيَاظٌ

يُحْكَى أَنَّ اَعْرَابِيًّا قَصَدَ الْحِيْرَةَ لِيَشْتَرِىَ بَعْضَ الأَمْتِعَةِ فَقَابَلَهُ وَهُوَ فِى سُوقِهَا اسْكَافٌ يُدْعِي حُنَيْنًا وَبِيَدِه خُفَّانِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

فَسَاوَمَهُ الأَعْرَابِىُّ بِهِمَا وَلَمْ يَشْتَرِهِمَا لِغَلاَءِ ثَمَنِهِمَا. فَاغْتَاظَ الأَسْكَافُ عَلَيْهِ وَاضْمَرَ لَهُ فِى نَفْسِهِ السُّوءَ. فَخَرَجَ اِلَى الطَّرِيْقِ الَّذِى لاَ بُدَّ لِلأَعْرَابِىِّ مِنَ الْمُرُورِ بِهِ. فَعَلَّقَ أَحَدَ الْخُفَّيْنِ فِى شَجَرَةٍ عَلَى ذَلِكَ الطَّرِيْقِ وَتَقَدَّمَ قَلِيْلاً وَطَرَحَ الآخَرَ وَاخْتَفَى. فَجَاءَ الأَعْرَابِىُّ حِذَاءَ الْخُفِّ الَّذِى فَوْقَ الشَّجَرَةِ فَقَالَ مَا اَحْسَنَ هَذَا الْخُفَّ وَمَا اَشْبَهَهُ بِخُفِّ حُنَيْنٍ لَوْ كَانَ مَعَهُ الآخَرُ لأَخَذْتُهُ. ثُمَّ تَقَدَّمَ فَرَأَى الْخُفَّ الآخَرَ مَطْرُوحًا. فَنَزَلَ وَعَقَلَ بَعِيْرَهُ وَاَخَذَهُ وَرَجَعَ لِيَأْخُذَ الأَوَّلَ. وَفِى ذَلِكَ الْوَقْتِ خَرَجَ حُنَيْنٌ مِنْ مَكْمَنِهِ فَأَخَذَ الْبَعِيْرَ وَذَهَبَ. فَلَمَّا رَجَعَ الاَعْرَابِىُّ اِلَى الْمَكَانِ الَّذِى عَقَلَ فِيْهِ بَعِيْرَهُ لَمْ يَجِدْهُ. فَتَأَسَّفَ كَثِيْرًا وَرَجَعَ اِلَى أَهْلِهِ مَاشِياً. فَسَأَلُوهُ يَمِ رَجَعْتَ مِنَ الْحِيرَةِ؟ فَأَجَابَهُمْ بِقَوْلِهِ: (رَجَعْتُ بِخُفَّىْ حُنَيْنٍ) فَصَارَتْ مَثَلاً يُضْرَبُ لِكُلِّ مَنْ رَجَعَ خَائِبًا مِنْ سَعْيِهِ

55-дарс. Онам мендан хафа бўлди. Дўстимнинг уйи ёнидан ўтдик. Дарахт устида бургут кўрдим. Агар олим бўлсанг, ҳурмат қиламан. Отни боғладингизми? Ҳа, боғладим. Этикчи этик тикди. Мени Тошкентга боришимдан бошқа чорам йўқ. Кўкат бозорига бориб, кўкатлар олиб қайтдик. Ўрмондан уйга пиёда қайтдим.

56

الْبَبْغَاءُ

عَرِيْضٌ. حِكَايَةٌ. كَثِيْفٌ. سِرْبٌ. كَرَزٌ. نَقْرٌ. لُبٌّ. مَعْقُوفٌ مَفْصِلٌ. رُقِىٌّ. اِسْتِحْمَامٌ. تَبَرُّدٌ. جُثُومٌ. تَصْفِيْفٌ هُبُوبٌ. قَيْلُولَةٌ. بَيْتُوتَةٌ. اِزْدِحَامٌ. مَبِيْتٌ. لِحَاءٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْبَبْغَاءُ طَائِرٌ عَلَى قَدْرِ الْحَمَامَةِ. لَهُ لِسَانٌ عَرِيْضٌ وَقُوَّةٌ عَلَى حِكَايَةِ الأَصْوَاتِ. فَالأَلِيْفُ مِنْهُ يَحْفَظُ كَلاَمَ النَّاسِ وَيُعِيْدُهُ اِذَا سَمِعَهُ مَرَّةً بَعْدَ مَرَّةٍ وَهُوَ يَخْتَلِفُ فِى اللَّوْنِ فَقَدْ يَكُونُ اَخْضَرَ اَوْ اَصْفَرَ اَوْ اَبْيَضَ. وَيَكْثُرُ فِى غَابَاتِ الْبُلْدَانِ الْحَارَّةِ كَالْهِنْدِ وَاَفْرِيقِيَةَ وَاَمِيْرِكَةَ الْجَنُوبِيَّةِ. وَأَحَبُّ الْغَابَاتِ اِلَيْهِ مَا كَانَ مِنْهَا كَثِيْفَ الشَّجَرِ اَخْضَرَ الْوَرَقِ. فَتَجْتَمِعُ عَلَى اَغْصَانِ الأَشْجَارِ اَسْرَابًا كَثِيْرَةَ الْعَدَدِ تَصِيحُ وَتُصَوِّتُ اَصْوَاتًا مُخْتَلِطَةً فَيُسْمَعُ لَهَا ضَجِيْجٌ شَدِيْدٌ. وَهُوَ يَعِيْشُ عَلَى اَثْمَارِ الأَشْجَارِ. وَالْكَرَزُ الْبَرِّىُّ يَلَذُّ لَهُ اَكْثَرَ مِنْ سَائِرِ الأَثْمَارِ وَلاَ سِيَّمَا بِزْرُهُ. فَإِنَّهُ يَضْرِبُهُ بِمِنْقَارِهِ فَيَنْقُرُهُ وَيَسْتَخْرِجُ لُبَّهُ فِى الْحَالِ. وَمِنْقَارُ الْبَبْغَاءِ قَوِىٌّ حَادٌّ قِسْمُهُ الأَسْفَلُ قَصِيْرٌ وَالأَعْلَى طَوِيْلٌ مَعْقُوفٌ عَلَى الأَسْفَلِ. وَاَمَّا رِجْلُهُ فَهِىَ مُفَصَّلَةٌ اِلَى اَصَابِعَ. وَلِلأَصَابِعِ مَفَاصِلُ لَيِّنَةٌ فَيَطْوِيْهَا كَيْفَ يَشَاءُ كَمَا يَطْوِى الإِنْسَانُ اَصَابِعَ يَدَيْهِ. وَبِهَا يَسْتَعِيْنُ عَلَى الصُّعُودِ اِلَى الأَشْجَارِ فَيَتَعَلَّقُ بِمِنْقَارِهِ فِى غُصْنٍ وَيُمْسِكُ بِرِجْلِهِ آخَرَ ثُمَّ يَجْذِبُ نَفْسَهُ اِلَى فَوْقُ. وَلاَ يَزَالُ يَرْقَى هَكَذَا حَتَّى يَصِلَ اِلَى رَأْسِ الشَّجَرَةِ. وَالْبَبْغَاءُ يُحِبُّ الإِسْتِحْمَامَ كَثِيْرًا. فَلاَ تَزَالُ الْبَبْغَاوَاتُ تَطِيْرُ فِى طَلَبِ الْمَاءِ مِنْ غَابَةٍ اِلَى غَابَةٍ حَتَّى تَقَعَ عَلَى غَدِيْرٍ اَوْ نَهْرٍ فِيْهِ مَاءٌ صَافٍ فَتَنْزِلُ تَتَبَرَّدُ فِيْهِ زَمَانًا. ثُمَّ تَصْعَدُ وَتَجْثُمُ جَمِيْعُهَا فِى الشَّمْسِ تُصَفِّفُ رِيْشَهَا بِمَنَاقِيْرِهَا اِلَى اَنْ تَنْشَفَ. وَعِنْدَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الظُّهْرِ عِنْدَ اشْتِدَادِ الْحَرِّ تَقْصُدُ الْبَبْغَاوَاتُ مَكَانًا ظَلِيْلاً مِنَ الْغَابَةِ لاَ تُصِيْبُهُ الشَّمْسُ فَتَنَامُ فِيْهِ عَلَى الأَغْصَانِ نَوْمًا خَفِيْفًا وَعِنْدَ الْعَصْرِ أَوْ بَعْدَهُ قَلِيْلاً تَهُبُّ مِنْ قَيْلُولَتِهَا وَتَرْجِعُ اِلَى الصِّيَاحِ وَتَنْتَشِرُ فِى طَلَبِ الْقُوتِ ثُمَّ تَعُودُ اِلَى الإِسْتِحْمَامِ وَعِنْدَ الْغُرُوبِ تَبِيْتُ فِى جَوْفِ شَجَرَةٍ وَتَزْدَحِمُ حَتَّى يَضِيْقَ بِهَا الْمَبِيْتُ. وَالْمُتَأَخِّرُ مِنْهَا يَتَعَلَّقُ بِمِنْقَارِهِ وَمَخَالِبِهِ بِلِحَاءِ الشَّجَرَةِ حَوْلَ الْمَبِيْتِ طُوْلَ اللَّيْلِ

56-дарс. Унинг тили узун. Овози чиройли. Кўзлари кичкина. Қулоқлари эшак қулоқлари каби катта. Ҳар бармоқнинг бўғинлари бор. Саҳрода кеч киргиздик. Бу ҳикояни кўп марта эшитдим. Бургут ва қарға учиб кетди. Тоза сув ичдилар. Мазали таомлар едик. Самарқанд шаҳрида узоқ йиллар турдик. Ҳозир ватанимиз Тошкентга қайтамиз. Бола уйқусидан уйғонди.

57

السُّلَحْفَاةُ وَالْبَطَّتَانِ

غَيْضٌ. بَيَانٌ. فَقْأٌ. كَيْفَ السَّبِيلُ اِلَي اِرْضَائِكَ

يُحْكَى اَنَّ غَدِيْرًا كَانَ عِنْدَهُ عُشْبٌ وَكَانَ فِيْهِ بَطَّتَانِ. وَكَانَ فِى الْغَدِيْرِ سُلَحْفَاةٌ بَيْنَهَا وَبَيْنَ الْبَطَّتَيْنِ صَدَاقَةٌ فَاتَّفَقَ اَنْ غِيْضَ ذَلِكَ الْمَاءُ. فَجَاءَتِ الْبَطَّتَانِ لِوَدَاعِ السُّلَحْفَاةِ وَقَالَتَا السَّلاَمُ عَلَيْكَ فَإِنَّنَا ذَاهِبَتَانِ عَنْ هَذَا الْمَكَانِ لأَجْلِ نُقْصَانِ الْمَاءِ عَنْهُ. فَقَالَتْ اِنَّمَا يَبِيْنُ نُقْصَانُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

الْمَـــاءِ عَلَـــى مِثْلِـــىَ الَّتِـــى كَـــأَنِىَ السَّـــفِيْنَةُ لاَ اَقْـــدِرُ عَلَـــى الْعَيْـــشِ الاَّ بِالْمَـــاءِ. فَلَمَّـــا انْتُمَـــا فَتَقْـــدِرَانِ عَلَـــى الْعَيْـــشِ حَيْـــثُ كُنْتُمَـــا فَاذْهَبَـــا بِـــى مَعَكُمَـــا. قَالَتَـــا نَعَـــمْ. قَالَـــتْ كَيْـــفَ السَّبِيْلُ الَـــىَّ حَمْلِـــى. قَالَتَـــا نَأْخُـــذُ بِطَـــرَفَىْ عُـــودٍ وَتَقْبِضِـــيْنَ بِفِيْكِ عَلَـــى وَسَـــطِهِ وَنَطِيْـــرُ بِـــكِ فِـــى الْجَـــوِّ. وَاِيَّاكِ اِذَا سَـــمِعْتِ النَّـــاسَ يَتَكَلَّمُـــونَ اَنْ تَنْطِقِـــى. ثُمَّ اَخَـــذَتَاهَا فَطَارَتَـــا بِهَـــا فِـــى الْجَوِّ. فَقَالَ النَّـــاسُ عَجَـــبٌ سُـــلَحْفَاةٌ بَيْـــنَ بَطَّتَيْـــنِ قَـــدْ حَمَلَتَاهَـــا فَلَمَّـــا سَـــمِعَتْ ذٰلِـــكَ قَالَـــتْ فَقَـــأَ اللهُ اَعْيُنَكُـــمْ اَيُّهَـــا النَّـــاسُ فَلَمَّـــا فَتَحَـــتْ فَاهَـــا بِـــالنُّطْقِ وَقَعَـــتْ عَلَـــى الأَرْضِ وَمَاتَـــتْ

57-дарс. Ёлғон гапиришдан сақлан. Бу овулда тура олмайман. Анҳорнинг суви камайди. Эй икки дўстим, мени ўзингиз билан боқчага олиб боринг. Фотиҳа сурасини ўқидим. У намозни доимий ўқийди. Қуён тез чопадиган ҳайвон. Ялқовни тарк қилинг. Ҳеч кимга адоват сақлама. Балиқнинг барча тури фақат сувда яшай олади.

58

اَلْحُوتُ

زِعْنِفَـــةٌ. فَـــكٌّ. اِشْـــتِبَاكٌ. فَغْـــرٌ. شِدْقٌ. هُدْبٌ. مِصْـــفَاةٌ اِبْتِـــلاَعٌ. مَهْلٌ. حُوتٌ. تَجْهِيْـــزٌ عُـــدَّةٌ. مِطْرَدٌ. حَرْبَـــةٌ. غَرْزٌ اِدْمَاءٌ. عَيَـــاءٌ. عَوْمٌ. شَـــحْمٌ. زَيْـــتٌ. قَارِبٌ. قَلْـــبٌ

اَلْحُوتُ اَعْظَمُ الْحَيَوَانَـــاتِ جِسْـــمًا. وَاَظُنُّكَ لَمْ تَرَ فِـــى زَمَانِـــكَ كُلِّـــهِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بَيْتًا كَبِيْرًا يَكْفِى لأَنْ يَسَعَ حُوتًا وَاحِدًا. وَهُوَ يَعِيْشُ فِى البِحَارِ وَيَسْبَحُ فِيْهَا بِوَاسِطَةِ ذَنَبِهِ وَزَعَانِفِهِ كَسَائِرِ الأَسْمَاكِ. وَلَكِنَّهُ لاَ يُعَدُّ مِنْهَا لأَنَّهُ يَتَنَفَّسُ الْهَوَاءَ كَمَا نَتَنَفَّسُهُ نَحْنُ. وَلِلْحُوتِ فَمٌ كَبِيْرٌ جِدًّا. وَلَيْسَ لَهُ شَيْءٌ مِنَ الأَسْنَانِ وَ لَكِنْ فِى فَكِّهِ الأَعْلَى عِظَامًا دَقِيْقَةً مُشْتَبِكًا بَعْضُهَا بِبَعْضٍ وَمُتَدَلِّبَةً مِنْهُ كَأَهْدَابِ الثَّوْبِ. وَهُوَ يَعِيْشُ عَلَى الأَسْمَاكِ الصَّغِيْرَةِ السَّابِحَةِ فِى الْبَحْرِ. فَإِذَا رَأَى عَدَدًا مِنْهَا يَفْغَرُ فَاهُ الْوَاسِعَ فَيَدْخُلُهُ الْمَاءُ بِمَا فِيْهِ مِنَ الأَسْمَاكِ. ثُمَّ يَخْرُجُ الْمَاءُ مِنْ شِدْقَيْهِ خُرُوجَهُ مِنَ الْمِصْفَاةِ وَتَبْقَى الأَسْمَاكُ مُشْتَبِكَةً بِالأَهْدَابِ الْعَظْمِيَّةِ فَيَبْتَلِعُهَا عَلَى مَهْلِهِ. وَالتُّجَّارُ يُجَهِّزُونَ السُّفُنَ بِالرِّجَالِ وَالْعُدَدِ لِصَيْدِهِ فَيَصْطَادُهُ الصَّيَّادُونَ طَعْنًا بِالْمَطَارِدِ وَالْحِرَابِ الْمُشَعَّبَةِ فَتَغْرِزُ فِى جِسْمِهِ وَتُدْمِيْهِ كَثِيْرًا جِدًّا. وَلاَ يَزَالُونَ يَطْعَنُونَهُ حَتَّى يَعْيَا مِنَ التَّعَبِ وَسَيَلاَنِ الدَّمِ ثُمَّ يَمُوتُ عَائِمًا عَلَى وَجْهِ الْمَاءِ. فَيَأْخُذُونَ شَحْمَهُ وَيَضَعُونَهُ فِى الْبَرَامِيْلِ وَ يَحْمِلُونَهُ إِلَى بِلاَدِهِمْ لِكَيْ يَسْتَخْرِجُوا مِنْهُ زَيْتًا. وَفِى صَيْدِهِ خَطَرٌ كَبِيْرٌ عَلَى قَوَارِبِ الصَّيَّادِيْنَ لِمَا يَحْدُثُ مِنَ الاضْطِرَابِ الشَّدِيْدِ فِى سَطْحِ الْبَحْرِ عِنْدَ ارْتِفَاعِ الْحُوتِ وَهُبُوطِهِ. وَقَدْ يَضْرِبُ الْقَارِبَ بِذَنَبِهِ فَيَكْسِرُهُ أَوْ يَقْلِبُهُ بِمَنْ فِيْهِ.

58-дарс. Балиқ фақат сувда яшай олади. У жуда кўп турлидир. Уни қармоқ ва тўр билан тутишади. Кит ҳайвонларнинг

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

энг каттасидир. У денгизда яшайди. Уни кема устида махсус қуроллар билан санчиб тутишади. Лекин уни овлашда овчилар учун қўрқинч бор. Чунки у баъзи вақтда ўзини кемага урганда кема силкинади ёки ағанайди.

59

الْعُلْجُومُ وَالسَّرَطَانُ

تَعَشَّـــــيْشٌ. اَجمَةٌ. اِقْتِيَـــاتٌ. هَرَمٌ. سَرَطَانٌ. عُلْجُومٌ. كَآبَـــةٌ هَهُنَا. هُنَالِكَ. نَفَـــادٌ. مُكَـــابَرَةٌ. قَصَـــبٌ. تَـــلٌّ. اِجَابَـــةٌ. تَمَكُّـــنٌ كَلْبَتَـــانِ. فَعَاشَ بِهَا مَا عَـــاشَ. حُبًّا وَكَرَامَـــةً

يُحْكَى اَنَّ عُلْجُومًا عَشَّشَ فِى اَجَمَـــةِ كَثِيْـــرَةِ السَّـــمَكِ. فَكَـــانَ يَقْتَـــاتُ بِمَا فِيْهَا مِنَ السَّـــمَكِ. فَعَاشَ بِهَا مَا عَاشَ ثُـــمَّ هَـــرِمَ فَلَـــمْ يَسْـــتَطِعْ صَـــيْدًا. فَأَصَابَهُ جُوعٌ وَهُزَالٌ شَـــدِيْدٌ. فَجَلَسَ يَوْمًـــا حَزِيْنًـــا يَلْتَمِـــسُ الْحِيْلَةَ فِى اَمْـــرِهِ. فَمَرَّ بِهِ سَرَطَانٌ فَرَأَى حَالَتَهُ وَدَنَا مِنْـــهُ وَقَـــالَ لَـــهُ مَا لِى اَرَاكَ اَيُّهَا الطَّائِرُ هَكَذَا حَزِيْنًا كَئِيْبًا؟ قَـــالَ الْعُلْجُـــومُ وَكَيْـــفَ لاَ اَحْزَنُ وَقَدْ كُنْتُ اَعِيْشُ مِنْ صَيْدِ مَا هَهُنَا مِـــنَ السَّـــمَكِ. وَانِّى رَأَيْـــتُ الْيَوْمَ صَيَّادَيْنِ قَدْ مَرَّا بِهَذَا الْمَكَانِ فَقَالَ اَحَـــدُهُمَا لِصَـــاحِبِهِ اِنَّ هَهُنَـــا سَمَكًا كَثِيْرًا اَفَلاَ نَصِيْدُهُ اَوَّلاً؟ فَقَـــالَ الآخَـــرُ انِّـــى قَـــدْ رَأَيْـــتُ فِـــى مَكَانِ كَذَا سَمَكًا أَكْثَرَ مِنْ هَذَا السَّمَكِ فَلْنَبْدَأْ بِـــذَلِكَ فَـــإِذَا فَرَغْنَـــا مِنْـــهُ جِئْنَا اِلَى هُنَا فَصِدْنَا مَا فِيْهِ مِـــنَ السَّـــمَكِ. وَقَدْ عَلِمْتُ اَنَّهُمَا اِذَا فَرَغَا مِنْ صَيْدِمَا هُنَالِكَ مِنَ السَّمَكِ جَاآ اِلَى هُنَا فَاصْـــطَادَا مَـــا فِيْهَـــا مِـــنَ السَّمَكِ. فَاِذَا كَانَ ذَلِكَ فَهُـــوَ هَلاَكِـــى وَنَفَـــادُ مُـــدَّتِى. فَلَمَّا سَـــمِعَ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

السَّرَطَانُ ذَلِكَ مِنْهُ انْطَلَقَ اِلَى جَمَاعَةِ السَّمَكِ فَاَخْبَرَهُنَّ بِذَلِكَ فَاَقْبَلْنَ عَلَى الْعُلْجُوْمِ وَاسْتَشَرْنَهُ فِى اَمْرِهِنَّ. فَقَالَ الْعُلْجُوْمُ اَمَّا مُكَابَرَةُ الصَّيَّادَيْنِ فَلاَ طَاقَةَ لِى بِهَا. وَلاَ اَعْلَمُ حِيْلَةً اِلاَّ الذَّهَابَ اِلَى غَدِيْرٍ قَرِيْبٍ مِنْ هُنَا فِيْهِ سَمَكٌ كَثِيْرٌ وَمِيَاهٌ وَقَصَبٌ. فَاِنِ اسْتَطَعْتُنَّ الاِنْتِقَالَ اِلَيْهِ كَانَ فِيْهِ سَعَادَتُكُنَّ. فَقُلْنَ لَهُ اِنَّنَا لاَ نَسْتَطِيْعُ ذَلِكَ اِلاَّ بِمَعُوْنَةٍ مِنْكَ فَنَرْجُوْكَ اَنْ تَحْمِلَنَا اِلَى ذَلِكَ الْغَدِيْرِ. فَأَجَابَ الْعُلْجُوْمُ اِلَى طَلَبِهِنَّ وَجَعَلَ يَحْمِلُ كُلَّ يَوْمٍ سَمَكَتَيْنِ حَتَّى يَنْتَهِىَ بِهِمَا اِلَى تَلٍّ فَيَأْكُلُهُمَا. فَلَمَّا جَاءَ الْعُلْجُوْمُ ذَاتَ يَوْمٍ لِأَخْذِ السَّمَكَتَيْنِ عَلَى عَادَتِهِ أَقْبَلَ عَلَيْهِ السَّرَطَانُ فَقَالَ لَهُ اِنِّى اَيْضًا اُرِيْدُ اَنْ اَذْهَبَ اِلَى ذَلِكَ الْغَدِيْرِ فَأَرْجُوْكَ اَنْ تَحْمِلَنِى اِلَيْهِ. فَقَالَ لَهُ حُبًّا وَكَرَامَةً، وَاحْتَمَلَهُ وَطَارَ بِهِ حَتَّى اِذَا دَنَا مِنَ التَّلِّ الَّذِى كَانَ يَأْكُلُ السَّمَكَ فِيْهِ نَظَرَ السَّرَطَانُ فَرَأَى عِظَامَ السَّمَكِ مَجْمُوْعَةً هُنَاكَ. فَعَلِمَ اَنَّ الْعُلْجُوْمَ هُوَ صَاحِبُهَا وَاَنَّهُ يُرِيْدُ بِهِ مِثْلَ ذَلِكَ. فَأَخَذَ يُدَبِّرُ الْحِيَلَ لِلْخَلاَصِ عَنِ الْعُلْجُوْمِ وَاِهْلاَكِهِ حَتَّى تَمَكَّنَ مِنْ عُنُقِهِ فَعَصَرَهَا بِكَلْبَتَيْهِ فَمَاتَ. ثُمَّ رَجَعَ اِلَى الأَجَمَّةِ الَّتِى كَانَ يَعِيْشُ فِيْهَا فَأَخْبَرَ جَمَاعَةَ السَّمَكِ بِالْقِصَّةِ

59-дарс. Қуш уя ясаб тухум қўйди. Ундан кейин бола очиб чиқарди. Жума намозини ўқиб бўлдик. Буни кўтаришга менинг кучим етмайди. Унга яқин бордим. Бу қиссани ҳеч кимга айтма. Биз билан овқатланишга борасанми? Мен унга қарши тура олмайман. Аллоҳнинг ёрдами бўлмаганида бу ишни қила олмасдик. Эй душман! Бармоғимни қонатдинг. Унинг ёвузлигидан қутулишга ҳийла топдик. Бу жуда улғайган, саксон беш ёшда.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اَيُّ الثَّلاَثَة اَشَدُّ حُمْقًا؟

تَمْرٌ. عَشْرَةٌ. طَوْقٌ. زِقٌّ. وَيْحٌ. وَيْحَكَ

يُحْكَى اَنَّ اَحْمَقَيْنِ اصْطَحَبَا فِى طَرِيْقٍ. فَقَالَ أَحَدُهُمَا لِلآخَرِ تَعَالَ نَتَمَنَّ عَلَى اللهِ فَاِنَّ الطَّرِيْقَ تُقْطَعُ بِالْحَدِيْثِ. فَقَالَ اَنَا اَتَمَنَّى قُطْعَانَ غَنَمٍ اَنْتَفِعُ بِأَلْبَانِهَا وَلُحُومِهَا وَاَصْوَافِهَا وَقَالَ الآخَرُ اَنَا اَتَمَنَّى قُطْعَانَ ذِئَابٍ اُرْسِلُهَا عَلَى غَنَمِكَ حَتَّى لاَ تَتْرُكَ مِنْهُ شَيْئًا. فَقَالَ وَيْحَكَ اَهَذَا مِنْ حَقِّ الصُّحْبَةِ وَحُرْمَةِ الْعِشْرَةِ؟ فَتَصَايَحَا وَتَخَاصَمَا وَاشْتَدَّتِ الْخُصُومَةُ بَيْنَهُمَا حَتَّى تَمَاسَكَا بِالأَطْوَاقِ. ثُمَّ تَرَاضَيَا عَلَى أَنَّ اَوَّلَ مَنْ يَطْلُعُ عَلَيْهِمَا يَكُونُ حَكَمًا بَيْنَهُمَا. فَطَلَعَ عَلَيْهِمَا شَيْخٌ بِحِمَارٍ عَلَيْهِ زِقَّانِ مِنْ عَسَلٍ. فَحَدَّثَاهُ بِحَدِيْثِهِمَا فَأَنْزَلَ الزِّقَّيْنِ وَفَتَحَهُمَا حَتَّى سَالَ الْعَسَلُ عَلَى التُّرَابِ. ثُمَّ قَالَ صَبَّ اللهُ دَمِى مِثْلَ هَذَا الْعَسَلِ اِنْ لَمْ تَكُونَا اَحْمَقَيْنِ.

60-дарс. Сендан беш сўм қарз бериб туришингни сўрайман, худо хоҳласа, ўн беш кундан кейин қайтараман. Балиқ ёғи камқонликка фойдадир, лекин ошқозонга зараралидир. Овчи балиқ билан ризқланади. Дўстим вафот этди, Аллоҳ раҳмат қилсин. Болаларингни яхшилаб тарбия қил. Уларнинг одобли бўлишларига ҳаракат қил. Аллоҳ ва Унинг расулига итоат қил. Аллоҳ ва Унинг расулига итоат қилмаган кишилар дунё ва охиратда зиён кўргувчилардир.

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Арабча сўзларнинг таржималари

1

وَالِـــدٌ	Ота
مَخْـــزَنٌ	Дўкон
مِكْنَـــسٌ	Турмоқ
أَمْـرٌ	Иш
عَـــزْمٌ	Қасд қилмоқ
طُـــولَ الْيَـــوْمِ	Кун бўйи
أَنَـــا أَصْـــغَرُ	Мен сендан
مِنْـــكَ بِخَمْـــسِ سِـــنِيْنَ	беш ёш кичик-ман

2

هُنَيْهَـــةٌ	Озгина вақт
تَعْظِيْـــمٌ	Улуғламоқ
بَـــدَءَ	Бошламоқ
أَمَـــرَ	Буюрмоқ
إِمْـــلاَءٌ	Имло қилмоқ, ёзмоқ
انْتِهَـــاءٌ	Тугамоқ
انْصِـــرَافٌ	Кетмоқ
كَ	Каби, (ганидек)

3

جَـــرْوٌ	Кучукча
حِيْـــنَ	Пайтда, вақтида
نُبَـــاحٌ	Вовилламоқ
سَـــرْحٌ	Ўтламоқ
لُحُـــوقٌ	Етмоқ
قُـــدَّامٌ	Олди томон
إِيْصَـــالٌ	Етиб олмоқ
قُـــدْرَةٌ	Қодир бўлмоқ
طِيْـــرَانٌ	Учмоқ
طَارَ	Учди
قَـــدَرَ عَلَيْـــهِ	Унга қодир бўлди
حِيْـــنَ يَقْـــرَأُ	Ўқиётган пайтда

4

تَقْـــوِيْمٌ	Тақвим (календар)
خَرِيْطَـــةٌ	Харита
رَفِيْـــقٌ	Ўртоқ

قَـــرَأْتُ كَمَـــا قَـــرَأَ الْمُعَلِّـــمُ — Муаллим ўқигани-дек ўқидим

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Лозим, чорасиз	لاَ بُدَّ	Дарс олмоқ	تَلَقِّـــىٌ
Ўқишинг лозим	لاَ بُدَّ مِنَ الْقِـــرَأَةِ	Тингламоқ, қулоқ солмоқ	اِسْتِمَاعٌ
Қолдирмоқ. (бўш, ҳоли қолдирмоқ)	تَخْلِيَـــةٌ	Унга қулоқ солди	اِسْتَمَعَ لَهُ
Бажармоқ, ўтамоқ	قَضَـــاءٌ	Устун чиқмоқ, ғолиб	فَـــائِزٌ
Осийлик қилмоқ	عِصْـــيَانٌ	Бекор ўтказмоқ	تَضْـــيِيعٌ
Пайдо бўлмоқ	حُدُوثٌ	Беҳуда, бўш	سُدًى
Осмоқ, илмоқ	تَعْلِيْـــقٌ	Ечмоқ	حَلٌّ
Қўрқинч, хатар	خَطَـــرٌ	Юриш-туриш, сийрат	سِـــيْرَةٌ
Эришмоқ, етмоқ	بُلُـــوغٌ	Изоҳ қилмоқ, очмоқ	شَـــرْحٌ
Синмоқ	اِنْكِسَـــارٌ	Шундайки, (мавсуда маъносида)	مِنْ
Ботмоқ, чўкмоқ	غَـــرْقٌ	Ҳар бир сени яхши кўрадиган	كُلُّ مَنْ يُحِبُّكَ
6		Шундай қилиб	هٰكَذَا
Одат	دَأْبٌ	Мукофот	جَائِزَةٌ
Ваҳший хайвон	وَحْشٌ	Белгиламоқ	تَعْيِيْـــنٌ
Изламоқ	تَفْتِيْـــشٌ	**5**	
Китобни қидирди	فَتَّشَ عَـــنِ الْكِتَـــابِ	Фойда	مَنْفَعَـــةٌ
		Кечаларнинг бирида	ذَاتَ لَيْلَةٍ
Овламоқ, ов	صَـــيْدٌ	Ҳозирламоқ, тайёрламоқ	اِسْـــتِعْدَادٌ
Вақтики, агар	اِذَا	Кўнгил бермоқ, мойил бўлмоқ	مَيْـــلٌ
Чоғда	بَيْنَمَـــا	Ёпмоқ	طَـــىٌّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Хато қилмоқ (тегиза олмаслик)	اَخْطَأَ	Мен ёлғиз ўзим синфда ўқиётган чоғ-	بَيْنَمَا اَنَا اَقْرَأُ فِى الْفَصْلِ وَحْدِى
Овчи овлашда хатога йўл қўйди	اَلصَّيَّادُ اَلصَّيْدَ	имда муаллим кириб келди	اِذَا الْمُعَلِّمُ دَخَلَ
Ўликка солмоқ	تَمَاوُتٌ	Қўрқинч	هَوْلٌ
Ҳидламоқ, искамоқ	شَمٌّ	Қўрқинчли	هَائِلٌ
Нафас олмоқ	تَنَفُّسٌ	Судралиб юрмоқ	زَحْفٌ
Зарар қилмоқ	اِضْرَارٌ	Гўдак эмаклаб	زَحَفَ
Унга зарар қилди	اَضَرَّ بِهِ	юрди	اَلصَّبِى
Мазаҳ қилмоқ	مِزَاحٌ	Аскар душман	زَحَفَ
Секингина пичирлаб айтмоқ	هَمْسٌ	томон бостириб борди	اَلْعَسْكَرُ اِلَى الْعَدُوِّ
Ўртоқ бўлмоқ	مُرَافَقَةٌ	Қаттиқ қичқирмоқ	صُرَاخٌ
Ночор, пасткаш	دَنِىءٌ	Тўғриламоқ, нишонга олмоқ	تَصْوِيبٌ
Гавда, жусса	جُثَّةٌ	Милтиқ	بُنْدُقِيَّةٌ
Шу онда	فِى الْحَالِ	Отмоқ	اِطْلَاقٌ
7		Ўқ	رَصَاصٌ
Яйлов, ўтлоқ	مَرْجٌ	Тегмоқ	اِصَابَةٌ
Қочмоқ	فِرَارٌ	Милтиқ қуёнга	اَصَابَتِ
Акс-садо	صَدَاى	тўғриланди	اَلْبُنْدُقِيَّةُ الْأَرْنَبَ
Аччиқланмоқ	غَضَبٌ		

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Сарф қилмоқ	بَـذْلٌ	Сўкмоқ	سَـبٌّ
Тоқат, куч	وَسْـعٌ	Ҳақорат қилмоқ	شَـتْمٌ
Барча кучини сарф қилди	بَـذَلَ وَسْـعَهُ	Қайтармоқ	عَـادَةٌ
Ҳашарот	حَشَـرَاةٌ	Сўкишмоқ	مُشَـاتَمَةٌ
Азият бермоқ	اِيْـذَاءٌ	Шикоят қилмоқ	شِـكَايَةٌ
Тараф	جِهَـةٌ	Ҳолатимни дўстимга шикоят қилдим	شَـكَوْتُ حَـالِى لِـى صَـدِيْقِى
Соя	ظِـلٌّ		
Пашша	ذُبَـابٌ	Яширинмоқ, беркинмоқ	اِخْتِبَـاءٌ
Ўлдирмоқ	قَتْـلٌ	Бошқа	سِـوَى
Яхшидир	خَيْـرٌ	Тақиллатмоқ, (қоқмоқ)	طَرْقٌ
9		У ўқиган	فِيْمَـا هُـوَ
Қаримоқ, кексаймоқ	شَـيْخُوخَةٌ	пайтда	يَقْـرَأُ
Ҳийла қилмоқ	اِحْتِيَـالٌ	Шу вақтда	عِنْدَ ذَلِـكَ
Ўзига ўзи ҳийла қилди	اِحْتَالَ لِنَفْسِـهِ	Овозини борича	عَلَـى صَـوْتِهِ
Касалга ўхшатмоқ (солмоқ)	تَمَـارُضٌ	Сўзма-сўз	كَلِمَـةً فَكَلِمَـةً
Ғор	غَارٌ	Бундан олдин	قَبْـلَ ذَلِـكَ
Ҳар ўқиганида	كُلَّمَا قَـرَأَ	**8**	
Келмоқ	اِتْيَـانٌ	Тарбия қилмоқ	تَرْبِيَـةٌ
Овламоқ, тутмоқ	اِفْتِـرَاسٌ	Улфат бўлмоқ	اُلْفَـةٌ
Ўлжа, овланган нарса	فَرِيْسَـةٌ	Ажралмоқ, айрилиш	مُفَارَقَـةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Ошқозон, меъда	مَعِدَةٌ
Мақсад	غَرَضٌ
Тер	عَرَقٌ
Сақламоқ	وِقَايَةٌ
Ўрамоқ	تَغْطِيَةٌ
Юмилмоқ	اِنْطِبَاقٌ
Ёпмоқ	اِطْبَاقٌ

11

Унутмоқ, эсдан чиқармоқ	نِسْيَانٌ
Соч, тук	شَعْرٌ
Шу вақтда	عِنْدَئِذٍ
Қийин бўлди	شَقَّ
Тўхтатмоқ	اِسْتِيْقَافٌ
Қўрқмоқ	خَشْيَةٌ
Қўрқилади	يُخْشَى
Зарра	ذَرَّةٌ
Сочилмоқ, таралмоқ, тўзимоқ	تَطَايُرٌ
Об-ҳаво	جَوٌّ
Тупроқ	تُرَابٌ
Ҳашаротлар	هَوَامٌّ

Салом бермоқ	تَسْلِيْمٌ
Унга салом берди	سَلَّمَ عَلَيْهِ
Сенга нима бўлди	مَالَكَ
Сенга нима бўлди йиғлаяпсан	مَا لَكَ تَبْكِى؟
Лекин	غَيْرَ اَنْ
Лекин у	غَيْرَ اَنَّهُ
Тулкининг лақаби	اَبُو الْحُصَيْن
Из	اَثَرٌ
Ажратмоқ	تَمْيِيْزٌ
Фикр юритмоқ	تَفْكِيْرٌ
У ҳақда фикр юритди	فَكَّرَ فِيْهِ
Лозим эмас, лойиқ эмас.	لَا يَنْبَغِى

10

Туғишган, ака-ука	شَقِيْقٌ
Яноқ	خَدٌّ
Билак	ذِرَاعٌ
Болдир	سَاقٌ
Жағ	ذَقْنٌ
Кўкрак	صَدْرٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Чиқмоқ	طُلُــوعٌ
Қорин	جَــوْفٌ
Ташналик	لَهَــبٌ
Пишмаган узум	حِصْــرِمٌ
Ноумид бўлмоқ	خَســاء

13

Қафас	قَفَــصٌ
Атроф	حَــوْلٌ
Ташламоқ, қолдирмоқ	وَدْعٌ
Уни йиғлаган ҳолда қолдирдим	وَدَعْتُــهُ يَبْكِــى
Мени устимдан кулишига йўл қўймайман	لاَ اَدَعُــهُ يَضْــحَكُ مِنِّــى
Овқат бермоқ	اِطْعَــامٌ
Ўйинчоқ	لُعْبَــةٌ
Тарк қилмоқ	تَــرْكٌ
Дон, уруғ	بَــذْرٌ
Хафа бўлмоқ	حُــزْنٌ
Вақти-вақти билан	حِيْنًــا بَعْــدَ حِيْــن

Йўқ	كَــلاَّ
Қўрқитмоқ	تَهْدِيْــدٌ
Нимадандир	مَا
Нимадандир қўрқди	خَطَرَ مَا
Огоҳ этмоқ	تَنْبِيْــهٌ
Тез	سَــرِيْعٌ
Ўқиган вақтда	عِنْــدَ مَــا يَقْــرَأُ

12

Кўрмоқ, шоҳиди бўлмоқ	مُشَــاهَدَةٌ
Тус, ранг	لَــوْنٌ
Хурмо	رُطَــبٌ
Ҳалок қилмоқ	اِيْــدَاءٌ
Уни ҳалок қилди	اَوْدَى بِــهِ
Истамоқ, хоҳламоқ	بُغْيَــةٌ
Оғирлик, машаққат	تَعَــبٌ
Уринмоқ, ҳаракат қилмоқ	سَــعْيٌ
Имкон бўлмоқ	اِمْكَانٌ
Унга имкони бўлди	اَمْكَنَــهُ
Сенга чиқишни имкони бўлди	اَمْكَنَــكَ الْخُــرُوجُ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

بِمَا أَنَّـــهُ	Унинг шундай қилганлиги сабабли муаллими яхши кўради
يُحِبُّـــهُ مُعَلِّمُـــهُ	

14

سُـــلْحَفَاةٌ	Тошбақа
تَسَـــابُقٌ	Мусобақалашмоқ, ўзишмоқ, пойга ўйнамоқ
حَدٌّ	Чегара
اِتِّكَـــالٌ	Таянмоқ, суянмоқ
خِفَّـــةٌ	Енгиллик
تَوَانًـــى	Ялқовлик қилмоқ
بُـــطْءٌ	Секин
تَفْـــرِيْطٌ	Эътиборсизлик
اِسْـــتِمْرَارٌ	Бардавом бўлмоқ
اِسْـــتِيْقَاظٌ	Уйғонмоқ
جُهْـــدٌ	Куч, тоқат
سَـــبْقٌ	Ўзмоқ
خَيْبَـــةٌ	Муваффақиятсизлик
اَمَلٌ	Умид
اِذْ	Шу пайт
نَـــظْمٌ	Ўкинмоқ, надомат қилмоқ

اِضْـــطِرَارٌ	Мажбур бўлмоқ, мажбур қилмоқ
اِضْـــطَرَّهُ	Уни мажбур қилди
اِضْـــطَرَّ	Мажбур бўлди

15

حَاضِـــر	Ҳозир
عَظِيْـــمٌ	Зўр, улуғ (бу ўринда яхши, гўзал маъносида)
اَكْثَـــر	Кўпроқ
غَلَـــطٌ	Янглишмоқ, хато қилмоқ
تَوْسِـــيْخٌ	Кир қилмоқ
تَـــوْبِيْخٌ	Ганбеҳ бермоқ, огоҳлантириш
لُزُوْمٌ	Лозим бўлмоқ
خَطٌّ	Чизиқ
بُنَـــىٌّ	Ўғлон
اَلصُوَرُ الْمُتَحَرِّكَةُ	Ҳаракатли сурат, мултфилм

16

لَدَيْتَ	Кошки
لَيْتَنِى اَرْجِـــعُ	Кошкиди мен қишлоғимга
اِلَى قَـــرْيَتِى	қайтсам
غَزَلٌ	Ғўқийдиган ип
كَـــىْ	Учун

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

كَـــيْ يَكْتُـــبَ	Ёзиш учун	تَحْقِيْـــرٌ	Сақламоқ, давом этмоқ
زَهْرٌ	Гул	مُحَافَظَـــةٌ	Санамоқ, ҳисобламоқ
شَـــمْعٌ	Мум	عَـــدٌّ	Ваъзланмоқ
شَـــكٌّ	Шак-шубҳа	اِتِّعَـــاظٌ	Кўтармоқ
بِـــلاَ شَـــكٍّ	Шак-шубҳасиз	حَمْلٌ	Ёзгандан кейин
كَمَـــا رَأَيْـــتَ	Кўрганингдек	بَعْـــدَ اَنْ كَتَـــبَ	
مِنْقَـــارٌ	Тумшуқ(қушларнинг тумшуғи)	**18**	
عُـــشٌّ	Ин, қуш ини (уяси)	خُـــرُوفٌ	Қўзичоқ
رَبْـــضٌ	Ётмоқ (ит ва бошқа ҳайвонларнинг ётиши)	مُـــرْتَفِعٌ	Баланд
صَـــفِيْرٌ	Ҳуштак чалмоқ	تَعْكِـــيرٌ	Лойқалатмоқ, булғамоқ
وَمَا صَلَّى الْعَصْـــرَ حَتَّى غَابَتِ الشَّمْسُ	Аср намозини ўқиб бўлмасидан қуёш ботди	عَكَّـــرَ الْمَـــاءَ	Сувни лойқалатди
اِذَنٌ	Ундай бўлса	عَـــالٍ	Юқори, тепа
اِنْطِـــلاَقٌ	Кетмоқ	مَكَانٌ عَـــالٍ	Юқори макон
17		مُنْخَفِـــظٌ	Паст
اِنْتِقَـــادٌ	Танқид қилмоқ	مَكَانٌ مُنْخَفِـــض	Паст макон
سَـــيْرٌ	Тасма, боғич	عِقَـــابٌ	Жазоламоқ
مَحْلُـــولٌ	Ечилган	وِلاَدَةٌ	Туғмоқ
اِقْتِـــدَاءٌ	Эргашмоқ	وَلَدَتْ اُنْثَي	Қиз бола туғди
	Камситмоқ	وَلَدَ فِـــى الْعَـــامِ الْمَاضِـــى	Ўтган йили туғди

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

اِنْقِبَـاضٌ	Торлик, роҳатсизлик
كَمَـدٌ	Қайғу
اِرَاحَـةٌ	Роҳатланмоқ
بَلِيْـدٌ	Эсипаст, зеҳнипаст
رَوْمٌ	Маромида
رَعَـاكَ اللهُ	Аллоҳ асрасин
يَـا رَعَـاهُ اللهُ	Бу фойдали ўйинни Аллоҳ сақласин
من لعب	
اَلْمفيـد	Шу билан бирга, шуни сингари,
مَـعَ ذَاكَ=مَعَ	
ذٰلِـكَ=مَعَ	
هٰذَا=كَذَاكَ=كَـذٰلِكَ	Шунингдек
اِنَّمَـا	Ҳам
اِنَّمَـا اَنَـا	Мен ҳам ўйнайман
اَلْعَـبُ	

21

وَتِـدٌ	Пона
قِبَـل	Тараф, томон
تَـدَلِّى	Осилиб тушмоқ, солмоқ
شَـقٌّ	Ёрмоқ, ёриқ

19

دَعْـوَةٌ	Чақирмоқ, даъват қилмоқ
دَعَا مُحَمَّـدًا	Муҳаммадни чақирди
اِبْـرَازٌ	Кўрсатмоқ
تَنَـاوُلٌ	Олмоқ, тановул қилмоқ
اَلَـمٌ	Алам, оғриқ
مَـدٌّ	Чўзмоқ
كَيْـفَ	Қандай
مَا	Шундай (Мавсула маъносида)
فَـرَأَى كُـلُّ مَا حَصَـلَ	Ҳосил бўлган нарсани барчасини кўрди.

20

اَهْـلاً وَمَرْحَبًـا بِـكَ	Хуш келибсиз
هَنَـاءٌ	Шодлик (Шеър вазнида келгани учун ҳамза тушган)
طَـرَبٌ	Қаттиқ хурсандчилик
وَاجِبَـات	Вазифалар
عَنَـاءٌ	Машаққат
اِيْـرَادٌ	Келтирмоқ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Суғўрмоқ	نَـــزْعٌ
Сиқмоқ	عَصْـــرٌ
Яқин бўлди	كَـــادَ
Ўлишига оз қолди	كَـــادَ يَمُـــوتُ
Ҳуши кетди	غُشِـــيَ عَلَيْـــهِ
Ҳуши кетади.	يُغْشَـــى عَلَيْـــهِ

22

Кўз ёши	دَمْـــعٌ
Оқмоқ	جَرَيَـــانٌ
Сенга нима бўлди	مَا ذَا جَرَى لَـــكَ؟
Тутмоқ, забт этмоқ	ضَـــبْطٌ
Юмшамоқ	رِقَّـــةٌ
Йиғлаганда овозини кўтарди	رَفَـــعَ صَـــوْتَهُ بِالْبُكَـــاءِ

23

Қовушмаган, енгилтак	طِيَاشَـــةٌ
Бўлди	أَنْ
Дарс вақти бўлди	أَنْ وَقْـــتَ الـــدَّرْسِ

Ҳозирланмоқ	تَهَيُّـــؤٌ
Тез	عَاجِلاً
Ўтмоқ	فَـــوْتٌ
Айланиб юрмоқ	دَوَرَانٌ
Турмоқ	نُهُوضٌ
Биринчи қадамида	خُطْوَةٌ
Олмоқ (ерга тушган нарсани)	اِلْتِقَـــاطٌ
Ёрдам бермоқ	مُسَاعَدَةٌ
Юбормоқ	صَـــرْفٌ

24

Бева хотин	اَرْمَلَةٌ
Сир, пишлоқ	جُبْـــنٌ
Низолашмоқ, жанжаллашмоқ	تَنَـــازُعٌ
Бўлмоқ	قِسْـــمَةٌ
Босмоқ, оғир келмоқ	رَجْحَـــانٌ
Ўмармоқ, юлиб олмоқ	قَضْـــمٌ
Қайтармоқ	رَدٌّ
Тарози палласи	كِفَّـــةٌ
Битмоқ	تَلَاشَـــى
Тийилмоқ	اِمْسَـــاكٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Кичкинтой бола	طِفْلٌ
Қатнашмоқ, аралашмоқ	مُخَالَطَةٌ
Ўчоқ	مُوقَدٌ
Кўмир	فَحْمٌ
Ўт	نَارٌ
Кир қилмоқ	اِتِّسَاخٌ
Таъсир этмоқ	تَأْثِيْرٌ
Унга таъсир этди	أَثَّرَ فِيْهِ
Ўртоқ, йўлдош	قَرِيْنٌ
Ёмон	سُوْءٌ
Ёмон йўлдош	اَلسُّوْءُ قَرِيْنُ
Табиат	طَبْعٌ
Ўтин	حَطَبٌ

27

Арслон боласи	شِبْلٌ
Ётмоқ	اِضْطِجَاعٌ
Тешик	جُحْرٌ
Бир қараш	نَظْرَةٌ
Йиртқич ҳайвон ва қушларнинг тирноғи	مِخْلَبٌ
Ҳайрон бўлмоқ	حَيْرَةٌ
Қочмоқ	هَرَبٌ
Шошилмоқ	عَجَلَةٌ
Қопмоқ (тишлаб узиб олмоқ)	اَلْتِقَامٌ
Ҳакам (ҳукм қилувчи)	حَكَمٌ
Кетмоқ.	اِنْصِرَافٌ

25

Жамоа, гуруҳ	مَعْشَرٌ
Сиз уламолар жамоаси ҳурматлисизлар	اَنْتُمْ مَعَاشِرَ الْعُلَمَاءِ مُحْتَرَمُوْنَ
Муштоқ бўлмоқ	اِشْتِيَاقٌ
Сайрамоқ	تَغْرِيْدٌ
Шодлантирмоқ	اِطْرَابٌ
Кўп раҳмат	جَزِيْلٌ
Алданмоқ	اِغْتِرَارٌ
Эга	ذُو
Мол эгаси	ذُو مَالٍ
Илм эгаси	ذُو عِلْمٍ
Ораларингизда	مِنْ بَيْنِكُمْ
Кўриниш.	مَنْظَرٌ

26

Изн сўрамоқ, рухсат сўрамоқ	اِسْتِئْذَانٌ
Хасис	خَسَّةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Ўлим, ҳалокат	عَطَبٌ
Бир парча ер (ўрин)	بُقْعَةٌ
Тузоқ, ов	شَرَكٌ
Подшоҳ	مَلِكٌ
Тириклик	حَيَاةٌ
Кесмоқ	قَرْضٌ
Қутилмоқ	فَلَاةٌ
Ўтламоқ	رَتْعٌ
Кечаси кетмоқ, мутлақ кетмоқ	رَوَاحٌ
Ҳалок бўлмоқ	مَصْرَعٌ
Ҳийла	كَيْدٌ
Қувват	بَأْسٌ
Куч, қувват маъносида	يَدٌ
Келажакда	أَجَلاً
Ёза бошлади	أَنْبَرَى يَكْتُبُ
Ҳамон йиғламоқда	مَا زَالَ يَبْكِي
Ҳамон кулмоқда	لَمْ يَزَلْ يَضْحَك

28

Тўғри	صَحِيحٌ
Телеграф	تِلْغِرَافٌ
Телеграф идораси	مَكْتَبٌ تِلْغِرَاف
Ўрни	بَدَلٌ
Мактуб ўрнига	بَدَلُ الْمَكْتُوبِ
Кутмоқ.	اِنْتَظَارٌ

29

Ниначи	صُرْصُورٌ
Чумоли	نَمْلَةٌ
Қўшиқ айтмоқ	غِنَاءٌ
Куйламоқ	تَرَنُّمٌ
Ўт-ўлан	عُشْبٌ
Ғамламоқ	اِدِّخَارٌ
Озуқа, ризқ	قُوتٌ
Ориқлик	هُزَالٌ
Кўнгилга тушмоқ	خُطُورٌ
Кўнгил	بَالٌ
Қарз сўрамоқ	اِسْتِقْرَاضٌ
Бермоқ (қарз бермоқ)	اِقْرَاضٌ
Тўсмоқ, қопламоқ	سَدٌّ
Рақсга тушмоқ	رَقْصٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Водий	وَادِىٌ
Чуқур	عَمِيْــقٌ
Ажиб, ажойиб	غَرِيْبٌ
Яшайдиган жой	مَسْــكَنٌ
Зийнатламоқ	تَــــزْيِيْنٌ
Муҳаммад қандай ҳам олим	مَا اَعْلَمَ مُحَمَّدًا
Бу қандай ҳам яхши китоб	مَا اَحْسَنَ هَذَا الْكِتَــابَ
Осмоқ, илмоқ	تَعْلِيْــقٌ

32

Бўшатмоқ (қилиб битирмоқ)	اِفْــــرَاغٌ
Барча ҳийлани қилиб кўрди	اَفْــرَغَ جَمِيْــعَ الْحِيْــلَ
Ухлатмоқ	تَنْــــوِيْمٌ
Гўғри келмоқ, иттифоқ бўлмоқ	اِتِّفَــاقٌ
Даволамоқ	مُعَالَجَــةٌ
Аччиқ, ғазаб	بَغْضَــاءُ
Қизиқтирмоқ	حَــثٌّ
Безовта қилмоқ	اِزْعَاجٌ
Гўполон қилмоқ	ضَــجِيْجٌ
Инграмоқ	اَنِيــنٌ
Безгак	حُمَّى

30

Семиз	سَــــمِيْنٌ
Семизлик	سِــــمْنٌ
Етакламоқ	قِيَــــادَةٌ=قُــوْدٌ
Уй, ўрин	مَنْــــزِلٌ
Ҳийла қилмоқ	مَكْــــرٌ
Ҳийлакор	مَــاكِرٌ
Кенгаш қилмоқ	تَشَــاوُرٌ
Кўринмоқ	عَــرْضٌ
Унга кўринди	عَرَضَ لَــــهُ
Иш	شَــــأْنٌ
Ҳайитдан икки кун олдин	قَبْــلَ الْعِيْــدِ بِيَــــوْمَيْنِ
Унга ҳийла қилди	اِحْتَــالَ عَلَيْــهِ
Кўзини сеҳрлаган	سَــحَرَ عَيْنَــهُ
Хоҳлаган томонларига	حَيْــثُ شَــاؤُوا

31

Эргашмоқ	تَبَــعٌ
Унга эргашди	تَبِعَــهُ
Ўрин	مَحَلٌّ
Қўли билан олди	تَلَقَّى بِيَــدِهِ
Тинч турмоқ, тик турмоқ	هُــدُوٌّ
Юқори кўтарилмоқ	شُــخُوصٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Йўқ	مَفْقُــودٌ
Бўшатмоқ, қўйиб юбормоқ	تَخْلِيَــةٌ
Таълил учун келган	حَتَّــى
Кошки	لَيْتَمَــا

34

Турна	كُــرْكِيٌّ
Кўл	غَــدِيْرٌ
Ҳаво	جَــوٌّ
Хислат	خَصْــلَةٌ
Кийик	اَيِّــلٌ
Ишни яхшилаб қилмоқ	اِتْقَــانٌ
Ўйла	هَبْ
Чунки	حَيْــثُ
Яхшилик	خَيْــرٌ

35

Тинч, роҳатли	هَنَــاءٌ
Яшаш унга роҳатли	هَنَا لَــهُ
Қабз қилмоқ, ушламоқ, тутмоқ	اَلْعِيــش
Уни	قَبْــضٌ
Агар ундай бўлмаса	اِيَّــاهُ
Шифт	وَ اِلاَّ
	سَــقْفٌ

Раҳмат назари	نَظْرَةُ رَحْمَــةٌ
Уялмоқ	حُجَــلٌ
Бошламоқ	شَــرَعَ
Зарар	اَذًى
Кўп	رُبَّ
Кўп киши	رُبَّ مِــنْ

33

Маҳкамлаб қўймоқ	تَحْكِيْــمٌ
Таом	طُعْــمٌ
Қармоқ	صِــنَارَةٌ
Сувга чўммоқ, шўнғимоқ	غَطَسٌ
Илинтирмоқ	شَــبْكٌ
Бақа	ضِــفْدَعٌ
Тўймоқ	شَــبَعٌ
Йўл	سَــبِيْلٌ
Қарилик	كِبَــرٌ
Кекса бўлди	كَبُــرَ
Кекса бўлади	يَكْــبَرُ
Каттароқ	اَكْبَــرُ
Тўр	شَــبَكَةٌ
Кўз	عَيْــنٌ
Жоҳилнинг кўзи	عَيْنُ الْجَاهِــلِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Қувмоқ
Ҳеч кимга қарамасдан ўтиб кетди — مُطَارَدَةٌ — مَرَّ لَا يَلْوِي عَلَى اَحَدٍ

38

Тиришмоқ — جِدٌّ
Гулли боғ — رَوْضَةٌ
Мева — ثَمَرٌ
Ялтирамоқ — اِيْمَاضٌ
Ташламоқ — اِطِّرَاحٌ
Ғанимат билмоқ — اِغْتِنَامٌ
Муваффаққиятсизлик — فَشَلٌ
Шошилмоқ — مُبَادَرَةٌ
Ҳижжаламоқ — تَهَجُّأٌ
Малолланмоқ — مَلَلٌ
Ҳамён, кармон — كِيْسٌ
Бўш — فَارِغٌ
Тўпламоқ, эга бўлмоқ — اِحْرَازٌ
Талаб қилмоқ — اِلْتِمَاسٌ
Вақт — اَوَانٌ
Хўрлик — ذُلٌّ
Ғам — هَمٌّ
Улуғ, зўр — جَلِيْلٌ
Жуда улуғ — اَجَلٌّ

Чоғда — حَالَمَا
Ўқиган чоғингда — حَالَمَا قَرَأْتَ
Яширмоқ — اِخْفَاءٌ
Турмоқ — اِقَامَةٌ
Қувмоқ — دَفْعٌ
Қанот — جَنَاحٌ
Тушмоқ, қўнмоқ — وُقُوعٌ
Ғинғиллаш — طَنِيْنٌ
Сезмоқ — اِحْسَاسٌ

36

Кесилмоқ — اِنْقِطَاعٌ
Тўғри йўлни кўрсатмоқ — اِرْشَادٌ
Қутулмоқ — خَلَاصٌ
От озиғи — عَلَفٌ
Эга, ўртоқ — صَاحِبٌ
Надомат этмоқ — نَدَمٌ
Зиён қилмоқ — خُسْرَانٌ
Тушмоқ, келмоқ — حُلُولٌ
Қочмаслиги учун — لِئَلَّا يَهْرُبَ

37

Чайла, уйча — عَرِيْشٌ
Она эчки — عَنْزَةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Бош тортмоқ	اِبَـاءٌ

42

Қоронғулик	ظَـلاَمٌ
Уялмоқ	اِحْتِشَامٌ
Қуруқ	يَـابِسٌ
Маҳрум қилмоқ	حِرْمَانٌ
Уни овқатдан маҳрум қилди	حرمه الطعام
Нафис	نَفِيـسٌ
Қаймоқ	زُبْـدَةٌ
Сут	حَلِيْـبٌ
Сут ёғи	سَـمْنٌ
Ташламоқ, тарк этмоқ	مُغَـادَرَةٌ
Бир парча гўшт	لَحْمَـةٌ

43

Оғирлик қилмоқ,	تَثْقِيْـلٌ
Унга оғирлик қилди	ثَقَّلَ عَلَيْـه
Билдирмоқ	اِعْلاَمٌ
Бурга	بَـرْغُوث
Сезмоқ	شُـعُورٌ
Бит	قَمْـل

44

Доҳий	دَهَـاءٌ
Бошлиқ кимса	دَاهِـى

40

Она ит	كَلْبَـةٌ
Айбламоқ	تَعْيِيْـرٌ
Она арслон	لَبُـوْءَةٌ
Қорин	بَطْـنٌ
Мушук миёвлади.	مَاءَ الْهِرُ

41

Маймун	قِـرْدٌ
Шамол	رِيْـحٌ
Тилла қўнғиз	يَرَاعَـةٌ
Ўт учқуни	شَـرَارَةٌ
Ўтин	حَطَبٌ
Пуфламоқ	نَفْـخٌ
Шамол қилмоқ	تَـرَوُّحٌ
Ёндирмоқ	إِيْقَـادٌ
Олов ёндирмоқ	وَقَدَ النَّـارُ
Иситмоқ	تَدْفِئَـةٌ
Қичқирмоқ	نِدَاءٌ
Баён қилмоқ	تَبْيِيْـنٌ
Тўғри бўлмоқ	اِسْـتِقَامَةٌ
Тўғриламоқ	تَقْـوِيْمٌ
Ёғоч	عُوْدٌ
Букилмоқ	اِنْحِنَـاءٌ
Камон	قَـوْسٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Қоя	ضِـــرْسٌ
Бутоқ, шох	غُصْـــنٌ
Тикмоқ, қадамоқ	نَصْـــبٌ
Келмоқ	قُـــدُومٌ
Нафратланмоқ, қочмоқ	نُفُـــورٌ
Парчаланмоқ	تَحَطُّـــمٌ

46

Қаландар	نَاسِـــكٌ
Тўлмоқ	امْتِـــلاَءٌ
Чалқанча ётмоқ	اسْـــتِلْقَاءٌ
Учи темирли таёқ (найза)	عُكَّـــازَةٌ
Қимматбаҳо	غَـــلاَءٌ
Юкли бўлмоқ	حَبَـــلٌ
Ижарага олмоқ	اسْـــتِئْجَار
Дон	بَـــذر
Экинчи	اَكَّـــارٌ
Муҳташам	فَـــاخِرٌ
Зотли	نَجِيْـــبٌ
Ўсмоқ	تَـــرَعْرَعٌ
Қаттиқлаштирмоқ	تَشْـــدِيْدٌ

47

Дастурхон	مَائِـــدَةٌ
Хонтахта	خُـــوَانٌ
Суғурмоқ	امْتِصَـــاصٌ
Шакарқамиш	قَصَـــبُ السُّـــكَّرِ
Фалон шаҳар	بَلْـــدَةُ كَـــذَا
Беҳожат бўлмоқ	اِغْنَـــاءٌ
Унга мол бериб сўрашдан беҳожат қилдим	اَدْفَعْتُهُ الْمَـــالَ فَاَغْنَيْتُـــهُ السُّـــؤَالَ
Бир томчи	قَطْـــرَةٌ
Ўрик	مِشْـــمِشٌ
Бўстон	بُسْـــتَانٌ
Очкўз	شَـــرَهٌ
Югурмоқ	هَرْوَلَـــةٌ
Ғариб	غَرِيْـــبٌ
Тунамоқ	سَـــلْخٌ
Намойиш қилмоқ	عَـــرْضٌ

45

Секин, кечикмоқ	اِبْطَـــاءٌ
Сакрамоқ	وُثُـــوبٌ
Катта тош	صَـــخْرٌ
Буюк	شَـــاهِقٌ
Чуқур	هُـــوَّةٌ
Мункайиб, ўрмалаб юрмоқ	دَبِيْـــبٌ
Чет	حَافَّـــةٌ
Йўл чети	حَافَّـــةُ الطَّـــرِيْقِ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

لِيْـفٌ	Хурмо пўстлоғи
تَهْيِئَـةٌ	Ҳозирламоқ

48

مُمُـوٌّ	Ўсмоқ
حَـبٌّ	Уруғлик, дон
مُوَاظَبَـةٌ	Давом этмоқ
تَـلَافٌ	Талафот етказмоқ
سُـنْبُلَةٌ	Бошоқ
إِيْقَـاعٌ	Туширмоқ
شَـرٌّ	Ёмонлик

49

شَـيْدٌ	Кўтармоқ
شَـيد الْبِنَـاء	Бинони қуриб кўтармоқ
جَنْـىٌ	Термоқ, йиғмоқ
تِـلَاوَةٌ	Ўқимоқ
لَحْـنٌ	Куй
خَـزْنٌ	Сақламоқ
وَكْـرٌ	Қуш уяси
كَلَـلٌ	Чарчаш, оғриқ

50

ثَقْـبٌ	Тешик
صَـبْغٌ	Бўямоқ
جَـدْيٌ	Бир ёшга тўлмаган эркак эчки
كَـرْبٌ	Қаттиқ қайғу
خِـدَاعٌ	Алдамоқ

51

مَضْـيٌ	Ўтмоқ, кетмоқ
مَضَـى	Ўтди, кетди
مُقَابَلَـةٌ	Йўлиқмоқ
قَابَلْتُ مُحَمَّـدًا	Муҳаммадга йўлиқдим
صَـحْفَةٌ	Товоқ (беш кишилик)
قَصْـعَةٌ	Товоқ (ўн кишилик)
جِفْنَـةٌ	Товоқ (ўн кишидан юқори)
إِعْجَابٌ	Ажаблантирмоқ
أَعْجَبَنِى هَـذَا	Бу нарса мени ажаблантирди
الشَّـىْءُ	Қайтмоқ
إِيَـابٌ	Кичкина кўча
زُقَـاقٌ	Фойда
رِبْـحٌ	

52

وِجَـارٌ	Бўри ва айиқ уяси
بَرِّيَّـةٌ	Саҳро
حَاسَّـةٌ	Ҳис қилиш
شَـمٌّ	Искамоқ, ҳидни сезмоқ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

54

Мўътадиллик, тўғрилик	اِعْتِدَالٌ
Кўрмоқ	اِبْصَارٌ
Эришмоқ	دَهْيٌ
Сакрамоқ	قَفْزٌ
Ўтмоқ	فَوْتٌ
Айланмоқ	تَلَفُّتٌ
Ниқтамоқ	تَأْكِيْدٌ
Малака ҳосил қилмоқ	تَمَرُّنٌ
Ҳолат	وَضْعٌ
Узун	مُطَوَّلٌ

55

Саҳро араби	أَعْرَابِيٌّ
Ироқдаги эскидан машҳур бўлган шаҳар	اَلْحِيْرَةُ
Этикчи	اِسْكَافٌ
Савдолашмоқ, баҳосини билмоқ	مُسَاوَمَةٌ
Яширмоқ, кўнгилда тутмоқ	اِضْمَارٌ
Гўрисида, рўпарасида	حِذَاءٌ
Алининг тўғрисида	حِذَا عَلِى
Яширинган (пистирма)	مَكْمَنٌ
Боғламоқ	عَقْلٌ
Отни боғладим	عَقَلْتُ الْفَرَسَ
Уч милга тенг масофа	فَرْسَخٌ
Қайтмоқ	عَوْدٌ
Ёлғизланмоқ	اِنْفِرَادٌ
Увилламоқ	عَوَاءٌ
Чена	مَرْكَبَةٌ
Тортмоқ	شَتَوِيَّةٌ
Янгидан бошламоқ	جَرٌّ
Уни айтарлик қуввати йўқ	اِسْتِئْنَافٌ
	وَلَيْسَ لَهُ قُوَّةٌ تُذْكَرُ

53

Илон	مَالِكُ الْحَزِيْنُ
Тухум қўймоқ	بَيْضٌ
Товуқ тухум қўйди	بَاضَتِ الدَّجَاجَةُ
Хурмо дарахти	نَخْلَةٌ
Қўйнига олмоқ	حِضَانَةٌ
Она гўдакни қўйнига олиши	حَضَنَتِ الْمَرْأَةُ الصَّبِيَّ
Товуқ тухумини қўйнига олди	حَضَنَتِ الدَّجَاجَةُ بَيْضَهَا
Жўжа очмоқ	اِفْرَاخٌ
Қутулмоқ	نَجَاءٌ
Соҳил	شَاطِئٌ
Дарё соҳили	شَاطِئِ النَّهْرِ
Қисмоқ	هَمْزٌ
Сидирмоқ, қоқмоқ.	دَقٌّ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Кечани ўтказмоқ	بَيْتُوتَةٌ
Издиҳом	اِزْدِحَامٌ
Тунни ўтказадиган жой	مَبِيْتٌ
Дарахт пўстлоғи	لِحَاءٌ

57

Қуриш, камайиш	غَيْضٌ
Сув қуриди	غَاضَ الْمَاءُ=غِيْضَ الْمَاءُ
Равшан бўлмоқ	بَيَانٌ
Чиқармоқ	فَقْأٌ
Сени қандай қилиб рози қилсам экан.	كَيْفَ السَّبِيْلُ اِلَى اِرْضَائِكَ

58

Кит	حُوتٌ
Балиқнинг қаноти	زِعْنِفَةٌ
Жағ	فَكٌّ
Аралашмоқ	اِشْتِبَاكٌ
Очмоқ (оғизни)	فَغْرٌ
Оғиз чети	شِدْقٌ
Оғиз четлари	شِدْقَانِ
Сузғич	مِصْفَاةٌ
Ютмоқ	اِبْتِلَاعٌ
Шошилмасдан	مَهْلٌ
Ҳозирламоқ	تَجْهِيْزٌ
Аччиқланмоқ.	اِغْتِيَاظٌ

56

Кенг	عَرِيْضٌ
Ҳикоя қилмоқ	حِكَايَةٌ
Фариддан сўз ҳикоя қилдим	حَكَيْتُ عَنْ فَرِيْدٍ كَلَامًا
Қалин	كَثِيْفٌ
Тўда	سِرْبٌ
Олча	كَرَزٌ
Қушни тумшуғи билан чўқилаши	نَقْرٌ
Мағиз	لُبٌّ
Уруғ	بِزْرٌ
Букилган	مَعْقُوفٌ
Букмоқ	عَقْفٌ
Бўғим	مَفْصِلٌ
Шошилмоқ, юқорига кўтарилмоқ	رُقِيٌّ
Ҳаммомга тушмоқ	اِسْتِحْمَامٌ
Совуқ сув билан ювинмоқ	اِبْتَرَدَ - اِبْتِرَادٌ
Тиз чўкиб ўтирмоқ	جُثُومٌ
Қанот қоқмоқ, чапак чалмоқ	تَصْفِيْقٌ
Шамолнинг эсиши	هُبُوبٌ
Туш вақтида ухламоқ	قَيْلُولَةٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

Қаршилик қилмоқ	مُكَـــابَرَةٌ
Қамиш	قَصَـــبٌ
Қумли кичкина тепалик	تَـــلٌّ
Жавоб бермоқ	إِجَابَـــةٌ
Маҳкамламоқ	تَمَكُّـــنٌ
Турганича турди, яшаганича яшади	فَعَـــاشَ بِهَـــا مَا عَاشَ
Бош устига	حُبًّـــا وَكَرَامَـــةً

60

Умид қилмоқ, орзу қилмоқ	تَمَنِّـــى
Муомала, яқинлик	عِشْرَةٌ
Ёқа	طَوْقٌ
Меш	زِقٌّ
Ҳолингга вой бўлсин	وَيْـــحٌ
Аллоҳ менинг қонимни тўксин	صَبَّ اللهُ دَمِى

Ҳозирлик	عُـــدَّةٌ
Ваҳший ҳайвонларга санчиладиган кичкина найза	مِطْـــرَدٌ
Учи ўткир темир	حَرْبَـــةٌ
Шох	شُـــعْبَةٌ
Қадамоқ	غَـــرْزٌ
Қонатмоқ	إِدْمَـــاءٌ
Оғритмоқ	عِيَـــاءٌ
Чўкмасдан турмоқ	عَـــوْمٌ
Ёғ	شَـــحْمٌ
Зайтун ёғи	زَيْـــتٌ
Кичкина кема	قَـــارِبٌ
Ағдармоқ	قَلْـــبٌ

59

Уя ясамоқ	تَعْشِـــيْشٌ
Қамишзор	أَجَمَـــةٌ
Озиқланмоқ	اِقْتِيَـــاتٌ
Қарилик	هَـــرَمٌ
Қисқичбақа	سَـــرَطَانٌ
Оққуш	عُلْجُـــومٌ
Қаттиқ қайғурмоқ	كَآبَـــةٌ
Бу ерда	هٰهُنَـــا
Ҳўнанави ерда	هُنَالِـــكَ
Битмоқ, тамом бўлмоқ	نَفَـــادٌ

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz

صنعة الله بيكبولاط

مبدأ القراءة

МАБДАЪ УЛ-ҚИРОАТ

(ЎҚИШ АСОСЛАРИ)

Иккинчи китоб

طشـــقند

«ما وراء النهر»

2005

«Fikr-media» масъулияти чекланган жамияти матбаа бўлимида чоп этилди. Босмахонага 2005 йил 24 июнда топширилди. Босишга 2005 йил 10 июлда рухсат этилди. Бичими 42Х30 $^{1}/_{8}$. Адади 1000 нусха. Офсет қоғози. 43-сон буюртма.

Баҳоси келишилган нархда.

Тошкент шаҳри, Комил Ёрматов кўчаси, 14.
“Fikr-media” Масъулияти чекланган жамияти.

www.fikr.uz
fikrmedia@list.ru

www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz www.fikr.uz